।। श्री गणेशाय नमः।। ।। श्री मनसा मातायै नमः।। ।। श्री हनुमते नमः।।

श्री श्री मनसा माता
लम्बोरधाम

मनसा माता लघु पंचांग

विक्रम संवत् २०७८ (सन् २०२१-२२)

॥ या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥

WIGWAM

PLY AS IT SHOULD BE

Contact us:

Head Office:

M.: +91 78371 33502
Tel.: +91 1882 500 052
Village Adhowal Garhi,9th KM Stone,
Hoshiarpur-Dasuya Road,
Hoshiarpur - 144208 (Pb.)

Branch Office:

M.: +91 98759 00621
Plot No.9, 3rd Floor,
Mansarovar Garden,
New Delhi - 110015.

लम्बोर धाम का परिचय

श्री मनसा माता जी का मन्दिर दिल्ली-बीकानेर रेल मार्ग पर सादुलपुर जंक्शन (राजगढ़) से मलसीसर-झुंझुनू सड़क मार्ग पर आठ कि मी दूर, बड़ी लम्बोर गांव के पूर्व में स्थित है । सड़क मार्ग द्वारा भी दिल्ली से (२४० कि० मी०) रोहतक हिसार अथवा भिवानी-बहल होते हुए एवं जयपुर से (२४० कि० मी०) चुरू-राजगढ़ अथवा झुंझुनू-मलसीसर होते हुए माताजी के मन्दिर पर पहुँचा जा सकता है । यह स्थान लम्बोरधाम के नाम से प्रख्यात है । माताजी के सेवक गणों द्वारा कुछ वर्ष पूर्व ही इस धाम का नवनिर्माण करवाया गया है । यहाँ श्री गौरीशंकर, श्री हनुमानजी एवं श्री भैरवजी के भी दर्शनीय मन्दिर हैं । देश के लाखों परिवारों की यह कुल देवी हैं । इनकी शक्ति अपार है । यहाँ प्रतिदिन संध्या, पूजा एवं आरती होती है । विशेष समारोह आश्विन एवं चैत्र नवरात्र के दिनों में होता है । बड़ी संख्या में भक्तगण गठजोड़े की जात एवं बालकों का जडूला (मुण्डन संस्कार) कराने आते हैं एवं माँ के दर्शन से लाभान्वित होते हैं । यहाँ भक्तगणों के ठहरने एवं खाने-पीने की समुचित व्यवस्था है ।

सहयोग हेतु सम्पर्क सूत्र

श्री मनसा माता मन्दिर सेवा ट्रस्ट, लम्बोर धाम

लक्ष्मीनारायण ताम्बाखेड़ीवाला - 09413121116, 08875260930 ● पवन हमीरवासिया 09432581813

संवत् २०७८ में श्री मनसा माता जी के रात्रि जागरण एवं कड़ाही/ज्योत के दिनांकों का विवरण

चैत्र शुक्ल ७ चैत्र शुक्ल ८	सोमवार मंगलवार	१६ अप्रैल २० अप्रैल	रात १२:०२ तक रात १२:४४ तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
वैशाख शुक्ल ७ वैशाख शुक्ल ८	बुधवार गुरुवार	१६ मई २० मई	दोप. १२:५१ तक दोप. १२:२३ तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
ज्यैष्ठ शुक्ल ७ ज्यैष्ठ शुक्ल ८	गुरुवार शुक्रवार	१७ जून १८ जून	रात १०:१० तक रात ०८:४० तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
आषाढ़ शुक्ल ७ आषाढ़ शुक्ल ८	शुक्रवार शनिवार	१६ जुलाई १७ जुलाई	रात ०४:३५ तक रात ०२:४२ तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
श्रावण शुक्ल ७ श्रावण शुक्ल ८	रविवार सोमवार	१५ अगस्त १६ अगस्त	दिन ०६:५२ तक दिन ०७:४६ तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
भाद्रपद शुक्ल ७ भाद्रपद शुक्ल ८	सोमवार मंगलवार	१३ सितम्बर १४ सितम्बर	दोप. ०३:११ तक दोप. ०१:१० तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
आश्विन शुक्ल ७ आश्विन शुक्ल ८	मंगलवार बुधवार	१२ अक्टूबर १३ अक्टूबर	रात ०६:४८ तक रात ०८:०८ तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
कार्तिक शुक्ल ७ कार्तिक शुक्ल ८	गुरुवार शुक्रवार	११ नवम्बर १२ नवम्बर	दिन ०६:५० तक प्रातः ०५:५२ तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
मार्गशीर्ष शुक्ल ७ मार्गशीर्ष शुक्ल ८	शुक्रवार शनिवार	१० दिसम्बर ११ दिसम्बर	रात ०७:१० तक रात ०७:१३ तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
पौष शुक्ल ७ पौष शुक्ल ८	रविवार सोमवार	०८ जनवरी ०६ जनवरी	दिन ११:०६ तक दोप. १२:२५ तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
माघ शुक्ल ७ माघ शुक्ल ८	मंगलवार बुधवार	०८ फरवरी ०६ फरवरी	दिन ०६:१७ तक दिन ०८:३१ तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत
फाल्गुन शुक्ल ७ फाल्गुन शुक्ल ८	बुधवार गुरुवार	०६ मार्च १० मार्च	रात ०२:५७ तक रात ०५:३५ तक	रात्रि जागरण कड़ाही/ज्योत

संवत २०७६ नवरात्र प्रारम्भ, शनिवार ०२.०४.२०२२
चैत्र शुक्ल अष्टमी २०७६, शनिवार ०६.०४.२०२२

श्री मनसा माता मन्दिर सेवा ट्रस्ट

एक दृष्टि

श्री आदर्श हमीरवासिया	- अध्यक्ष	: बहराईच	श्री अशोक कुमार हमीरवासिया		: कोलकाता
श्री लक्ष्मीनारायण ताम्बाखेड़ीवाला	- उपाध्यक्ष	: सादुलपुर	श्री बालकृष्ण बालासरिया		: जयपुर
श्री पवन कुमार हमीरवासिया	- मंत्री	: कोलकाता	श्री सजन कुमार ताम्बाखेड़ीवाला		: दिल्ली
श्री बिमल कुमार हमीरबासिया	- संयुक्त मंत्री	: कोलकाता	डॉ० आनन्द हमीरवासिया		: नानपारा
श्री नरेश चन्द्र हमीरवासिया	- कोषाध्यक्ष	: नानपारा	श्री आदेश हमीरवासिया		: नानपारा
श्री गिरधारीलाल शर्मा 'शास्त्री'		: मलसीसर	श्री सत्यनारायण अग्रवाल		: दिल्ली
श्री पुरूषोत्तमलाल हमीरवासिया		: रायपुर			

।। श्री गणेशाय नमः ।।

राजा मंगल

मंत्री मंगल

मनसा माता
लघु-पंचांग

प्रकाशक

श्री मनसा माता मन्दिर सेवा ट्रस्ट

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय

लम्बोर धाम, पो. लम्बोर बड़ी, जिला : चुरू, राजस्थान, पिन : 331 023

दूरभाष : 01559 222561, 222016, 94131 21116, 88752 60930

शाखा कार्यालय

22, राधाकांत जीउ स्ट्रीट (श्यामबाजार/देशबन्धु पार्क के निकट) कोलकाता-700 004

दूरभाष : 94325 81813, 70440 88844

visit : www.mansamata.com

email : info@mansamata.com

pawan_5767@yahoo.co.in

लघु पंचांग **www.mansamata.com** पर भी उपलब्ध है।

विक्रम संवत् - २०७८, शक संवत् - १९४३

सन् - २०२१-२०२२

मुद्रण संख्या - २०,००१ मूल्य - सदुपयोग

।। माँ मनसा देव्यै नमः ।।

अनुक्रमणिका

१. शिव वास सारिणी ०२
२. सम्पादक एवं अध्यक्ष की कलम से ०३
३. संवत २०७८ के मुख्य पर्व ०४
४. संवत्सर विचार ०५
५. ग्रहण, शंका समाधान ०६
६. तारा उदय-अस्त, व्यतिपात एवं तारा में वर्जित कार्य ०७
७. अमृतसिद्धि योग, सर्वार्थसिद्धि योग एवं दिन-रात्रि व्यवस्था सूत्र ..... ०८ - ०९
८. शुभ विवाह मुहूर्त ..... १० - ११
९. दीपावली पूजन मुहूर्त १२
१०. मुख्य पंचांग संवत २०७८ ..... १३ - ३६
११. विविध मुहूर्त ३७
१२. यात्रा सम्बंधी उपयोगी सुझाव ३८
१३. शनि की साढ़े साती ३९
१४. कोलकाता से अन्य स्थानों का समयान्तर, चौघड़िया इत्यादि ४०
१५. चन्द्रोदय समय ४१
१६. ग्रहों के राशि प्रवेश, वक्री-मार्गी, उदय-अस्त सारिणी ..... ४२ - ४३
१७. भद्रा विचार ४४
१८. सहयोगदाताओं / विज्ञापनदाताओं की सूची ..... ४५ - ४७
१९. महत्वपूर्ण जानकारी, लघु पंचांग प्राप्ति स्थान ४८
२०. लम्बोरधाम का परिचय ..... सी-१
२१. माताजी के जागरण, कड़ाही का विवरण श्री मनसा माता मंदिर सेवा ट्रस्ट ..... सी-२
२२. हरिद्वार कुम्भ एवं वारुणी स्नान का महत्व ..... सी-२०

मनसा माता लघु पंचांग की गणना **कोलकाता** के अक्षांश-रेखांश **(२२.३५ उत्तर - ८८.२३ पूर्व)** के मान पर सुक्ष्म केतकी गणित (चित्रापक्षीय) द्वारा निर्मित **श्री राजराजेश्वरी पंचांग** के आधार पर की गई है।

पंचांग का समय

पंचांग में दिये गये तिथि-नक्षत्र का जो समय दिया हुआ है वह IST में तिथि-नक्षत्र का समाप्ति काल का दिया हुआ है। चन्द्रमा के राशि प्रवेश का समय भी IST में है। यह सभी समय सम्पूर्ण भारतवर्ष में एक ही रहेंगें।

अथ शिव वास फल चक्रम्

तिथि सुदी	तिथि वदी	शिववास	फल
एकम्	सातम्	श्मशान में	मृत्यु तुल्य कष्ट
दूज	एकम्	गौरी के साथ	धन - सम्पत्ति
तीज	दूज	सभा में	सन्ताप-पीड़ा
चौथ	तीज	रमण में	कष्ट
पाँचम्	चौथ	कैलाश पर	सुख लाभ
छठ	पाँचम्	वृषभ पर	सिद्धि दायक
सातम्	छठ	भोजन पर	दुःख
आठम्	सातम्	श्मशान में	मृत्यु तुल्य कष्ट
नौमी	आठम्/अमावस्या	गौरी के साथ	धन-सम्पति
दशमी	नौमी	सभा में	सन्ताप-पीड़ा
ग्यारस	दशमी	रमण में	कष्ट
बारस	ग्यारस	कैलाश पर	सुख लाभ
तेरस	बारस	वृषभ पर	सिद्धि दायक
चौदस	तेरस	भोजन पर	दुःख
पूनम	चौदस	श्मशान में	मृत्यु तुल्य कष्ट

नोट : श्रावण माह में रुद्राभिषेक सभी दिन शुभ फलदायक है।

सम्पादक की कलम से

प्रिय भक्तगण,

श्री मनसा माता जी की असीम अनुकम्पा से "मनसा माता लघु पंचांग" का "बाईसवाँ पुष्प" आपकी सेवा में प्रस्तुत किया जा रहा है । मैं इस महान कार्य को अनवरत संचालित करने के लिए "श्री मनसा माता मंदिर सेवा ट्रस्ट" से जुड़े सभी सदस्यों एवं भक्तों का तन-मन-धन से निःस्वार्थ प्रकाशन करने के लिए तथा घर घर लोगों तक पहुँचाने की लक्ष्य पूर्ति हेतु सभी सुधीजनों की माँ मनसा से दीर्घायु होने की कामना करता हूँ ।

संकलन, प्रकाशन एवं लेखन में कुछ त्रुटियां रह जाना स्वाभाविक है अतएव विद्वद समुदाय से इसके लिए क्षमा प्रार्थी हूँ । साथ ही अनुभवी विद्वानों से प्रार्थना करता हूँ की "मनसा माता लघु पंचांग" में जो भी अशुद्धियां रह गई हो उसकी सूचना देने की कृपा करें जिससे उन्हे शुद्ध कर प्रयोग में लाकर परिश्रम को सार्थक कर सकें । आप सबका सहयोग ही मेरे परिश्रम की सफलता है ।

सभी पाठकों का नववर्ष मंगलमय हो ।

पं० जितेन्द्र आचार्य *'ज्योतिषाचार्य'*
भारतभूषण एवं डॉ. मेघनाथ साहा पुरस्कार से सम्मानित
पंचांगकर्ता श्री राजराजेश्वरी पंचांग

अध्यक्ष की कलम से

प्रिय भक्तगण,

मनसा माता लघु पंचांग निरंतर इक्कीस वर्षों से प्रकाशित किया जा रहा है । यह कार्य अति सराहनीय है । पंडित जितेन्द्र आचार्य जी के हम अभारी हैं जिन्होने गत कई वर्षों के भाँति इस वर्ष भी सम्पादन कार्य का दायित्व लेकर हमे कृतार्थ किया ।

प्रति वर्ष इसकी मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है जो की इसकी उपयोगिता एवं लोकप्रियता का स्वयमेव एक प्रमाण है । लघु पंचांग का "बाईसवाँ पुष्प" आप सभी को अर्पण कर रहा हूँ । आशा है आप इसे सादर ग्रहण करेंगे ।

माँ मनसा से आप सभी की मंगलकामना सहित –

आपका शुभेच्छु
आदर्श हमीरवासिया

संवत् २०७८ सन् २०२१-२२ ईस्वीय मुख्य पर्व

अप्रैल २०२१	
नवरात्र, नवसंवत्सर प्रारंभ	मंगल १३
गणगौर विसर्जन	वृह १५
छठ पूजा (चैती छठ)	रवि १८
दुर्गाष्टमी	मंगल २०
श्री रामनवमी	बुध २१
श्री महावीर जयन्ती	रवि २५
श्री हनुमान जयन्ती	मंगल २७
मई	
परशुराम जयन्ती, अक्षय तृतीया	शुक्र १४
नृसिंह चतुर्दशी	मंगल २५
बुद्ध पूर्णिमा	बुध २६
जून	
वट सावित्री व्रत, शनि जयंती	वृह १०
जमाई षष्ठी (बंगाल)	बुध १६
महेश नवमी	शनि १९
गंगा दशहरा	रवि २०
निर्जला एकादशी व्रत	सोम २१
जुलाई	
गुप्त नवरात्र प्रारम्भ	रवि ११
रथयात्रा (जगन्नाथ पुरी)	सोम १२
मनसा माता प्रतिष्ठा दिवस	रवि १८
उल्टा रथ	सोम १९
देवशयनी एकादशी व्रत	मंगल २०
चातुर्मास प्रारम्भ	बुध २१
बाबा बलदेव दास पुण्य तिथि	बुध २१
गुरु पूर्णिमा (व्यास पूजा)	शनि २४
नाग पंचमी	रवि २८
अगस्त	
हरियाली अमावस्या	वृह ०८
सिंधारा (वहन-बेटियों का)	शनि १०
रक्षाबन्धन (राखी)	रवि २२
बहुओं का सिंधारा	मंगल २४
बड़ी तीज (कज्जरी)	बुध २५
चाना छठ	शनि २८
श्री कृष्ण जन्माष्टमी	सोम ३०
गोगा नवमी	मंगल ३१
सितम्बर	
वच्छवारस	शनि ०४
भादी अमावस्या (सती मेला)	सोम ०६
रामदेवजी जन्मोत्सव	बुध ०८
श्री गणेश चतुर्थी	शुक्र १०
ऋषि पंचमी	शनि ११
सियाणा भैरव मेला	रवि १२
दुबड़ी सातम,	सोम १३
पुनरासर हनुमान मेला	मंगल १४
राधाष्टमी	मंगल १४
रामदेवरा मेला	वृह १६
अनन्त चौदस व्रत	रवि १९
श्राद्ध प्रारम्भ	सोम २०
जीवित्पुत्रिका व्रत	बुध २९

अक्टूबर	
महालया	बुध ०६
नाना/नानी श्राद्ध	वृह ०७
शारदीय नवरात्रारम्भ	वृह ०७
महाराजा अग्रसेन जयंती	वृह ०७
श्री दुर्गाष्टमी, महाष्टमी	बुध १३
दशहरा, विजयादशमी	शुक्र १५
लक्खी पूजा, शरद पूर्णिमा	बुध २०
करवा चौथ	रवि २४
अहोई अष्टमी	वृह २८
नवम्बर	
धन त्रयोदशी, धनतेरस	मंगल ०२
नरक, रूप चतुर्दशी	बुध ०३
दीपावली, श्री लक्ष्मी गणेश पूजन	वृह ०४
गोवर्धन पूजा, अन्नकूट	शुक्र ०५
भैया दूजा, यमद्वितीया	शनि ०६
छठ पूजा (डाला छठ)	बुध १०
गोपाष्टमी	शुक्र १२
आँवला नवमी	शुक्र १२
देवउठनी एकादशी व्रत, तुलसी विवाह	सोम १५
गुरुनानक जयन्ती	शुक्र १९
सौभाग्यसुन्दरी व्रत	वृह २२
काल भैरवाष्टमी	शनि २७
श्री राणीसतीजी जयन्ती	रवि २८
दिसम्बर	
बाबा बलदेवदास जयन्ती	रवि ०५
श्री रामजानकी विवाहोत्सव	बुध ०८
गीता जयन्ती, वैकुंठ एकादशी व्रत	मंगल १४
जनवरी २०२२	
गुरुगोविन्द सिंह जयन्ती	रवि ०९
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	बुध १२
मकर संक्रांति	शुक्र १४
शाकम्भरी जयन्ती	सोम १७
माही चौथ	शुक्र २१
फरवरी २०२२	
मौनी अमावस्या	मंगल ०१
गुप्त नवरात्रारम्भ	बुध ०२
बसंत पंचमी, सरस्वती पूजा	शनि ०५
श्रीनाथद्वारा पाटोत्सव	बुध २३
मार्च २०२२	
महाशिवरात्रि व्रत	मंगल ०१
फूलरिया दूज	शुक्र ०४
रामकृष्ण परमहंस जयंती	शुक्र ०४
होलाष्टक प्रारम्भ	वृह १०
खाटू श्यामजी का मेला	मंगल १५
होलिकादहन, दोलयात्रा	वृह १७
छारेंडी, धुलण्डी, होली	शुक्र १८
सूरज रोटा	रवि २०
आसमाता व्रत	सोम २१
शीतलाष्टमी, वासोड़ा	शुक्र २५
अप्रैल २०२२	
संवत् २०७८ समाप्त	शुक्र ०१

संवत्सर विचार - २०७८

वर्तमान संवत्सर का प्रारम्भ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा १३-०४-२०२१, मंगलवार को अश्विनी नक्षत्र में हो रहा है। इस संवत् का **राजा मंगल** व **मंत्री मंगल** होगा।

संवत् २०७८ विक्रम संवत् का नाम '**आनन्द**' होगा। जनता वर्षभर विश्वासु नाम के संवत्सर का उपयोग संकल्प वगैरह में करेगी। वर्तमान वर्ष सृष्टियाब्द १९५५८८५१२२ गत होकर सतयुग, त्रेता, द्वापर का तृतीय चक्र होकर कलियुग का ५१२२ वर्ष गत होकर शेष ४,२६,८७४८ रहेगा।

महाराजा वीर विक्रमादित्य का संवत् २०७७ गत वर्ष तथा वीरभुज शालिवाहनका १९४३ वर्ष शाका गत हो जायेगा। श्री कृष्ण जन्म संवत् ५२५७, सप्तर्षि संवत् ५०९७, बुध संवत् २६४४-४५, श्री महावीर (जैन) संवत्) २५४६-४७, अंग्रेजी २०२१-२२ ईस्वी होगा।

राजा - मंगल ● मंत्री - मंगल

सस्येश - शुक्र	मेघेश - मंगल	धान्येश - गुरु
रसेश - सूर्य	धनेश - गुरु	फलेश - चन्द्रमा
दुर्गेश - चन्द्रमा	नीरसेश - शुक्र	

उपरोक्त दशाधिकारी भूमण्डल पर शासन करेंगे।

इस संवत्सर में वर्ष नाम चतुर्मेघ है। चतुर्मेघ का नाम आवर्त, रोहिणी का निवास समुद्र तट पर ही होगा। समय का वास धोबी के घर पर है। समय विश्वा ११ है और समय का वाहन वृषभ होगा।

चतुर्स्तम्य में इस वर्ष दो स्तम्भ, वायु और अन्न स्तम्भ ही रहेंगे।

तिथि वृद्धि और तिथि क्षय क्रमशः विशोंतरी मतानुसार वर्षादि के विश्वमान

सोमवती	३	तृण	१७	उग्रता	५	अण्डज	१
तिथि क्षय	१४	निद्रा	७	पुण्य	१७	स्वदेज	५
तिथि वृद्धि	१२	आलस्य	३	व्याधि	१७	टिड्डी	९
विश्वामान वर्षा	९	उद्यम	९	व्याधिनाश	७	तोता	७
धान्य	१३	शांति	७	आचार	७	मूषक	१९
तृण	१३	क्रोध	५	अनाचार	१	सोना	१९
शीत	७	दम्भ	१५	मृत्यु	११	तांबा	७
तेज	७	लोभ	११	जन्म	३	स्वचक्र	९
वायु	१३	विलास	१५	देशोपद्रव	९	परचक्र	१५
वृद्धि	१५	रस	९	देशस्वास्थ्य	१५	वृष्टिनाश	११
क्षय	१५	फल	१३	चोर भय	१५	संवत् विश्वा ९	
विग्रह	११	फल निष्पति	११	उद्भिज	५		
क्षुधा	१७	उत्साह	३	जरायुज	३		

सम्वत् २०७८ के ग्रहण का विवरण

सम्वत् २०७८ में विश्व में ४ ग्रहण दिखाई देंगे। उसमें २ सूर्यग्रहण एवं २ चन्द्रग्रहण पृथ्वी पर घटित होंगे। उनमें १ ग्रहण (सूर्य) भारत में दिखाई नहीं देगा, बाकी तीनों ग्रहण भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में दिखाई देंगे।

खग्रास चन्द्रग्रहण : २६ मई २०२१, बुधवार, वैशाख सुदी पूर्णिमा को सायंकाल चन्द्रोदय के समय पश्चिम बंगाल, अरुणाचल, नागालैण्ड, पूर्वी ओडिसा, मिजोरम, मणिपुर, आसाम, त्रिपुरा, मेघालय में ग्रस्तोदय के रूप में बहुत कम समय के लिए खग्रास चन्द्रग्रहण दिखाई देगा। भारत के बाकी शहरों में यह ग्रहण नहीं दिखाई देगा। ग्रहण का विवरण निम्न प्रकार है-

ग्रहण प्रारम्भ दोपहर ०३.१५ बजे से	खग्रास प्रारम्भ सायं ०४.४० बजे से
खग्रास मध्य सायं ०४.५८ बजे से	खग्रास समाप्त सायं ०४.५८ बजे
ग्रहण समाप्त सायं ०६.२३ बजे	

इस ग्रहण का सूतक प्रातः ०६.१५ बजे से प्रारम्भ होगा, पर जहाँ ग्रहण नहीं है, वहाँ पर कोई मान्यता नहीं होगी।

भारत के विभिन्न स्थानों पर चन्द्रोदय व ग्रहण कितने समय तक--

शहर	चन्द्रोदय	समय घं. मि.	शहर	चन्द्रोदय	समय घं. मि.	शहर	चन्द्रोदय	समय घं. मि.
कोलकाता	१८.१५	००.०८	गौहाटी	१८.०८	००.१५	पोर्टब्लेयर	१७.३८	००४.४५
अगरतल्ला	१८.०५	००.१८	जोरहाट	१७.५९	००.२४	भद्रक	१८.२०	००.०३
कोणार्क	१८.२०	००.०३	पुरी	१८.२०	००.०३	भुवनेश्वर	१८.२१	००.०२
सिलचर	१८.०१	००.२२	कोहिमा	१७.५७	००.२६	दिसपुर	१८.०८	००.१५

कंकण (स्वल्प) सूर्यग्रहण : १० जून २०२१, गुरुवार, ज्येष्ठ बदी अमावस्या को कंकण सूर्यग्रहण भारत के अरुणाचल प्रदेश के कई जगहों में दिखाई देगा। भारत के बाकी भागों में दिखाई नहीं देगा।

खण्डग्रास चन्द्रग्रहण : १९ नवम्बर २०२१, शुक्रवार, कार्तिक सुदी पूर्णिमा को भारत के सुदूर पूर्वी राज्यों अरुणाचल प्रदेश व आसाम के केवल पूर्वी क्षेत्र में बहुत ही कम समय के लिए दिखाई देगा। शेष भारत में यह ग्रहण बिल्कुल भी दिखाई नहीं देगा।

खग्रास सूर्यग्रहण : ४ दिसम्बर २०२१, शनिवार, यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा।

शंका समाधान

नये घर में प्रवेश करते समय पहला त्यौहार होली नहीं आना चाहिए, यह बात सत्य है या नहीं?

उत्तर : किसी भी नये गृह में प्रवेश करते समय अगर होली प्रथम त्यौहार आये तो अच्छा नहीं होता है। यह बात केवल मात्र अफवाह के अलावा कुछ नहीं है, क्योंकि मुहूर्त्त शास्त्र में गृह-प्रवेश के लिए वैशाख, ज्येष्ठ, माघ एवं फाल्गुन मास ही सर्वश्रेष्ठ माने जाते हैं। इसके अलावा कार्तिक सुदी ११ के बाद व मंगसिर महीने उत्तम माने जाते हैं तो फिर पहला त्यौहार होली आना अशुभ कैसे हो सकता है। आप आराम से गृह प्रवेश कर सकते हैं।

क्या चौमासे में नये गृह में प्रवेश करना चाहिए?

उत्तर : सनातन शास्त्रों में स्पष्ट लिखा हुआ है कि चतुर्मास में जगत के पालन-पोषणकर्ता लक्ष्मी सहित अपने वैकुण्ठ में निवास करने चले जाते हैं व मृत्यु के देवता भगवान शिव का शासन रहता है। इसलिए आप अनुसंधान कर लें। अधिकतर लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ता है, जिसने चौमासे में गृह-प्रवेश किया है।

जय चामुण्डा माँ

जय श्री पूनरासर

पं. जितेन्द्र आचार्य 'ज्योतिषाचार्य'

भगवत्-ममर्ज्ञ, आध्यात्मिक उर्जा श्रोत प्रदानकर्त्ता, पंचांगकर्त्ता, कर्मकाण्ड विशेषज्ञ
भारतभूषण एवं डा. मेघनाथा सहा पुरस्कार से सम्मानित।

श्री धनेश्वर ज्योतिष अनुसंधान संस्थान

संस्थान के कर्त्तव्य

उचित मार्गदर्शन सेवा परमोधर्म

संस्थान द्वारा सम्पादित होने वाले कार्य :

सभी तरह के मुहूर्त्त संबंधी कार्य, ज्योतिष संबंधी कार्य, फलादेश, ग्रहों के उपाय, विवाह संबंधी हर कार्य, शतचण्डी विधान, वास्तु संबंधी (कारखाना, घर, दुकान, ऑफिस) कार्य वास्तुशांति, श्रीमद् भागवत् पुराण कथा यज्ञ, रामकथा वाचन हमारे संस्थान द्वारा अलग-अलग लोगों से अलग-अलग मूल्य पर कोई कार्य नहीं किया जाता अपितु सभी से एक ही तरह का मूल्य लिया जाता है।

कार्यालय :

4, गोरदास बैशाख लेन (सी.आई.टी. पार्क के सामने), प्रथम तल्ला, कोलकाता - 700 007

निवास :

273, बांगुर एवेन्यु, ए-ब्लॉक, 3रा तल्ला, फ्लैट नं-2, कोलकाता - 700055

दूरभाष : 9831116226

E-mail: pt.jacharya@gmail.com, panditjitender.ja@gmail.com

Bankers :

HDFC Bank, Lake Town, A/c. No. 50100032467254

Punjab National Bank, K.M. Road, Bikaner, A/c. No. 3592000100117553

With best compliments from :

Vasudeo Goenka

Laxmi Organic Industries Limited

3rd Floor, Chandermukhi Building
Nariman Paint, Mumbai - 400 021

Ph : 022 49104444/22851316
Fax : 022 22853752
e-mail : info@laxmi.com

www.laxmi.com

मेष राशि (Aries) : चू चे चो ला ली लू ले लो अ

मेष राशि वाले जातकों के लिए आने वाला नया साल बहुत ही उत्साह, पराक्रम और कई बदलावों से भरपूर रहने वाला है क्योंकि इस वर्ष कई क्षेत्रों में अपने पुराने कार्यों को आप न केवल पूरा करने में सफल रहेंगे, बल्कि इस वर्ष आपके सितारे भी आपका साथ देते दिखाई देंगे। नौकरी पेशा जातकों को सफलता मिलेगी और उनको भाग्य का साथ भी मिल सकेगा। इस समय आपको कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लेने पड़ सकते हैं, ऐसे में खुद को तनाव मुक्तरखते हुए ही, किसी भी निर्णय पर पहुँचना आपके लिए बेहतर रहेगा। व्यापारी वर्ग इस वर्ष थोड़ा निराश रह सकता है, क्योंकि शनि देव आपसे अधिक मेहनत कराने वाले हैं। छात्रों के लिए इस वर्ष की शुरुआत और वर्ष का अंत बेहद अच्छे रहने वाले हैं।

संवत् २०७८ तारा उदय एवं अस्त

	शुक्र तारा						गुरु तारा			
स्थान	उदय	पश्चिम	अस्त	पश्चिम	उदय	पूर्व	अस्त	पश्चिम	उदय	पूर्व
	दिनांक	घं. मि.	दिनांक	घं. मि.	दिनांक	घं. मि.	दिनांक	घं. मि.	दिनांक	घं. मि.
कोलकाता	२०.०४	१३.५३	०५.०१	२३.३६	११.०१	१७.५८	२२.०२	२४.१७	२२.०३	१९.२०
जयपुर	२०.०४	२३.०५	०५.०१	२६.२९	११.०१	१५.०४	२२.०२	२०.३५	२४.०३	१०.२७
दिल्ली	२१.०४	०३.४५	०६.०१	०३.३०	११.०१	१४.०२	२२.०२	१८.३९	२४.०३	२८.३४
चेन्नई	२०.०४	०६.२०	०५.०१	१५.४९	११.०१	२५.४३	२२.०२	२६.५६	२०.०३	०६.२६
मुम्बई	२०.०४	०९.००	०५.०१	२०.५२	११.०१	२०.४१	२२.०२	२६.०९	२१.०३	१६.५०
वाराणसी	२०.०४	१९.१८	०६.०१	०१.२९	११.०१	१६.०४	२२.०२	२२.०७	२३.०३	१९.१०
हैदराबाद	२०.०४	०७.३७	०५.०१	१९.३३	११.०१	२२.००	२२.०२	२६.३९	२१.०३	०६.२५
बीकानेर	२०.०४	२६.२५	०५.०१	२७.४४	११.०१	१४.१९	२२.०२	१९.१३	२४.०३	२३.२८
बेंगालुरु	२०.०४	०६.२१	०५.०१	१५.४४	११.०१	२५.४९	२२.०२	२६.५६	१९.०३	२९.५६
गुवाहाटी	२०.०४	२१.१६	०५.०१	२६.०२	११.०१	१५.३२	२२.०२	२१.१९	२३.०३	२७.१२
अमृतसर	२१.०४	१३.२१	०५.०१	२९.०५	११.०१	१२.२७	२२.०२	१४.४१	२६.०३	१६.३७
जोधपुर	२०.०४	२१.१३	०५.०१	२६.०१	११.०१	१५.३२	२२.०२	२१.२०	२३.०३	२७.०३

निम्नलिखित कार्यों को गुरु व शुक्र (तारा) के अस्त पर कभी नहीं करना चाहिये

सभी सनातन संस्कृति के विद्वान जनों के ज्ञानार्थ यह बताया जा रहा है कि मुहूर्त चिंतामणि के प्रथम अध्याय शुभाशुभ प्रकरण के श्लोक संख्या 46 व 47 को उद्धरण करते हुए बता रहा हूँ जो शास्त्र के अनुकूल है वह आप सभी के लिए पूर्णतया सही होगा वहीं करना सभी के लिए अनुकूल रहेगा।

*वाप्यारामतड़ागकूप भवनारम्भ प्रतिष्ठे व्रतारंभोत्सर्ग वधू प्रवेशनमहादानानि सोमष्टके ।
गोदानाग्रयणप्रपाप्रथम कोपाकर्म वेदव्रतं नीलोद्वाहमथातिपन्न शिशु संस्कारान् सुरस्थापनम् ।। 46 ।।
दीक्षामौञ्जि विवाह मुंडनमपूर्व देवतीर्थेक्षणं सन्यासाग्नि परिग्रहौ नृपति सन्दर्शाभिषेकौ गमम् ।
चातुर्मास्य समावृती श्रवणयोर्वेधं परीक्षाम् त्यजेद् वृद्धत्वास्त शिशुत्व इज्यसितयोर्न्यूनाधिमासे तथा ।। 47 ।।

इसका अर्थ हिन्दी में यह है कि जब जब आकाशीय खगोल में ग्रहों के गुरु व शुक्र के अस्त, शिशुत्व व वृद्धत्व रहने के दौरान तथा अधिक मास व क्षय मास में ये सारे कार्य किसी भी हालत में ना करे। इस श्लोक का अर्थ :- बावड़ी, तड़ाग, बाग, कुआं, आदि के निर्माण की प्रक्रिया की शुरुआत, व प्रतिष्ठा, लंबे समय के लिए किए जाने वाले व्रत का आरंभ व उद्यापन, वधु प्रवेश, महादान जिसमें 16 तरह के महादान, सोमयाग, अष्टका श्राद्ध, गो दान, नए अन्न का प्रयोग, प्याऊ बनाना या लोकार्पण, पहली बार किया जाने वाला श्रावणी कर्म वेद व्रत अर्थात वैदिक महा नाम्नी व्रत, उपनिषद व्रत, आदि। सांड छोड़ना, उचित समय बीत जाने पर कालातीत में किये जाने वाले जातकर्म, नामकरण आदि संस्कार। दीक्षा ग्रहण करना , यज्ञोपवीत, विवाह, मुंडन, प्रथम बार देवस्थान या किसी तीर्थ स्थान की यात्रा, सन्यास लेना, अग्निहोत्र का व्रत लेना, पहली बार राजा से मिलना, राज्याभिषेक, प्रथम बार यात्रा, चातुर्मास आरंभ, समावर्तन, कर्ण वेध, नया प्रयोग या परीक्षा। ये सभी कार्य अति आवश्यकता अगर नहीं हो तो नहीं करना चाहिए।

व्यतिपात योग

समय से		समय तक	
२७.०४.२१	सायं ०७:५८	२८.०४.२१	दोप. ०३:४६
२३.०५.२१	दोप. ०२:५२	२४.०५.२१	दिन ११:०८
१८.०६.२१	प्रातः ०४:५७	१८.०६.२१	रात ०२:४२
१३.०७.२१	दोप. ०२:४४	१४.०७.२१	दोप. ०१:२१
०६.०८.२१	रात १२:३२	०८.०८.२१	रात ११:३३
०२.०९.२१	दिन १०:०४	०३.०९.२१	दिन १०:०५
२७.०९.२१	सायं ०४:४६	२८.०९.२१	रात ०५:४५

समय से		समय तक	
२२.१०.२१	रात ०९:३४	२३.१०.२१	रात १०:२७
१५.११.२१	रात ०१:४१	१७.११.२१	रात ०२:१०
११.१२.२१	रात ०५:५८	१२.१२.२१	रात ०५:४०
०६.०१.२२	दोप. ०३:२०	०७.०१.२२	दोप. ०१:०७
०१.०२.२२	दिन ०६:३६	०१.०२.२२	रात ०३:०४
२६.०२.२२	रात ०८:४७	२७.०२.२२	सायं ०५:३४
२४.०३.२२	दिन ०७:२४	२४.०३.२२	रात ०४:३२

व्यतिपात योग अशुभ योग माना जाता है, इसमें किसी भी प्रकार के शुभ कार्य वर्जित हैं

।। अमृतसिद्धि योग ।।

समय से		समय तक	
१३.०४.२१	सूर्योदय	१३.०४.२१	दोप. ०२:१७
२५.०४.२१	सूर्योदय	२५.०४.२१	रात ०१:५२
२८.०४.२१	सायं ०५:१०	२६.०४.२१	सूर्योदय
२३.०५.२१	सूर्योदय	२३.०५.२१	दोप. ०२:१०
२६.०५.२१	सूर्योदय	२६.०५.२१	रात ०१:१३
०४.०६.२१	रात ०८:४४	०५.०६.२१	सूर्योदय
२३.०६.२१	सूर्योदय	२३.०६.२१	दोप. ११:४६
०२.०७.२१	सूर्योदय	०३.०७.२१	सूर्योदय
३०.०७.२१	सूर्योदय	३०.०७.२१	दोप. ०२:००
२७.०६.२१	सायं ०५:४७	२८.०६.२१	सूर्योदय
३०.०६.२१	रात ०१:३०	०१.१०.२१	सूर्योदय
२३.१०.२१	रात ०६:५०	२४.१०.२१	सूर्योदय
२५.१०.२१	सूर्योदय	२५.१०.२१	रात ०४:०८
२८.१०.२१	दिन ०६:३६	२६.१०.२१	सूर्योदय

समय से		समय तक	
१६.११.२१	रात ०८:१२	१७.११.२१	सूर्योदय
२०.११.२१	सूर्योदय	२१.११.२१	सूर्योदय
२२.११.२१	सूर्योदय	२२.११.२१	दिन १०:४१
२५.११.२१	सूर्योदय	२५.११.२१	सायं ०६:४७
१४.१२.२१	सूर्योदय	१४.१२.२१	रात ०४:३७
१८.१२.२१	सूर्योदय	१८.१२.२१	दोप. ०१:३६
२६.१२.२१	रात ०५:२३	२७.१२.२१	सूर्योदय
११.०१.२२	सूर्योदय	११.०१.२२	दोप. ११:१०
२३.०१.२२	दिन ११:०७	२४.०१.२२	सूर्योदय
२०.०२.२२	सूर्योदय	२२.०२.२२	सायं ०४:४०
२३.०२.२२	दोप. ०२:३८	२४.०२.२२	सूर्योदय
०४.०३.२२	रात ०१:४६	०५.०३.२२	सूर्योदय
२३.०३.२२	सूर्योदय	२३.०३.२२	सायं ०६:५०
०१.०४.२२	दिन १०:३७	०२.०४.२२	सूर्योदय

।। सर्वार्थसिद्धि योग ।।

समय से		समय तक	
१३.०४.२१	सूर्योदय	१३.०४.२१	दोप. ०२:१७
१४.०४.२१	सायं ०५:२०	१५.०४.२१	सूर्योदय
२३.०४.२१	दिन ०७:३६	२४.०४.२१	सूर्योदय
२५.०४.२१	सूर्योदय	२५.०४.२१	रात ०१:५२
२८.०४.२१	सायं ०५:१०	२६.०४.२१	दोप. ०२:२७
०२.०५.२१	दिन ०८:५७	०३.०५.२१	सूर्योदय
०३.०५.२१	दिन ०८:२०	०४.०५.२१	सूर्योदय
०६.०५.२१	सायं ०५:२६	१०.०५.२१	सूर्योदय
१२.०५.२१	सूर्योदय	१३.०५.२१	सूर्योदय
१७.०५.२१	दोप. ०१:१६	१८.०५.२१	सूर्योदय
१८.०५.२१	दोप. ०२.५३	१६.०५.२१	सूर्योदय
२१.०५.२१	सूर्योदय	२१.०५.२१	दोप. ०३:२०
२३.०५.२१	सूर्योदय	२३.०५.२१	दोप. १२:१०
२६.०५.२१	सूर्योदय	२६.०५.२१	रात ०१:१३
३०.०५.२१	सूर्योदय	३०.०५.२१	सायं ०४:३६
३१.०५.२१	सूर्योदय	३१.०५.२१	सायं ०३:५६
०४.०६.२१	रात ०८:४४	०५.०६.२१	सूर्योदय
०६.०६.२१	सूर्योदय	०६.०६.२१	रात ०२:२५
०६.०६.२१	सूर्योदय	१०.०६.२१	सूर्योदय
१३.०६.२१	सायं ०६:५८	१४.०६.२१	रात ८:३४
१५.०६.२१	सूर्योदय	१५.०६.२१	रात ०६:३६
२३.०६.२१	सूर्योदय	२३.०६.२१	दोप. ११:४६
२६.०६.२१	रात ०२:३४	२७.०६.२१	सूर्योदय
०१.०७.२१	रात ०३:४६	०३.०७.२१	सूर्योदय

समय से		समय तक	
०४.०७.२१	सूर्योदय	०४.०७.२१	दिन ०६:०३
०६.०७.२१	सूर्योदय	०६.०७.२१	दोप. ०३:१८
०७.०७.२१	सूर्योदय	०८.०७.२१	सूर्योदय
०६.०७.२१	रात ११:११	१०.०७.२१	सूर्योदय
११.०७.२१	सूर्योदय	११.०७.२१	रात ०२:१६
१७.०७.२१	रात ०१:३०	१८.०७.२१	सूर्योदय
१६.०७.२१	रात १०:२५	२०.०७.२१	सूर्योदय
२४.०७.२१	दोप. १२:३८	२५.०७.२१	सूर्योदय
२६.०७.२१	दोप. १२:००	३१.०७.२१	सूर्योदय
०२.०८.२१	रात १०:४१	०३.०८.२१	सूर्योदय
०४.०८.२१	सूर्योदय	०४.०८.२१	रात ०४:२२
०६.०८.२१	दिन ०६:३५	०७.०८.२१	सूर्योदय
०८.०८.२१	सूर्योदय	०८.०८.२१	दिन ०६:१७
१४.०८.२१	दिन ०६:५४	१५.०८.२१	सूर्योदय
१६.०८.२१	सूर्योदय	१६.०८.२१	रात ०३:००
२०.०८.२१	रात ०६.२२	२१.०८.२१	रात ०८:१६
२४.०८.२१	रात ०७:४५	२५.०८.२१	सूर्योदय
२६.०८.२१	सूर्योदय	२७.०८.२१	रात १२:४५
३०.०८.२१	दिन ०६:३६	३१.०८.२१	सूर्योदय
०१.०६.२१	सूर्योदय	०१.०६.२१	दोप. १२:३२
०२.०६.२१	दोप. ०२:५४	०३.०६.२१	सायं ०४:३६
०८.०६.२१	दोप. ०३:५३	०६.०६.२१	सूर्योदय
११.०६.२१	सूर्योदय	११.०६.२१	दोप. ११:२०
१३.०६.२१	सूर्योदय	१३.०६.२१	दिन ०८:२४

।। सर्वार्थसिद्धि योग ।।

समय से		समय तक	
१७.०६.२१	सूर्योदय	१७.०६.२१	रात ०३:३३
२१.०६.२१	सूर्योदय	२१.०६.२१	रात ०५:०४
२३.०६.२१	सूर्योदय	२४.०६.२१	दिन ०८:५१
२७.०६.२१	सूर्योदय	२८.०६.२१	सूर्योदय
३०.०६.२१	सूर्योदय	०१.१०.२१	सूर्योदय
०६.१०.२१	सूर्योदय	०६.१०.२१	रात ११:१७
१५.१०.२१	सूर्योदय	१५.१०.२१	दिन ०६:१४
१६.१०.२१	सूर्योदय	१६.१०.२१	दोप. १२:१०
२१.१०.२१	सूर्योदय	२१.१०.२१	सायं ०४:१४
२३.१०.२१	रात ०६:५०	२४.१०.२१	सूर्योदय
२५.१०.२१	सूर्योदय	२५.१०.२१	रात ०४:०८
२८.१०.२१	सूर्योदय	२६.१०.२१	सूर्योदय
०३.११.२१	सूर्योदय	०३.११.२१	दिन ०६:५६
०७.११.२१	रात ०६:०२	०८.११.२१	सूर्योदय
१४.११.२१	सायं ०४:२६	१५.११.२१	सूर्योदय
१६.११.२१	सायं ०८:१२	१७.११.२१	सूर्योदय
२०.११.२१	सूर्योदय	२१.११.२१	सूर्योदय
२२.११.२१	सूर्योदय	२२.११.२१	दिन १०:४१
२५.११.२१	सूर्योदय	२५.११.२१	सायं ०६:४७
२८.११.२१	रात १०:०३	२६.११.२१	सूर्योदय
०३.१२.२१	दोप. ०१:४२	०४.१२.२१	सूर्योदय
०५.१२.२१	दिन ०७:४५	०५.१२.२१	रात ०४:५२
१२.१२.२१	सूर्योदय	१२.१२.२१	रात ११:५७
१४.१२.२१	सूर्योदय	१४.१२.२१	रात ०४:३७
१८.१२.२१	सूर्योदय	१८.१२.२१	दोप. ०१:३६
२४.१२.२१	रात ०४:०७	२५.१२.२१	सूर्योदय
२६.१२.२१	सूर्योदय	२७.१२.२१	सूर्योदय

समय से		समय तक	
३०.१२.२१	रात १२:३२	३१.१२.२१	रात १०:०२
०२.०१.२२	सूर्योदय	०२.०१.२२	सायं ०४:२१
११.०१.२२	सूर्योदय	११.०१.२२	दिन ११:०७
१७.०१.२२	रात ०४:३५	१८.०१.२२	सूर्योदय
२१.०१.२२	दिन ०६:४०	२२.०१.२२	सूर्योदय
२३.०१.२२	सूर्योदय	२४.०१.२२	सूर्योदय
२७.०१.२२	दिन ०८:४६	२८.०१.२२	दिन ०७:०८
३०.०१.२२	रात १२:२०	३१.०१.२२	सूर्योदय
३१.०१.२२	रात ०६:५५	०१.०२.२२	सूर्योदय
०६.०२.२२	सायं ०५:०७	०७.०२.२२	सूर्योदय
०८.०२.२२	रात ०६:२५	१०.०२.२२	सूर्योदय
१४.०२.२२	दोप. ११:५०	१५.०२.२२	सूर्योदय
१५.०२.२२	दोप. ०१:४६	१६.०२.२२	सूर्योदय
१८.०२.२२	सूर्योदय	१८.०२.२२	सायं ०४:३६
२०.०२.२२	सूर्योदय	२०.०२.२२	सायं ०४:४०
२३.०२.२२	दोप. ०२:३८	२४.०२.२२	दोप. ०१:२८
२७.०२.२२	दिन ०८:४६	२८.०२.२२	सूर्योदय
२८.०२.२२	दिन ०७:००	२८.०२.२२	रात ०५:१७
०४.०३.२२	रात ०१:४६	०५.०५.२२	सूर्योदय
०६.०३.२२	सूर्योदय	०६.०३.२२	रात ०३:४८
०८.०३.२२	सूर्योदय	१०.०५.२२	सूर्योदय
१३.०३.२२	रात ०८:०३	१४.०३.२२	रात १०:०५
१५.०३.२२	सूर्योदय	१५.०३.२२	रात ११:३०
२३.०३.२२	सूर्योदय	२३.०३.२२	सायं ०६:५०
२७.०३.२२	सूर्योदय	२७.०३.२२	दोप. ०१:३०
२८.०३.२२	सूर्योदय	२८.०३.२२	दोप. १२:२२
०१.०४.२२	दिन १०:३७	०२.०४.२२	सूर्योदय

विभिन्न दिशाओं में दुकान के मुख के अनुसार दुकान मालिक की बैठक, मालिक का मुँह व गल्ला (कैश-बाक्स) रखने की दिशा

अभिमुख दिशा	मालिक की बैठक	मालिक का मुख	गल्ला रखने का स्थान	मालिक का बैठक का निषेध
पूर्व	आग्नेय	उत्तर	मालिक की बायीं ओर	ईशान व वायव्य
दक्षिण	नैऋत्य	पूर्व	मालिक की दाहिनी ओर	वायव्य, ईशान, आग्नेय
दक्षिण	नैऋत्य	उत्तर	मालिक की बायीं ओर	वायव्य, ईशान, आग्नेय
पश्चिम	नैऋत्य	उत्तर	मालिक की बायीं ओर	वायव्य, ईशान, आग्नेय
उत्तर	वायव्य	पूर्व	मालिक की दाहिनी ओर	ईशान, आग्नेय
उत्तर	वायव्य	उत्तर	मालिक की दाहिनी ओर	ईशान, आग्नेय

संवत् २०७८ के शुभ विवाह मुहूर्त

दिनांक	वार	माह	पक्ष	तिथि	नक्षत्र	लग्न
२४.०४.२०२१	शनि	चैत्र	शुक्ल	१२	उ.फा.	गोधूलि, १०, ११
२५.०४.२०२१	रवि	चैत्र	शुक्ल	१३	हस्त	दिन ५, गोधूलि, १०, ११
२६.०४.२०२१	सोम	चैत्र	शुक्ल	१४	स्वाती	ल, १०, ११
२७.०४.२०२१	मंगल	चैत्र	शुक्ल	१५	स्वाती	गोधूलि
३०.०४.२०२१	शुक्र	वैशाख	कृष्ण	४	मूला	दिन ५, रात, गोधूलि, १०, ११
०४.०५.२०२१	मंगल	वैशाख	कृष्ण	८	धनिष्ठा	दिन ५, ६, गोधूलि, १०
०७.०५.२०२१	शुक्र	वैशाख	कृष्ण	११	उत्तराभाद्रपद	रात १०, ११
१४.०५.२०२१	**शुक्र**	**वैशाख**	**शुक्ल**	**३**	**रोहिणी**	**अक्षय तृतीया (मुहूर्त नहीं है, पृष्ठ सं.११ देखें)**
२१.०५.२०२१	शुक्र	वैशाख	शुक्ल	९	उत्तराफाल्गुनी	दिन ६, ७, गोधूलि
२२.०५.२०२१	शनि	वैशाख	शुक्ल	१०	उ.फा./हस्त	दिन ५, ७, गोधूलि
२४.०५.२०२१	सोम	वैशाख	शुक्ल	१३	स्वाति	दिन ५, ६, गोधूलि, रात १०, ११
२६.०५.२०२१	बुध	वैशाख	शुक्ल	१५	अनुराधा	दिन ५, ६, ७, रात १०, ११
२९.०५.२०२१	शनि	ज्येष्ठ	कृष्ण	३	उत्तराषाढ़ा	गोधूलि, १०
३१.०५.२०२१	सोम	ज्येष्ठ	कृष्ण	६	धनिष्ठा	दिन ७, गोधूलि, रात ११
०३.०६.२०२१	गुरु	ज्येष्ठ	कृष्ण	९	उत्तराभाद्रपद	गोधूलि, ११, १
०५.०६.२०२१	शनि	ज्येष्ठ	कृष्ण	११	रेवती	दिन ३, ५, ६, ७, गोधूलि, ११, १२
०६.०६.२०२१	रवि	ज्येष्ठ	कृष्ण	११	अश्विनी	दिन ३, ५, ६, ७, रात ११, १२
१८.०६.२०२१	शुक्र	ज्येष्ठ	शुक्ल	८	हस्त	रात १
१९.०६.२०२१	शनि	ज्येष्ठ	शुक्ल	९	हस्त/चित्रा	दिन ५, ७, गोधूलि, रात ११
२०.०६.२०२१	रवि	ज्येष्ठ	शुक्ल	१०	चित्रा	दिन ५, गोधूलि, रात ११, १२, १
२४.०६.२०२१	गुरु	ज्येष्ठ	शुक्ल	१५	मूला	दिन ७, रात ११, १२, १
२६.०६.२०२१	शनि	आषाढ़	कृष्ण	२	उत्तराषाढ़ा	दिन ५, ६, ७, गोधूलि
२८.०६.२०२१	सोम	आषाढ़	कृष्ण	४	धनिष्ठा	दिन ५, ६, ७, गोधूलि, ११, १२
३०.०६.२०२१	बुध	आषाढ़	कृष्ण	६	उत्तराभाद्रपद	रात १, २, ३
०१.०७.२०२१	गुरु	आषाढ़	कृष्ण	७	उत्तराभाद्रपद	दिन ५, ६, ७, गोधूलि, ११, १
०२.०७.२०२१	शुक्र	आषाढ़	कृष्ण	८	रेवती	दिन ५, ६, गोधूलि, ११, १, २
०३.०७.२०२१	शनि	आषाढ़	कृष्ण	९	अश्विनी	दिन ५, ६, ७,गोध., ११, १२, १, ३
०६.०७.२०२१	मंगल	आषाढ़	कृष्ण	१२	रोहिणी	गोधूलि, ११, १२, १
२०.११.२०२१	शनि	मार्गशीर्ष	कृष्ण	१	रोहिणी	दिन ९, ११, १२, रात ५, ६, ७
२१.११.२०२१	रवि	मार्गशीर्ष	कृष्ण	२	मृगशिरा	दिन ९, ११, १२, रात ५, ६, ७
२८.११.२०२१	रवि	मार्गशीर्ष	कृष्ण	९	उत्तराफाल्गुनी	रात ६, ७, ८
३०.११.२०२१	मंगल	मार्गशीर्ष	कृष्ण	११	हस्त	दिन ९, ११, १२, गोधूलि, ५ (चित्रा)
०१.१२.२०२१	बुध	मार्गशीर्ष	कृष्ण	१२	चित्रा/स्वाती	दिन ९, ११, १२, रात ५
०६.१२.२०२१	सोम	मार्गशीर्ष	शुक्ल	३	उत्तराषाढ़ा	रात ६, ७, ८
०८.१२.२०२१	बुध	मार्गशीर्ष	शुक्ल	५	धनिष्ठा	रात ६, ७
०९.१२.२०२१	गुरु	मार्गशीर्ष	शुक्ल	६	धनिष्ठा	गोधूलि, ३
११.१२.२०२१	शनि	मार्गशीर्ष	शुक्ल	८	उत्तराभाद्रपद	लग्न, ५, ६, ७
१३.१२.२०२१	सोम	मार्गशीर्ष	शुक्ल	१०	रेवती	दिन ९, ११, १, गोधूलि, ५, ६, ७

संवत् २०७८ के शुभ विवाह मुहूर्त

२२.०१.२०२२	शनि	माघ	कृष्ण	४	अश्विनी/उ.फा.	दिन १२, १, गोधूलि, ५, ७
२३.०१.२०२२	रवि	माघ	कृष्ण	५	हस्त	दिन १२, १, गोधूलि, ५, ७
२४.०१.२०२२	सोम	माघ	कृष्ण	६	हस्त/चित्रा	दिन ११, ५
०५.०२.२०२२	शनि	माघ	शुक्ल	५	उ.भा./रेवती	दिन ११, १, गोधूलि, ५, ६, ७
०६.०२.२०२२	रवि	माघ	शुक्ल	६	अश्विनी	दिन ११, १, गोधूलि, ५, ६, ७
०७.०२.२०२२	सोम	माघ	शुक्ल	७	अश्विनी	दिन ११, १२, गोधूलि, ५
०९.०२.२०२२	बुध	माघ	शुक्ल	८	रोहिणी	रात ७, (१२.२१ के बाद)
१०.०२.२०२२	गुरु	माघ	शुक्ल	९	रोहिणी	दिन ११, १२, १, गोधूलि, ५
१८.०२.२०२२	शुक्र	फाल्गुन	कृष्ण	२	उत्तराफाल्गुनी	गोधूलि, ६, ७
२०.०२.२०२२	रवि	फाल्गुन	कृष्ण	४	चित्रा	गोधूलि

विवाह के ग्यारह नक्षत्र–रोहिणी • उत्तराफाल्गुनी • उत्तराभाद्रपद • उत्तराषाढ़ा • रेवती • मूल • स्वाती • मृगशिरा • मघा • अनुराधा • हस्त

विभिन्न दिशाओं में दुकान के मुख के अनुसार दुकान मालिक की बैठक, मालिक का मुँह व गल्ला (कैश-बाक्स) रखने की दिशा :-

अभिमुख दिशा	मालिक की बैठक	मालिक का मुख	गल्ला रखने का स्थान	मालिक का बैठक का निषेध
पूर्व	आग्नेय	उत्तर	मालिक की बाय ओर	ईशान व वायव्य
दक्षिण	नैऋत्य	पूर्व	मालिक की दाहिनी ओर	वायव्य, ईशान, आग्नेय
दक्षिण	नैऋत्य	उत्तर	मालिक की बाय ओर	वायव्य, ईशान, आग्नेय
पश्चिम	नैऋत्य	उत्तर	मालिक की बाय ओर	वायव्य, ईशान, आग्नेय
उत्तर	वायव्य	पूर्व	मालिक की दाहिनी	ईशान, आग्नेय
उत्तर	वायव्य	उत्तर	मालिक की दाहिनी	ईशान, आग्नेय

विशेष

१४.०५.२०२१ को अक्षय तृतीया है । इसे अबुझ मुहूर्त माना जाता है । परन्तु इस बार १४ तारिख को सूर्य की मास संक्रान्ति वृषभ राशि पर है । जिस दिन मास संक्रान्ति हो उस दिन और उससे एक दिन पहले और एक दिन बाद कोई भी शुभ कार्य वर्जित है । इस लिए इस दिन विवाह लग्न नहीं है ।

चूड़ा मुहूर्त्त

वार - रविवार, मंगलवार, गुरुवार ⌘ **नक्षत्र** - अश्विनी, हस्त, चित्रा, स्वाती, विशाखा, अनुराधा, धनिष्ठा, रेवती

आवश्यक में

वार - शुक्रवार ⌘ **नक्षत्र** - रोहिणी, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद

जिस दिन भद्रा नहीं हो, किसी भी प्रकार के अशुभयोग न हों एवं बालक के माता व पिता के नाम राशि से चन्द्रबल ठीक बनता हो अर्थात् चन्द्रमा ४, ८, १२वें न हों उस दिन चूड़ा पहनना ठीक रहता है ।

अभिजित मुहूर्त्त

दिनमान को आधा करके घंटा मिनट बनावें तथा इसे सूर्योदय काल में जोड़े वह समय मानक मध्याह्न काल होगा, इस मध्याह्न काल से मौलिक २४ मिनट पहले तथा २४ मिनट बाद का समय अभिजित मुहूर्त्त कहलाता है । बुधवार के दिन अभिजित मुहूर्त्त शुभ कार्य के लिए वर्जित है ।

संवत् २०७८ गुरुवार, दिनांक ०४-११-२०२१ दीपावली पूजन के मुहूर्त्त

लग्न	कोलकाता	मुम्बई	दिल्ली	बीकानेर	अहमदाबाद	हैदराबाद	जयपुर	बेंगालुरू	सिलीगुड़ी
वृश्चिक	प्रातः ०६.४१	प्रातः ०७.३८	प्रातः ०७.३६	प्रातः ०७.५१	प्रातः ०७.४५	प्रातः ०७.१३	प्रातः ०७.३९	प्रातः ०७.१०	प्रातः ०६.४८
धनु	प्रातः ०८.५७	प्रातः ०९.५२	प्रातः ०९.५५	प्रातः १०.०९	प्रातः १०.०१	प्रातः ०९.२६	प्रातः ०९.५७	प्रातः ०९.२२	प्रातः ०९.०६
मकर	दिन ११.०२	दिन ११.५८	दिन ११.५९	दिन १२.१३	दिन १२.०६	दिन ११.३३	दिन १२.०१	दिन ११.२९	दिन ११.१०
कुम्भ	दोपहर १२.४९	दोपहर ०१.४७	दोपहर ०१.४१	दोपहर ०१.५६	दोपहर ०१.५३	दोपहर ०१.२३	दोपहर ०१.४५	दोपहर ०१.२२	दोपहर १२.५४
मीन	दोपहर ०२.२३	दोपहर ०३.२४	दोपहर ०३.०८	दोपहर ०३.२४	दोपहर ०३.२६	दोपहर ०३.०१	दोपहर ०३.१४	दोपहर ०३.०४	दोपहर ०२.२३
मेष	दोपहर ०३.५४	दोपहर ०४.५८	दोपहर ०४.३३	दोपहर ०४.५०	दोपहर ०४.५७	दोपहर ०४.३७	दोपहर ०४.४१	दोपहर ०४.४४	दोपहर ०३.५०
गोधूलि	सायं ०४.४६	सायं ०५.५२	सायं ०५.२३	सायं ०५.३९	सायं ०५.४९	सायं ०५.३२	सायं ०५.३१	सायं ०५.४०	सायं ०४.४१
वृष	सायं ०५.३४	सायं ०६.४२	सायं ०६.०९	सायं ०६.२५	सायं ०६.३७	सायं ०६.२२	सायं ०६.१७	सायं ०६.३२	सायं ०५.२७
मिथुन	सायं ०७.३३	सायं ०८.४२	सायं ०८.०४	सायं ०८.२१	सायं ०८.३५	सायं ०८.२३	सायं ०८.१४	सायं ०८.३४	सायं ०७.२४
सिंह	रात १२.०२	रात ०१.०८	रात १२.३९	रात १२.५६	रात ०१.०४	रात १२.४७	रात १२.४७	रात १२.५५	रात ११.५७
कन्या	रात ०२.१३	रात ०३.१६	रात ०२.५६	रात ०३.१२	रात ०३.१६	रात ०२.५४	रात ०३.०३	रात ०२.५८	रात ०२.१२

नोट–(१) मुहूर्त्त का समय प्रारम्भ होने का दिया गया है। (२) अभिजीत बेला मध्याह्न (१२ बजे) के दो घड़ी (४८ मिनट) पहले एवं दो घड़ी (४८ मिनट) बाद को मानी जाती है। (३) सिंह लग्न साधारणतः मध्य रात्रि के आसपास ही आता है। (४) गोधूलि बेला सूर्यास्त के दो घड़ी पूर्व एवं दो घड़ी पश्चात् मानी जाती है। अतएव इनमें पूजा कराने वालों को यही मुहूर्त्त का समय समझना चाहिए।

इस दीपावली बही-खाता और श्री गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति लेने का मुहूर्त

संवत् २०७८ में कार्तिक कृष्ण सप्तमी २८ अक्टूबर २०२१, गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र दिन में ०९.३९ बजे से २९ अक्टूबर २०२१, शुक्रवार दोपहर ११.३६ बजे तक रहेगा पर शुक्रवार के दिन पुष्य नक्षत्र उत्पात योग होता है। अतः गुरुवार के दिन ही खरीदारी करें।

कोलकाता	दोप. ११:२०	से	दोप. ०२:११	तक	दोप. ०३:३६	से	सायं ०६:३६	तक
मुम्बई	दोप. १२:२२	से	दोप. ०३:१५	तक	दोप. ०४:४१	से	रात ०७:४१	तक
दिल्ली	दोप. १२:०५	से	दोप. ०२:५२	तक	सायं ०४:१६	से	रात ०७:१६	तक
जयपुर	दोप. १२:१०	से	दोप. ०२:५६	तक	सायं ०४:२३	से	रात ०७:२३	तक
बीकानेर	दोप. १२:२०	से	दोप. ०३:०८	तक	सायं ०४:३२	से	रात ०७:३२	तक

Interstate Supply Company

All Kinds of : Automobile Oils, Transformer Oil, Bitumen, Light Disel Oil, Furnace Oil, Grease, Silicone Oil, Synthetic Oil & Specialties.

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF BALMER LAWRIE & CO. LTD. (BALMEROL) A Government of India Enterprise

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF BHARAT PETROLEUM CORP. LTD (MAK)

51, Bhupen Bose Avenue, Near Shyambazar Metro Station, Kolkata - 700004, W.B. India.
Telefax: 033-25559554 / 25555651 / 9831777127 / 9831384409
Email: info@bpclkolkata.com ● Website: www.bpclkolkata.com

SIYARAM PETROTECH

KEEPING IT CLEAN

Rocycle Your Used & Waste Oil

Siyaram Petrotech

Usedoilindia wasteoilindia

SANKRAIL INDUSTRIAL PARK, NH-6, BOMBAY ROAD, DHULAGURI, HOWRAH - 711302, W.B. INDIA.
Telefax: 033-25559554/25555651/+91 9831384409 Email: siyarampetrotech@hotmail.com
Website: www.siyarampetrotech.com

ANAND

Anand Oil Company

An 9001 : 2015 Certified Company

Manufacturer, Importer & Distributor of :

☆ Light Diesel Oil (Ldo) ☆ Furnace Oil (Fo)
☆ Pyrolysis Oil ☆ Bio Diesel Oil ☆ MTO
☆ Defence Oil ☆ Automotive Oil ☆ Indusdtrial Oil
☆ Engine Oil ☆ Light Liquid Paraffin Oil (LLPO)
☆ White Oil ☆ R.P.O ☆ Cutting Oil
☆ Transformer Oil ☆ Hydraulic Oil ☆ Aviation Oil
☆ Synthetic Oil ☆ Vacuum Oil ☆ Gear Oil
☆ Chain Oil ☆ Rubber Process Oil ☆ Flushing Oil
☆ Silicon Oil ☆ Calibration Oil ☆ Shuttering Oil

51, Bhupen Bose Avenue, Shyambazar, Kolkata - 700 004
Call: 9831777127, 8017200435, 6291983922, 9830006413
Email: info@anandoil.com, anandoil.ac@gmail.com
Website: www.anandoil.com

ABHISHEK ENTERPRISE

Authorised CFA of
Hindustan Petrolium Corporation Ltd. (HPCL)

Deals in :

QUENCHING OIL	CUTTING OIL
TRANSFORMER OIL	HEAT TRANSFER OIL
COMPRESSOR OIL	TOOL WAY OIL
GEAR OIL	CAMEX COMPOUND
HYDRAULIC OIL	TURBINE OIL
ENGINE OIL	RUST PREVENTIVE OIL
GREASES	MILL OIL

RUBBER PROCESS OIL

51, Bhupen Bose Avenue, Shyambazar, Kolkata - 700 004.
Call: 8820384409, 7980065423, 9830742150, 2553 7211
Email: hpclhowrah@gmail.com

वृषभ राशि (Taurus) : ई उ ए ओ वा वी बू वे वो

इस पूरे ही वर्ष शनि देव आपके नवम भाव में विराजमान रहेंगे। वहीं शुरुआत में लाल ग्रह मंगल भी आपके द्वादश भाव में होगा, जो २ जून से ६ सितंबर के मध्य अपना गोचर करते हुए आपके तीसरे और चतुर्थ भाव को प्रभावित करेगा। अप्रैल के पहले सप्ताह से मध्य सितंबर के बीच गुरु बृहस्पति का गोचर होने से आपके चतुर्थ भाव पर गुरु की दृष्टि रहेगी। इसके साथ ही ४ मई से २८ मई के बीच शुक्र का गोचर आपकी ही राशि में होगा, जिससे आपका प्रथम भाव प्रभावित होगा। आपकी पदोन्नति और प्रगति होगी। व्यापारी जातकों को भी अपनी मेहनत के अनुसार अच्छे फलों की प्राप्ति होगी। बीच-बीच में आपके लिए धन प्राप्ति के अलग-अलग योग निर्धारित होते रहेंगे, जिनका लाभ उठाकर आप अपनी आर्थिक तंगी को दूर कर सकते हैं। छात्रों के लिए समय थोड़ा मेहनत करने वाला रहेगा। परिवार में कोई मांगलिक कार्यक्रम आयोजन होने पर वातावरण खुश दिखाई देगा।

Faizabad Road
Near Saraswati Dental

Deva Road,
Lucknow

Sultanpur
Road

Raebareli Road
Near PGI

Property Start from

₹ 20* Lacs Onwards

FLAT • VILLAS • COMMERCIAL • PENT HOUSE

Home Loan Available

SHRI BALAJI CONSTRUCTION COMPANY

An ISO Certified Company ISO 9001-2008 (QMS) Sign of Quanlity Material

www.bccbuildtech.com

3rd Floor Ganj Trade Certre, 10 Capper Road,
Near Hazratganj Kotwali, Lucknow-226001 UP (India)

9453015634, 1800 300 20 200

संवत् २०७८ चैत्र शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक १३ अप्रैल से २७ अप्रैल २०२१ तक** — **बसंत ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१३/०४ मंगल	प्रतिपदा दिन १०.१७	अश्विनी दोप. २.१७	मेष दिन/रात	नवसंवत्सर, नवरात्रा प्रारंभ। गुड़ी पड़वा। घट स्थापना दिन में। मूल दोप. २.१७ तक।
१४/०४ बुध	द्वितीया दोप.१२.४८	भरणी सायं ५.२०	वृषभ रात १२.०७	खरमास समाप्त। सिंधारा दूज। बंगला नववर्ष। मेष की संक्रांति। चन्द्रव्रत।
१५/०४ गुरु	तृतीया दोप. ३.२८	कृतिका रात ८.३०	वृषभ दिन/रात	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। गणगौर पूजा। मत्स्य जयंती। भद्रा रात ४.४८ से।
१६/०४ शुक्र	चतुर्थी सायं ६.०६	रोहिणी रात ११.३७	वृषभ दिन/रात	भद्रा सायं ६.०६ तक। हयव्रत। श्री पंचमी।
१७/०४ शनि	पंचमी रात ८.३३	मृगशिरा रात २.३१	मिथुन दोप. १.०७	अनन्त नाग पंचमी। श्री लक्ष्मी पंचमी।
१८/०४ रवि	षष्ठी रात १०.३५	आर्द्रा रात ४.५९	मिथुन दिन/रात	स्कन्द षष्ठी व्रत।
१९/०४ सोम	सप्तमी रात ११.०२	पुनर्वसू दिन/रात	कर्क रात १२.०६	भद्रा रात १२.०२ से। औली जैन प्रारम्भ।
२०/०४ मंगल	अष्टमी रात १२.४४	पुनर्वसू दिन ६.५०	कर्क दिन/रात	श्री दुर्गाष्टमी। **शुक्र का तारा उदय आज से।** भद्रा दोपहर १२.२९ तक। अशोकाष्टमी।
२१/०४ बुध	नवमी रात १२.३६	पुष्य दिन ७.५६	कर्क दिन/रात	श्री रामनवमी व्रत। नवरात्र व्रत का पारणा। मूल दिन ७.५६ से।
२२/०४ गुरु	दशमी रात ११.३६	आश्लेषा* दिन ८.१३	सिंह दिन ८.१३	धर्मराज दशमी। मूल दिन/रात।
२३/०४ शुक्र	एकादशी रात ९.४८	मघा* दिन ७.३९	सिंह दिन/रात	कामदा एकादशी व्रत। दोलोत्सव। भद्रा दिन १०.४८ से रा.९.४८ तक। मूल दि.७.३९तक।
२४/०४ शनि	द्वादशी रात ७.१८	पू.फा/उ.फा. प्रातः६.२०/ रात ४.२१	कन्या दोप.११.५४	श्री श्याम ज्योत। शनि प्रदोष व्रत। श्री हरि दमनोत्सव।
२५/०४ रवि	त्रयोदशी सायं ४.१३	हस्त रात १.५२	कन्या दिन/रात	महावीर जयंती (जैन)। श्री अनंग त्रयोदशी व्रत।
२६/०४ सोम	चतुर्दशी दोप.१२.४४	चित्रा रात ११.०४	तुला दोप.१२.३०	भद्रा दोपहर १२.४४ से रात १०.५४ तक। शिव दमनोत्सव। श्री सत्यनारायण व्रत।
२७/०४ मंगल	पूर्णिमा दिन ९.०१	स्वाती रात ८.०६	तुला दिन/रात	श्री हनुमान जयंती। चैत्र पूर्णिमा। स्नान दानादि पूर्णिमा। वैशाख स्नान प्रारम्भ। औली जैन समाप्त।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ वैशाख कृष्ण पक्ष (बदी)
दिनांक २८ अप्रैल से ११ मई २०२१ तक

सूर्य उत्तरायण — वसन्त ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२८/०४ बुध	प्रति/द्वितीया प्रातः५.१५/ रात १.३४	विशाखा सायं ५.१०	वृश्चिक दोप.११.५४	श्री कच्छप जयंती। तिथि वृद्धि।
२९/०४ गुरु	तृतीया रात १०.१०	अनुराधा दोप. २.२७	वृश्चिक दिन/रात	भद्रा दिन ११.५० से रात १०.१० तक। मूल दोपहर २.२७ से।
३०/०४ शुक्र	चतुर्थी रात ७.१०	ज्येष्ठा* दोप.१२.०५	धनु दोप.१२.०५	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। अनुसूया जयन्ती। मूल दिन/रात।
०१/०५ शनि	पंचमी सायं ४.४२	मूला* दिन १०.१३	धनु दिन/रात	मूल दिन १०.१३ तक।
०२/०५ रवि	षष्ठी दोप. २.५१	पूर्वाषाढ़ा दिन ८.५७	मकर दोप. २.४४	भद्रा दोपहर २.५१ से रात २.१० तक।
०३/०५ सोम	सप्तमी दोप. १.४०	उत्तराषाढ़ा दिन ८.२०	मकर दिन/रात	---
०४/०५ मंगल	अष्टमी दोप. १.११	श्रवण दिन ८.२४	कुम्भ रात ८.४१	बूढ़ो बासोड़ो। कालाष्टमी। पंचक रात ८.४१ से।
०५/०५ बुध	नवमी दोप. १.२२	धनिष्ठा दिन ९.०८	कुम्भ दिन/रात	भद्रा रात १.४२ से। पंचक दिन/रात।
०६/०५ गुरु	दशमी दोप. २.११	शतभिषा दिन १०.३०	कुम्भ दिन/रात	भद्रा दोपहर २.११ तक। पंचक दिन/रात।
०७/०५ शुक्र	एकादशी दोप. ३.३३	पूर्वाभाद्रपद दोप.१२.२३	मीन दिन ५.५२	वरुथिनी एकादशी व्रत। श्री वल्लभाचार्य जयन्ती। पंचक दिन/रात।
०८/०५ शनि	द्वादशी सायं ५.२१	उत्तराभाद्रपद दोप. २.४४	मीन दिन/रात	शनि प्रदोष व्रत। मूल दोपहर २.४४ से। पंचक दिन/रात।
०९/०५ रवि	त्रयोदशी रात ७.३१	रेवती* सायं ५.२६	मेष सायं ५.२६	मास शिवरात्रि व्रत। भद्रा रात ७.३१ से। मूल दिन/रात। पंचक सायं ५.२६ तक।
१०/०५ सोम	चतुर्दशी रात ९.५६	अश्विनी* रात ८.२३	मेष दिन/रात	भद्रा दिन ८.४२ तक। मूल रात ८.२३ तक
११/०५ मंगल	अमावस्या रात १२.३०	भरणी रात ११.२९	मेष दिन/रात	स्नानादि की दर्श अमावस्या।

हरे मनसा हरे मनसा, मनसा मनसा हरे हरे। भजो मनसा रटो मनसा, मनसा मनसा हरे हरे।।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ वैशाख शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण — दिनांक १२ मई से २६ मई २०२१ तक — वसन्त ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है — ग्रीष्म ऋतु १५ मई से

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१२/०५ बुध	प्रतिपदा रात ३.०७	कृतिका रात २.३७	वृषभ दिन ६.१६	----
१३/०५ गुरु	द्वितीया दिन/रात	रोहिणी दिन/रात	वृषभ दिन/रात	छत्रपति शिवाजी जयंती। बीकानेर स्थापना दिवस। चन्द्रदर्शन।
१४/०५ शुक्र	द्वितीया दिन ५.३९	रोहिणी दिन ५.४२	मिथुन रात ७.११	श्री परशुराम जयंती। अक्षय तृतीया। तिथि वृद्धि। बद्री केदारयात्रा प्रारम्भ। वृषभ संक्रांति।
१५/०५ शनि	तृतीया दिन ८.००	मृगशिरा दिन ८.३६	मिथुन दिन/रात	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। भद्रा रात ९.०४ से।
१६/०५ रवि	चतुर्थी दिन १०.०२	आर्द्रा दिन ११.११	मिथुन दिन/रात	भद्रा दिन १०.०२ तक।
१७/०५ सोम	पंचमी दोप.११.३५	पुनर्वसू दोप. १.१९	कर्क दिन ६.५०	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती। सूरदास जयन्ती।
१८/०५ मंगल	षष्ठी दोप.१२.३३	पुष्य दोप. २.५३	कर्क दिन/रात	श्री रामानुजाचार्य जयंती। चन्दन षष्ठी। गंगा सप्तमी। मूल दोपहर २.५३ से।
१९/०५ बुध	सप्तमी दोप.१२.५१	आश्लेषा* दोप. ३.४६	सिंह दोप. ३.४६	भद्रा दोपहर १२.५१ से रात १२.४३ तक। मूल दिन/रात।
२०/०५ गुरु	अष्टमी दोप.१२.२३	मघा* दोप. ३.५५	सिंह दिन/रात	श्री दुर्गाष्टमी। बगलामुखी जयन्ती। मूल दोपहर ३.५५ तक।
२१/०५ शुक्र	नवमी दोप.११.११	पूर्वाफाल्गुनी दोप. ३.२०	कन्या रात ९.०५	श्री सीता (जानकी) जयन्ती।
२२/०५ शनि	दशमी दिन ९.१६	उत्तराफाल्गुनी दोप. २.०३	कन्या दिन/रात	भद्रा रात ८.०४ से।
२३/०५ रवि	एका./द्वादशी दिन ६.४३/ रात ३.३९	हस्त दोप.१२.१०	तुला रात ११.०२	मोहिनी एकादशी व्रत। श्री श्याम ज्योत। तिथि क्षय। भद्रा दिन ६.४३ तक। परशुराम द्वादशी।
२४/०५ सोम	त्रयोदशी रात १२.१२	चित्रा दिन ९.४७	तुला दिन/रात	सोम प्रदोष व्रत।
२५/०५ मंगल	चतुर्दशी रात ८.३०	स्वाती/विशा ७.०४/रा४.०९	वृश्चिक रात १०.५३	श्री नृसिंह जयन्ती। भद्रा रात ८.३० से।
२६/०५ बुध	पूर्णिमा सायं ४.४४	अनुराधा रात १.१३	वृश्चिक दिन/रात	बुद्ध पूर्णिमा। कूर्म जयन्ती। चन्द्रग्रहण। स्नाना दानादि पूर्णिमा, सत्यनारायण। भद्रा दिन ६.३७ तक। मूल रात १.१३ से।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक २७ मई से १० जून २०२१ तक** — वसन्त ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२७/०५ गुरु	प्रतिपदा दोप. १.०३	ज्येष्ठा* रात १०.२७	धनु रात १०.२७	---
२८/०५ शुक्र	द्वितीया दिन ९.३६	मूला* रात ८.००	धनु दिन/रात	नारद जयन्ती। भद्रा रात ८.०२ से।
२९/०५ शनि	तृतीया/चतुर्थी प्रातः ६.३४/ रात ४.०४	पूर्वाषाढ़ा सायं ६.०१	मकर रात ११.३७	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। तिथि क्षय। भद्रा दिन ६.३४ तक।
३०/०५ रवि	पंचमी रात २.१३	उत्तराषाढ़ा सायं ४.३९	मकर दिन/रात	---
३१/०५ सोम	षष्ठी रात १.०६	श्रवण दोप. ३.५९	कुम्भ रात १२.००	भद्रा रात १.०६ से। पंचक रात १२.०० से।
०१/०६ मंगल	सप्तमी रात १२.४७	धनिष्ठा सायं ४.०५	कुम्भ दिन/रात	भद्रा रात १२.५१ तक। पंचक।
०२/०६ बुध	अष्टमी रात १.१३	शतभिषा सायं ४.५७	कुम्भ दिन/रात	कालाष्टमी। पंचक।
०३/०६ गुरु	नवमी रात २.२३	पूर्वाभाद्रपद सायं ६.३२	मीन दोप.१२.०५	पंचक।
०४/०६ शुक्र	दशमी रात ४.०८	उत्तराभाद्रपद रात ८.४४	मीन दिन/रात	पंचक। भद्रा दोपहर ३.११ से रात ४.०८ तक। मूल रात ८.४४ से।
०५/०६ शनि	एकादशी दिन/रात	रेवती* रात ११.२५	मेष रात ११.२५	अचला (अपरा) एकादशी व्रत (स्मार्त)। पंचक रात ११.२५ तक। मूल दिन/रात।
०६/०६ रवि	एकादशी प्रातः ६.२०	अश्विनी* रात २.२५	मेष दिन/रात	अचला (अपरा) एकादशी व्रत (वैष्णव)। तिथि वृद्धि। मूल रात २.२५ तक।
०७/०६ सोम	द्वादशी दिन ८.४९	भरणी दिन/रात	मेष दिन/रात	सोम प्रदोष व्रत।
०८/०६ मंगल	त्रयोदशी दोप.११.२५	भरणी प्रातः ५.३३	वृषभ दोप.१२.२०	मास शिवरात्रि व्रत। वटसावित्री व्रत प्रारम्भ। भद्रा दोपहर ११.२५ से रात १२.४२ तक।
०९/०६ बुध	चतुर्दशी दोप. १.५९	कृतिका दिन ८.४१	वृषभ दिन/रात	वटसावित्री व्रत का दूसरा संयम।
१०/०६ गुरु	अमावस्या सायं ४.२३	रोहिणी दोप.११.४२	मिथुन रात १.०७	शनि जयन्ती। स्नानादि की दर्श अमावस्या। वट सावित्री व्रत पूर्ण। सूर्यग्रहण (केवल अरुणाचल प्रदेश)।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण — दिनांक ११ जून से २४ जून २०२१ — ग्रीष्म ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
११/०६ शुक्र	प्रतिपदा सायं ६.३१	मृगशिरा दोप. २.२८	मिथुन दिन/रात	चन्द्रदर्शन।
१२/०६ शनि	द्वितीया रात ८.१८	आर्द्रा सायं ४.५५	मिथुन दिन/रात	---
१३/०६ रवि	तृतीया रात ९.४१	पुनर्वसू सायं ६.५८	कर्क दोप.१२.३०	रम्भा तृतीया। महाराणा प्रताप जयन्ती।
१४/०६ सोम	चतुर्थी रात १०.३५	पुष्य रात ८.३४	कर्क दिन/रात	वैनायिकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। भद्रा दिन १०.११ से रात १०.३५ तक। मूल रात ८.३४ से।
१५/०६ मंगल	पंचमी रात १०.५७	आश्लेषा* रात ९.३९	सिंह रात ९.३९	मिथुन की संक्रांति। श्रुति पंचमी (जैन)। मूल दिन/रात।
१६/०६ बुध	षष्ठी रात १०.४६	मघा* रात १०.१२	सिंह दिन/रात	जमाई षष्ठी (बंगाल)। अरण्य षष्ठी। मूल रात १०.१२ तक।
१७/०६ गुरु	सप्तमी रात १०.००	पूर्वाफाल्गुनी रात १०.११	कन्या रात ४.०५	भद्रा रात १०.०० से।
१८/०६ शुक्र	अष्टमी रात ८.४०	उत्तराफाल्गुनी रात ९.३५	कन्या दिन/रात	श्री दुर्गाष्टमी। धुमावती जयन्ती। भद्रा दिन ९.२४ तक। श्री बुद्धाष्टमी।
१९/०६ शनि	नवमी सायं ६.४६	हस्त रात ८.२६	कन्या दिन/रात	महेश नवमी (माहेश्वरी उत्पत्ति दिवस)।
२०/०६ रवि	दशमी सायं ४.२२	चित्रा सायं ६.४७	तुला दिन ७.४०	सेतुबंध रामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस। गंगा दशहरा। भद्रा रात ३.०० से।
२१/०६ सोम	एकादशी दोप. १.३२	स्वाती सायं ४.४३	तुला दिन/रात	निर्जला (भीमसेनी) एकादशी व्रत। भद्रा दोपहर १.३२ तक। योग दिवस।
२२/०६ मंगल	द्वादशी दिन १०.२२	विशाखा दोप. २.२०	वृश्चिक दिन ८.५७	भौम प्रदोष व्रत। वट सावित्री व्रत प्रारम्भ। श्री श्याम ज्योत। चम्पक द्वादशी।
२३/०६ बुध	त्रयो./चतुर्दशी प्रातः७.००/ रात ३.३३	अनुराधा दोप.११.४६	वृश्चिक दिन/रात	वट सावित्री व्रत। भद्रा रात ३.३३ से। मूल दोपहर ११.४६ से।
२४/०६ गुरु	पूर्णिमा रात १२.१०	ज्येष्ठा* दिन ९.०९	धनु दिन ९.०९	संत कबीर जयन्ती। वट सावित्री व्रत समाप्त। स्नानादि की पूर्णिमा। भद्रा दोपहर १.५० तक। सत्यनारायण व्रत। मूल दिन/रात।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ आषाढ़ कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य उत्तरायन — **दिनांक २५ जून से १० जुलाई २०२१ तक** — **ग्रीष्म ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२५/०६ शुक्र	प्रतिपदा रात ८.५९	मूल/पूर्वाषाढ़ा ६.३८/रा.४.२३	धनु दिन/रात	मूल प्रातः ६.३८ तक।
२६/०६ शनि	द्वितीया सायं ६.११	उत्तराषाढ़ा रात २.३४	मकर दिन ९.५३	ऋषभनाथ जयंती (जैन)।
२७/०६ रवि	तृतीया दोप. ३.५५	श्रवण रात १.१९	मकर दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। भद्रा प्रातः ४.५९ से दोपहर ३.५५ तक।
२८/०६ सोम	चतुर्थी दोप. २.१७	धनिष्ठा रात १२.४६	कुम्भ दोप.१२.५७	पंचक दोपहर १२.५७ से।
२९/०६ मंगल	पंचमी दोप. १.२४	शतभिषा रात १२.५९	कुम्भ दिन/रात	पंचक। कोकिला (जैन) पंचमी।
३०/०६ बुध	षष्ठी दोप. १.१९	पूर्वाभाद्रपद रात २.०१	मीन रात ७.४१	भद्रा दोपहर १.१९ से रात १.३५ तक। पंचक।
०१/०७ गुरु	सप्तमी दोप. २.०२	उत्तराभाद्रपद रात ३.४७	मीन दिन/रात	पंचक। मूल रात ३.४७ से।
०२/०७ शुक्र	अष्टमी दोप. ३.२९	रेवती* दिन/रात	मीन दिन/रात	पंचक। मूल दिन/रात। कालाष्टमी।
०३/०७ शनि	नवमी सायं ५.३१	रेवती* प्रातः ६.११	मेष प्रातः ६.११	पंचक प्रातः ६.११ तक। मूल दिन/रात।
०४/०७ रवि	दशमी रात ७.५६	अश्विनी* दिन ९.०३	मेष दिन/रात	भद्रा दिन ६.४१ से रात ७.५६ तक। मूल दिन ९.०३ तक।
०५/०७ सोम	एकादशी रात १०.३१	भरणी दोप.१२.०९	वृषभ सायं ६.५७	योगिनी एकादशी व्रत।
०६/०७ मंगल	द्वादशी रात १.०३	कृतिका दोप. ३.१८	वृषभ दिन/रात	---
०७/०७ बुध	त्रयोदशी रात ३.२१	रोहिणी सायं ६.१६	वृषभ दिन/रात	प्रदोष व्रत। भद्रा रात ३.२१ तक।
०८/०७ गुरु	चतुर्दशी दिन/रात	मृगशिरा रात ८.५६	मिथुन सायं ५.०७	मास शिवरात्रि व्रत। भद्रा सायं ४.२२ तक।
०९/०७ शुक्र	चतुर्दशी प्रातः ५.१७	आर्द्रा रात ११.११	मिथुन दिन/रात	तिथि वृद्धि। श्राद्धादि की अमावस्या।
१०/०७ शनि	अमावस्या प्रातः ६.४७	पुनर्वसू रात १२.५९	कर्क सायं ६.३५	स्नानदान की अमावस्या।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

आश्विन नवरात्र के पावन अवसर पर कोरोना संक्रमण के कारण लम्बोरधाम में सार्वजनिक कार्यक्रम अनुष्ठीत नहीं हो पाये। भक्तों की क्षुधा को शांत करने हेतु उक्त अवसर पर प्रतिपदा से नवमी तक प्रतिदिन श्री मनसा माताजी की अरदास विभिन्न कलाकारों द्वारा फेसबुक पेज 'Lambore Wali Manasa Mata Pariwar' के माध्यम से समस्त देश में लाइव प्रसारित किया गया ।

इसी अवसर पर श्री मनसा माताजी, श्री लम्बोरिया बालाजी एवं श्री लम्बोरिया महादेव जी के 11 भजनों की एक श्रृंखला युकी म्यूजिक के माध्यम से 17 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक यूट्यूब पर प्रतिदिन सायं 5 बजे प्रसारित की गई। इस श्रंखला के प्रेरणा स्रोत श्री पवन हमीरवासिया (सीनियर) रहे एवं इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में देश भर के सभी भक्तों ने अपना भरपूर सहयोग दिया। यह भजन माला श्री राज-गुरु तथा उनके साथी कलाकारों द्वारा पिरोई गई इसके लिए हम उनके एवं सभी सहयोगदाताओं के हृदय से आभारी हैं।

3 BHK
Gokul Enclave
D D/7, CIVIL TOWNSHIP, ROURKELA
4 BHK
Gokul Villa
D / 14, CIVIL TOWNSHIP, ROURKELA
3 BHK
Approved By SBI
Gokul Plaza
DD/7, CIVIL TOWNSHIP, ROURKELA
3 BHK
Gokul Vihar
SUBASH NAGAR, DEHRADUN, UK.
2 BHK
Gokul Highway
JAMUNADIPA, VEDVYAS, ROURKELA
BOOKING OPEN
GOKUL DEVELOPERS & BUILDERS
Rourkela - 769001. | Mobile No. : 9437049788, | Email : gdsprem@rediffmail.com

सूर्य दक्षिणायन

संवत् २०७८ आषाढ़ शुक्ल पक्ष (सुदी)
दिनांक ११ जुलाई से २४ जुलाई २०२१ तक

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

ग्रीष्म ऋतु
वर्षा ऋतु १६ जुलाई से

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
११/०७ रवि	प्रतिपदा दिन ७.४८	पुष्य रात २.१९	कर्क दिन/रात	गुप्त नवरात्र प्रारम्भ। मूल रात २.१९ से।
१२/०७ सोम	द्वितीया दिन ८.२०	आश्लेषा* रात ३.१२	सिंह रात ३.१२	रथयात्रा (जगन्नाथ पुरी)। मूल दिन/रात।
१३/०७ मंगल	तृतीया दिन ८.२५	मघा* रात ३.३८	सिंह दिन/रात	भद्रा रात ८.१७ से। मूल रात ३.३८ तक।
१४/०७ बुध	चतुर्थी दिन ८.०३	पूर्वाफाल्गुनी रात ३.४०	सिंह दिन/रात	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। भद्रा दिन ८.०३ तक।
१५/०७ गुरु	पंचमी दिन ७.१६	उत्तराफाल्गुनी रात ३.१९	कन्या दिन ९.३७	श्री बल्लभाचार्य वैकुण्ठगमन। कुमार षष्ठी। कर्दम षष्ठी।
१६/०७ शुक्र	षष्ठी/सप्तमी प्रातः६.०७/ रात ४.३५	हस्त रात २.३५	कन्या दिन/रात	तिथि क्षय। भद्रा रात ४.३५ से। कर्क की संक्रांति। विवस्वत् सप्तमी।
१७/०७ शनि	अष्टमी रात २.४२	चित्रा रात १.३०	तुला दोप. २.०५	श्री दुर्गाष्टमी। भद्रा दोपहर ३.४१ तक।
१८/०७ रवि	नवमी रात १२.२९	स्वाती रात १२.०६	तुला दिन/रात	श्री मनसा माता प्रतिष्ठा दिवस कन्दर्प, शुद्रादि। भड़ली नवमी। गुप्त नवरात्र समाप्त।
१९/०७ सोम	दशमी रात १०.००	विशाखा रात १०.२५	वृश्चिक सायं ४.५१	उल्टारथ (जगन्नाथ पुरी)। सोपपदा दशमी।
२०/०७ मंगल	एकादशी रात ७.१८	अनुराधा रात ८.३०	वृश्चिक दिन/रात	देवशयनी एकादशी व्रत। भद्रा दिन ८.४० से रात ७.१८ तक। मूल रात ८.३० से।
२१/०७ बुध	द्वादशी सायं ४.२७	ज्येष्ठा* सायं ६.२८	धनु सायं ६.२८	बाबा बलदेवदास पुण्य तिथि। श्री श्याम ज्योत। प्रदोष व्रत। चातुर्मास विधान प्रारम्भ। मूल दिन/रात।
२२/०७ गुरु	त्रयोदशी दोप. १.३३	मूला* सायं ४.२३	धनु दिन/रात	मूल सायं ४.२३ तक।
२३/०७ शुक्र	चतुर्दशी दिन १०.४४	पूर्वाषाढ़ा दोप. २.२३	मकर रात ७.५५	भद्रा दिन १०.४४ से रात ९.२३ तक। शिव शयनोत्सव। कोकिला व्रत। सत्यनारायण व्रत।
२४/०७ शनि	पूर्णिमा दिन ८.०७	उत्तराषाढ़ा दोप.१२.३८	मकर दिन/रात	गुरु पूर्णिमा (व्यास पूजा)। स्नानादि की पूर्णिमा। संन्यासियों का चातुर्मास प्रारम्भ।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ श्रावण कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य दक्षिणायन — **दिनांक २५ जुलाई से ८ अगस्त २०२१ तक** — **वर्षा ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२५/०७ रवि	प्रति./द्वितीया प्रातः ५.५१/ रात ४.०४	श्रवण दिन ११.१५	कुम्भ रात १०.४५	श्रावण मास प्रारम्भ। तिथि वृद्धि। पंचक रात १०.४५ से।
२६/०७ सोम	तृतीया रात २.५५	धनिष्ठा दिन १०.२४	कुम्भ दिन/रात	श्रावण का पहला सोमवार। भद्रा दोपहर ३.२४ से रात २.५५ तक। पंचक।
२७/०७ मंगल	चतुर्थी रात २.२९	शतभिषा दिन १०.११	मीन रात ४.३१	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। मंगला गौरी व्रत। पंचक।
२८/०७ बुध	पंचमी रात २.४९	पूर्वाभाद्रपद दिन १०.४३	मीन दिन/रात	नाग पंचमी (बंगाल/राजस्थान)। पंचक।
२९/०७ गुरु	षष्ठी रात ३.५५	उत्तराभाद्रपद दोप.१२.००	मीन दिन/रात	भद्रा रात ३.५५ से। पंचक। मूल दोपहर १२.०० से।
३०/०७ शुक्र	सप्तमी दिन/रात	रेवती* दोप. २.००	मेष दोप. २.००	भद्रा सायं ४.४४ तक। पंचक दोपहर २.०० तक। मूल दिन/रात।
३१/०७ शनि	सप्तमी दिन ५.४१	अश्विनी* दोप. ४.३५	मेष दिन/रात	कालाष्टमी। तिथि वृद्धि। मूल दोपहर ४.३५ तक।
०१/०८ रवि	अष्टमी दिन ७.५७	भरणी रात ७.३४	वृषभ रात २.२०	---
०२/०८ सोम	नवमी दिन १०.२९	कृतिका रात १०.४१	वृषभ दिन/रात	श्रावण का दूसरा सोमवार। भद्रा रात ११.४५ से।
०३/०८ मंगल	दशमी दोप. १.००	रोहिणी रात १.४१	वृषभ दिन/रात	मंगला गौरी व्रत। भद्रा दोपहर १.०० तक।
०४/०८ बुध	एकादशी दोप. ३.१८	मृगशिरा रात ४.२२	मिथुन दोप. ३.०५	कामदा एकादशी व्रत।
०५/०८ गुरु	द्वादशी सायं ५.१०	आर्द्रा दिन/रात	मिथुन दिन/रात	प्रदोष व्रत।
०६/०८ शुक्र	त्रयोदशी सायं ६.२९	आर्द्रा प्रातः ६.३५	कर्क रात १.५२	मास शिवरात्रि व्रत। भद्रा सायं ६.२९ से।
०७/०८ शनि	चतुर्दशी रात ७.१२	पुनर्वसू दिन ८.१३	कर्क दिन/रात	भद्रा दिन ६.५५ तक।
०८/०८ रवि	अमावस्या रात ७.२०	पुष्य दिन ९.१७	कर्क दिन/रात	हरियाली अमावस्या। स्नानादि की दर्श अमावस्या। मूल दिन ९.१७ से।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ श्रावण शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य दक्षिणायन — दिनांक ९ अगस्त से २२ अगस्त २०२१ तक — वर्षा ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०९/०८ सोम	प्रतिपदा सायं ६.५७	आश्लेषा* दिन ९.४८	सिंह दिन ९.४८	श्रावण का तीसरा सोमवार। मूल दिन/रात।
१०/०८ मंगल	द्वितीया सायं ६.०६	मघा* दिन ९.५०	सिंह दिन/रात	मंगला गौरी व्रत। सिंधारा (बहन-बेटियों का)। मूल दिन ९.५० तक।
११/०८ बुध	तृतीया सायं ४.५४	पूर्वाफाल्गुनी दिन ९.२९	कन्या दोप. ३.२१	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। हरियाली तीज। मधुश्रवा तृतीया। भद्रा रात ४.१२ से।
१२/०८ गुरु	चतुर्थी दोप. ३.२५	उत्तराफाल्गुनी दिन ८.५०	कन्या दिन/रात	भद्रा दोपहर ३.२५ तक।
१३/०८ शुक्र	पंचमी दोप. १.४३	हस्त दिन ७.५७	तुला रात ७.२६	नाग पंचमी। स्कन्द षष्ठी। श्रावणी उपाकर्म यजुर्वेदियों का।
१४/०८ शनि	षष्ठी दोप.११.५१	चित्रा प्रातः ६.५४	तुला दिन/रात	श्री कल्कि जयन्ती।
१५/०८ रवि	सप्तमी दिन ९.५२	स्वाती/विशा. प्रातः५.४२/ रात ४.२३	वृश्चिक रात १०.४४	तुलसीदास जयन्ती। स्वतंत्रता दिवस। भद्रा दिन ९.५२ से रात ८.५० तक।
१६/०८ सोम	अष्टमी दिन ७.४६	अनुराधा रात ३.००	वृश्चिक दिन/रात	श्री दुर्गाष्टमी। मूल रात ३.०० से। श्रावण का चौथा सोमवार।
१७/०८ मंगल	नवमी/दशमी प्रातः५.३५/ रात ३.२१	ज्येष्ठा* रात १.३३	धनु रात १.३३	झूलनोत्सव। मंगला गौरी व्रत। तिथि क्षय। सिंह की संक्रान्ति। मूल दिन/रात।
१८/०८ बुध	एकादशी रात १.०६	मूला* रात १२.०५	धनु दिन/रात	पवित्रा एकादशी व्रत। मूल रात १२.०५ तक। भद्रा दोपहर २.१४ से रात १.०६ तक।
१९/०८ गुरु	द्वादशी रात १०.५४	पूर्वाषाढ़ा रात १०.४०	मकर रात ४.१९	श्री श्याम ज्योत।
२०/०८ शुक्र	त्रयोदशी रात ८.५१	उत्तराषाढ़ा रात ९.२२	मकर दिन/रात	प्रदोष व्रत।
२१/०८ शनि	चतुर्दशी रात ७.०१	श्रवण रात ८.१९	मकर दिन/रात	सूंण मांडणा (भद्रा से पहले)। भद्रा रात ७.०१ से।
२२/०८ रवि	पूर्णिमा सायं ५.३२	धनिष्ठा रात ७.३७	कुम्भ दिन ७.५५	रक्षाबन्धन (पूरा दिन शुद्ध है)। स्नानादि की पूर्णिमा। झूलनोत्सव समाप्त। भद्रा प्रातः ६.१३ तक। पंचक दिन ७.५५ से। श्रावणी क्रम। सत्यनारायण व्रत।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ भाद्रपद कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य दक्षिणायन — दिनांक २३ अगस्त से ७ सितम्बर २०२१ तक — वर्षा ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२३/०८ सोम	प्रतिपदा सायं ४.३१	शतभिषा रात ७.२४	कुम्भ दिन/रात	पंचक।
२४/०८ मंगल	द्वितीया सायं ४.०६	पूर्वाभाद्रपद रात ७.४५	मीन दोप. १.३६	बहुओं का सिंधारा। पंचक। भद्रा रात ४.०७ से।
२५/०८ बुध	तृतीया सायं ४.१९	उत्तराभाद्रपद रात ८.४५	मीन दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत। बड़ी तीज। भद्रा सा.४.१९ तक। पंचक। मूल रात ८.४५ से।
२६/०८ गुरु	चतुर्थी सायं ५.१४	रेवती* रात १०.२६	मेष रात १०.२६	पंचक रात १०.२६ तक। मूल दिन/रात।
२७/०८ शुक्र	पंचमी रात ६.४९	अश्विनी* रात १२.४५	मेष दिन/रात	मूल रात १२.४५ तक।
२८/०८ शनि	षष्ठी रात ८.५७	भरणी रात ३.३२	मेष दिन/रात	चाना छठ। भद्रा रात ८.५७ से।
२९/०८ रवि	सप्तमी रात ११.२६	कृतिका दिन/रात	वृषभ दिन १०.१७	भद्रा दिन १०.१० तक।
३०/०८ सोम	अष्टमी रात २.००	कृतिका प्रातः ६.३६	वृषभ दिन/रात	श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत (सर्वेषाम्)।
३१/०८ मंगल	नवमी रात ४.२४	रोहिणी दिन ९.४१	मिथुन रात ११.०९	श्री गोगा नवमी।
०१/०९ बुध	दशमी दिन/रात	मृगशिरा दोप.१२.३२	मिथुन दिन/रात	भद्रा सायं ५.२७ से।
०२/०९ गुरु	दशमी प्रातः ६.२२	आर्द्रा दोप. २.५४	मिथुन दिन/रात	तिथि वृद्धि। भद्रा प्रातः ६.२२ तक।
०३/०९ शुक्र	एकादशी दिन ७.४५	पुनर्वसू सायं ४.३९	कर्क दिन १०.१७	जया एकादशी व्रत।
०४/०९ शनि	द्वादशी दिन ८.२५	पुष्य सायं ५.४३	कर्क दिन/रात	प्रदोष व्रत। बच्छबारस। गोवत्स पूजा। मूल सायं ५.४३ से।
०५/०९ रवि	त्रयोदशी दिन ८.२२	आश्लेषा* सायं ६.०५	सिंह सायं ६.०५	मास शिवरात्रि व्रत। मूल दिन/रात। भद्रा दिन ८.२२ से रात ८.०५ तक।
०६/०९ सोम	चतुर्दशी दिन ७.३९	मघा* सायं ५.४९	सिंह दिन/रात	श्री राणीसती दादी मेला। मूल सायं ५.४९ तक। श्राद्ध / कुशोत्पाटनी अमावस्या।
०७/०९ मंगल	अमा./प्रति. ६.२२/रा.४.३७	पूर्वाफाल्गुनी सायं ५.०३	कन्या रात १०.४७	स्नानदान की अमावस्या। तिथि क्षय।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

सूर्य दक्षिणायन

संवत् २०७८ भाद्रपद शुक्ल पक्ष (सुदी)
दिनांक ८ सितम्बर से २० सितम्बर २०२१ तक
तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

वर्षा ऋतु
शरद ऋतु १७.०९ से

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०८/०९ बुध	द्वितीया रात २.३४	उत्तराफाल्गुनी दोप. ३.५३	कन्या दिन/रात	बाबा रामदेवजी (रामदेवरा) जन्मोत्सव। चन्द्रदर्शन।
०९/०९ गुरु	तृतीया रात १२.१९	हस्त दोप. २.२८	तुला रात १.४२	श्री वराह जयन्ती। हरितालिका तीज।
१०/०९ शुक्र	चतुर्थी रात ९.५८	चित्रा दोप.१२.५५	तुला दिन/रात	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। श्री गणेश जयन्ती। लड़कों का सिंधारा। चन्द्रदर्शन निषेध। भद्रा दिन ११.०९ से रात ९.५८ तक।
११/०९ शनि	पंचमी रात ७.३८	स्वाती दोप. ११.२०	वृश्चिक रात ४.१०	ऋषि पंचमी। माहेश्वरी रक्षाबंधन। संवत्सरी समाप्त। सप्तर्षि पूजा। साम उपाक्रम।
१२/०९ रवि	षष्ठी सायं ५.२१	विशाखा दिन ९.४८	वृश्चिक दिन/रात	सियाणा भैरव मेला (बीकानेर)। सूर्य षष्ठी। बलदेव षष्ठी।
१३/०९ सोम	सप्तमी दोप. ३.११	अनुराधा दिन ८.२१	वृश्चिक दिन/रात	दुबड़ी सातम्। संतान, मुक्ता भरण, अपराजिता सप्तमी। महालक्ष्मी व्रत प्रारम्भ। मूल दि.८.२१ से। भद्रा दोप.३.११ से रात २.०९ तक।
१४/०९ मंगल	अष्टमी दोप. १.१०	ज्येष्ठा* दिन ७.०२	धनु दिन ७.०२	श्री दुर्गाष्टमी। पुनरासर हनुमान मेला। दुर्वाष्टमी। राधाष्टमी। मूल दिन/रात।
१५/०९ बुध	नवमी दिन ११.१८	मूला*/पूर्वाषा. प्रातः५.३३/ रात ४.५३	धनु दिन/रात	चन्द्र नवमी। मूल प्रातः ५.३३ तक।
१६/०९ गुरु	दशमी दिन ९.३७	उत्तराषाढ़ा रात ४.०६	मकर दिन १०.४०	श्री रामदेवरा मेला (राजस्थान)। भद्रा रात ८.५१ से।
१७/०९ शुक्र	एकादशी दिन ८.०८	श्रवण रात ३.३३	मकर दिन/रात	पद्मा एकादशी व्रत। कन्या की संक्रांति। भद्रा दिन ८.०८ तक। विश्वकर्मा पूजा।
१८/०९ शनि	द्वादशी प्रातः ६.५५	धनिष्ठा रात ३.१९	कुम्भ दोप. ३.२४	श्री श्याम ज्योत। प्रदोष व्रत। श्रवण द्वादशी।
१९/०९ रवि	त्रयोदशी प्रातः ६.००	शतभिषा रात ३.२६	कुम्भ दिन/रात	अनन्त चतुर्दशी व्रत।
२०/०९ सोम	चतुर्द./पूर्णिमा प्रातः५.२९/ रात ५.२५	पूर्वाषाढ़ा रात ३.५९	मीन रात ९.४८	पूर्णिमा का श्राद्ध। स्नानदान की पूर्णिमा। तिथि क्षय। भद्रा प्रातः ५.२९ से सायं ५.२३ तक।

हरे मनसा हरे मनसा, मनसा मनसा हरे हरे। भजो मनसा रटो मनसा, मनसा मनसा हरे हरे।।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ आश्विन कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य दक्षिणायन — दिनांक २१ सितम्बर से ६ अक्टूबर २०२१ तक — शरद ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२१/०९ मंगल	प्रतिपदा दिन/रात	उत्तराभाद्रपद रात ५.०४	मीन दिन/रात	प्रतिपदा का श्राद्ध। पंचक। मूल रात ५.०४ से।
२२/०९ बुध	प्रतिपदा प्रातः ५.५२	रेवती* दिन/रात	मीन दिन/रात	द्वितीया का श्राद्ध। तिथि क्षय। पंचक। मूल दिन/रात।
२३/०९ गुरु	द्वितीया प्रातः ६.५४	रेवती* प्रातः ६.४१	मेष प्रातः ६.४१	तृतीया का श्राद्ध। मूल दिन/रात। भद्रा रात ७.३८ से। पंचक प्रातः ६.४१ तक।
२४/०९ शुक्र	तृतीया दिन ८.३०	अश्विनी दिन ८.५१	मेष दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। चतुर्थी का श्राद्ध। भद्रा दिन ८.५१ तक। मूल दिन८.५१ तक।
२५/०९ शनि	चतुर्थी दिन १०.३७	भरणी दोप.११.३०	वृषभ सायं ६.१४	----
२६/०९ रवि	पंचमी दोप. १.०५	कृतिका दोप. २.३०	वृषभ दिन/रात	पंचमी का श्राद्ध। चन्द्र षष्ठी।
२७/०९ सोम	षष्ठी दोप. ३.४४	रोहिणी सायं ५.३९	वृषभ दिन/रात	षष्ठी का श्राद्ध। भद्रा दोपहर ३.४४ से रात ३.०२ तक।
२८/०९ मंगल	सप्तमी सायं ६.१७	मृगशिरा रात ८.४१	मिथुन प्रातः ७.१२	सप्तमी का श्राद्ध।
२९/०९ बुध	अष्टमी रात ८.३०	आर्द्रा रात ११.२३	मिथुन दिन/रात	अष्टमी का श्राद्ध। जीवित्पुत्रिका व्रत। श्री महालक्ष्मी व्रत समाप्त। कालाष्टमी।
३०/०९ गुरु	नवमी रात १०.०९	पुनर्वसू रात १.३०	कर्क रात ७.०२	नवमी का श्राद्ध। सौभाग्यवती स्त्रियों का श्राद्ध।
०१/१० शुक्र	दशमी रात ११.०४	पुष्य रात २.५५	कर्क दिन/रात	दशमी का श्राद्ध। भद्रा दिन १०.४२ से रात ११.०४ तक। मूल रात २.५५ से।
०२/१० शनि	एकादशी रात ११.११	आश्लेषा* रात ३.३३	सिंह रात ३.३३	एकादशी का श्राद्ध। इन्दिरा एकादशी व्रत। गाँधी-शास्त्री जयन्ती। मूल दिन/रात।
०३/१० रवि	द्वादशी रात १०.३०	मघा* रात ३.२४	सिंह दिन/रात	संन्यासियों का श्राद्ध। द्वादशी का श्राद्ध। मूल रात ३.२४ तक।
०४/१० सोम	त्रयोदशी रात ९.०६	पूर्वाफाल्गुनी रात २.३३	सिंह दिन/रात	त्रयोदशी का श्राद्ध। प्रदोष व्रत। मास शिवरात्रि व्रत। भद्रा रात ९.०६ से।
०५/१० मंगल	चतुर्दशी रात ७.०५	उत्तराफाल्गुनी रात १.०८	कन्या दिन ८.१५	चतुर्दशी व अल्पायु में मृत्युवालों का श्राद्ध। शस्त्रादि से हताहतों का श्राद्ध। भद्रा दिन ८.०९ तक।
०६/१० बुध	अमावस्या सायं ४.३५	हस्त रात ११.१७	कन्या दिन/रात	महालया। अमावस्या का श्राद्ध। स्नानदान की दर्श अमावस्या।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

श्री रामा सहल
गीतकार

श्री रवींद्र केजरीवाल
गीतकार

श्री सुनील धनानिया
गीतकार

श्री सत्यनारायण तिवारी
गीतकार

श्री शान–संजीब
संगीतकार

श्री राज–गुरु
गायक कलाकार

नवरात्र में देवीजी के आने एवं जाने के वाहन का नाम एवं फलादेश

- नवरात्र में प्रतिपदा को कलश स्थापन यदि निम्न वारों में हो तो -

वार	वाहन	फल
रविवार-सोमवार	भगवती हाथी पर सवार होकर आती है।	अति वृष्टि - अधिक वर्षा)
शनिवार-मंगलवार	भगवत घोड़े पर सवार होकर आती है।	देश पर आपत्ति-राजा का निधन
गुरुवार-शुक्रवार	भगवती डोली पर सवार होकर आती है।	मृत्यु तुल्य कष्ट - आपत्ति
बुधवार	भगवती नौका पर सवार होकर आती है।	सर्वसिद्धि - कल्याण

- नवरात्र का विसर्जन (दशमी) यदि निम्न वारों में हो तो -

वार	वाहन	फल
रविवार-सोमवार	भगवती महिष (भैसा) पर सवार होकर जाती है।	शोक, रोग आपत्ति
शनिवार-मंगलवार	भगवती मुर्गा पर सवार होकर जाती है।	व्याकुलता - व्यग्रता
बुधवार-शुक्रवार	भगवती गज (हाथी) पर सवार होकर जाती है।	अतिवृष्टि (वर्षा)
गुरुवार	भगवती मनुष्य के कन्धे पर सवार होकर जाती है।	अतिसुख, मंगल, सुख

मिथुन राशि (Gemini) : का की कू च ड. छ के को हा

इस वर्ष की शुरुआत में आपकी राशि के दशम भाव के स्वामी, गुरु बृहस्पति साल के पहले महीने में आपकेअष्टम भाव में विराजमान रहें जिसके बाद वो गोचर करते हुए अप्रैल के महीने में आपके नवम भाव को प्रभावित करेंगे। शनि देव भी इस पूरे वर्ष आपके अष्टम भाव में विराजमान रहने वाले हैं। वहीं छाया ग्रह केतु और राहु क्रमशः आपके छठे और दूसरे भाव में साल भर उपस्थित रहेंगे। लाल ग्रह मंगल भी ६ सितम्बर से ५ दिसंबर के बीच आपके चतुर्थ और पंचम भाव को सक्रिय करेगा जबकि वर्ष की शुरुआत में सूर्य और बुध आपके सप्तम भाव से होते हुए आपकी राशि के अलग-अलग भावों को साल भर प्रभावित करेंगे ऐसे में ग्रहों की इन स्थितियों के चलते आपको अपने कैरियर में बहुत उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। व्यापारी जातकों के लिए समय अच्छा रहेगा। छात्रों को इस वर्ष महे नत आरै प्रयासों के बाद ही सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन में घर के सभी सदस्यों का सहयोग मिलेगा।

With best compliments from

Sri Mohanlal Agarwal
Sri Manoj Agarwal
CA Manish Agarwal

Matchwell
Saijpur-Gopalpur O/S Shahwadi Octori Naka
Nr. Ashok Industries Piplej Ahmedabad.
Mobile : 9824077293 / 8469099772

Manish Mohanlal Agarwal & Co.
1st Floor, Metro Plaza, Station Feeder Road
Siliguri, West Bengal
Mobile : 9434052063, 9800007460

कर्क राशि (Cancer) : ही हू हे हो डा डी डू डे डो

साल की शुरुआत में लाल ग्रह मंगल आपके दशम भाव में होगा। इसके बाद वह अपना गोचर करते हुए, आपके एकादश और द्वादश से होते हुए आपकी ही राशि में विराजमान होगा। इसके साथ ही कर्मफल दाता शनि आपके सप्तम भाव में साल भर विराजमान रहते हुए, आपके चतुर्थ भाव को दृष्टि डालेंगे। वहीं राहु-केतु भी इस पूरे वर्ष इस दौरान क्रमशः आपके पांचवें और ग्यारहवें भाव को सक्रिय करेंगे। इसके साथ ही वर्ष की शुरुआत में सूर्य और बुध आपके षष्ठ भाव में अपना गोचर करते हुए, आपके अलग-अलग भावों को प्रभावित करेंगे। इसी बीच शुक्र की गोचरीय स्थिति भी आपकी राशि को इस पूरे ही वर्ष प्रभावित करने वाली है। ऐसे में आपको अपने कैरियर में रफ्तार पकड़ने का अवसर मिलेगा, जिससे आपकी तरक्की होगी और आपकी पदोन्नति भी संभव है। व्यापारी जातकों के लिए यह वर्ष निवेश के लिए बेहद सफल रहने वाला है। छात्रों के लिए साल अच्छा है, इस साल उन्हें अपने हर विषय को समझने में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन में मिले-जुले परिणाम मिलेंगे।

With best compliments of :

eagle™
... elegance personified

Mens' Ethnic Wear

NIKITA APPARELS

Manufacturers & Suppliers of
Men's Readymade Kurta Sets for all occasions.

848 Block 'P', New Alipore
(Opp. Rasoi Factory, 1st Floor) Kolkata - 700 053
Mobile : 98310 02839, 93312 67454
E-mail : eagle.ethnic@gmail.com

सिंह राशि (Leo) : मा मी मू मे मो टा टी टू टे

पूरे वर्ष छाया ग्रह राहु-केतु क्रमशः आपके दसवें और चौथे भाव को प्रभावित करेंगे। इसके साथ ही शनि देव भी साल भर आपके छठे भाव में विराजमान रहेंगे। शुरुआत में शनि देव गुरु बृहस्पति के साथ आपके छठे भाव में होने पर एक अनोखी युक्ति का निर्माण करेंगे। इस दौरान मंगल आपके नवम भाव से होते हुए, आपको भाग्य का साथ देंगे और फिर अप्रैल से जुलाई के बीच आपके एकादश और द्वादश भावों में प्रवेश कर जाएंगे। इस दौरान आपको अपने कैरियर में शत्रुओं से बचकर रहने की जरूरत होगी। आर्थिक जीवन में खर्चे बढ़ेंगे, जिसका असर आपके आर्थिक जीवन पर पड़ता हुआ दिखाई देगा। छात्रों को परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए पहले से अधिक मेहनत करनी होगी। पारिवारिक जीवन प्रतिकूल रहेगा।

With Best Compliments From :

Balrampur Chini Mills Limited

(Manufacturing Pure White Crystal Sugar)

बलरामपुर चीनी मिल्स समूह की ओर से आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाये

UNITS :

- **BALRAMPUR CHINI MILLS LIMITED**
  Unit : Balrampur
  Village & Post : Balrampur
  District : Balrampur - 271201 (U.P.)

- **BALRAMPUR CHINI MILLS LIMITED**
  Unit : Babhnan
  Village & Post : Babhnan
  Tehsil : Mankapur
  District : Gonda - 271313 (U.P.)

- **BALRAMPUR CHINI MILLS LIMITED**
  Unit : Tulsipur
  Village & Post : Tulsipur
  District : Balrampur - 271208 (U.P.)

- **BALRAMPUR CHINI MILLS LIMITED**
  Unit : Haidergarh
  Village & Post : Pokhra
  Tehsil : Haidergarh
  District : Barabanki - 225126 (U.P.)

- **BALRAMPUR CHINI MILLS LIMITED**
  Unit : Akbarpur
  Village & Post : Mijhaura
  Tehsil : Bhiti
  District : Ambedkarnagar - 224152 (U.P.)

- **BALRAMPUR CHINI MILLS LIMITED**
  Unit : Rauzagaon
  Village & Post : Rauzagaon
  Tehsil : Rudauli
  District : Ayodhya - 224116 (U.P.)

- **BALRAMPUR CHINI MILLS LIMITED**
  Unit : Mankapur
  Village & Post : Datauli
  Tehsil : Mankapur
  District : Gonda - 271306 (U.P.)

- **BALRAMPUR CHINI MILLS LIMITED**
  Unit : Kumbhi
  Village & Post : Kumbhi
  Tehsil : Gola Gokaranath
  District : Lakhimpur Kheri - 262804 (U.P.)

- **BALRAMPUR CHINI MILLS LIMITED**
  Unit : Gularia
  Village & Post : Naushar, Gularia
  Tehsil : Gola Gokaranath
  District : Lakhimpur Kheri - 262901 (U.P.)

- **BALRAMPUR CHINI MILLS LIMITED**
  Unit : Maizapur
  Post : Haldharmou, Village : Maizapur
  Tehsil : Colonelganj
  District : Gonda - 271126 (U.P.)

संवत् २०७८ आश्विन शुक्ल पक्ष (सुदी)

दिनांक ७ अक्टूबर से २० अक्टूबर २०२१ तक

सूर्य दक्षिणायन — शरद ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०७/१० गुरु	प्रतिपदा दोप. १.४७	चित्रा रात ९.११	तुला दिन १०.१५	शारदीय नवरात्र प्रारम्भ। घट स्थापनादि। महाराजा अग्रसेन जयंती। नाना-नानी का श्राद्ध। चन्द्रदर्शन।
०८/१० शुक्र	द्वितीया दिन १०.४९	स्वाती सायं ६.५७	तुला दिन/रात	----
०९/१० शनि	तृती./चतुर्थी दिन ८.४९/ रात ४.५६	विशाखा सायं ४.४५	वृश्चिक दिन ११.१७	वैनायिकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। तिथि क्षय।
१०/१० रवि	पंचमी रात २.१५	अनुराधा दोप. २.४२	वृश्चिक दिन/रात	उपांग ललिता व्रत। मूल दोपहर २.४२ से।
११/१० सोम	षष्ठी रात ११.५१	ज्येष्ठा* दोप.१२.५३	धनु दोप.१२.५३	सरस्वती का आह्वान। मूल दिन/रात। दुर्गा पूजा प्रारम्भ (बंगाल)।
१२/१० मंगल	सप्तमी रात ९.४८	मूला* दोप.११.२४	धनु दिन/रात	सरस्वती की पूजा। महासप्तमी। भद्रा रात ९.४८ से। मूल दोपहर ११.२४ तक।
१३/१० बुध	अष्टमी रात ८.०८	पूर्वाषाढ़ा दिन १०.१७	मकर सायं ४.०३	श्री दुर्गाष्टमी, महाष्टमी। सरस्वती बलिदान। भद्रा दिन ८.५५ तक। गुरुजी जन्मोत्सव।
१४/१० गुरु	नवमी सायं ६.५३	उत्तराषाढ़ा दिन ९.३३	मकर दिन/रात	महानवमी। सरस्वती विसर्जन। शमी पूजन। बौद्धावतार।
१५/१० शुक्र	दशमी सायं ६.०३	श्रवण दिन ९.१४	कुम्भ रात ९.१३	विजयादशमी (दशहरा)। पंचक रात ९.१३ से।
१६/१० शनि	एकादशी सायं ५.३८	धनिष्ठा दिन ९.१९	कुम्भ दिन/रात	पापाकुंशा एकादशी व्रत। भद्रा प्रातः ५.४७ से सायं ५.३८ तक। पंचक।
१७/१० रवि	द्वादशी सायं ५.४०	शतभिषा दिन ९.५०	मीन रात ४.३०	श्री श्याम ज्योत। तुला की संक्रांति। प्रदोष व्रत। पंचक।
१८/१० सोम	त्रयोदशी सायं ६.०८	पूर्वाभाद्रपद दिन १०.४७	मीन दिन/रात	
१९/१० मंगल	चतुर्दशी सायं ७.०४	उत्तराभाद्रपद दोप.१२.१०	मीन दिन/रात	भद्रा सायं ७.०४ से। मूल दोपहर १२.१० से।
२०/१० बुध	पूर्णिमा रात ८.२७	रेवती* दोप. १.५९	मेष दोप. १.५९	बाल्मीकि जयन्ती। कोजागरी लक्खी पूजा। शरद पूर्णिमा। स्नानादि की पूर्णिमा। भद्रा प्रातः ७.४२ तक। मूल दिन/रात।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

सूर्य दक्षिणायन

संवत् २०७८ कार्तिक कृष्ण पक्ष (बदी)
दिनांक २१ अक्टूबर से ४ नवम्बर २०२१ तक

शरद ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२१/१० गुरु	प्रतिपदा रात १०.१७	अश्विनी* सायं ४.१४	मेष दिन/रात	मूल सायं ४.४४ तक।
२२/१० शुक्र	द्वितीया रात १२.३०	भरणी सायं ६.५३	वृषभ रात १.३६	---
२३/१० शनि	तृतीया रात ३.०२	कृतिका रात ९.५०	वृषभ दिन/रात	भद्रा दोपहर १.४४ से रात ३.०२ तक।
२४/१० रवि	चतुर्थी दिन/रात	रोहिणी रात १२.५०	वृषभ दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। करवा चौथ (करक) व्रत।
२५/१० सोम	चतुर्थी प्रातः ५.४४	मृगशिरा रात ४.०८	मिथुन दोप. २.३४	तिथि वृद्धि।
२६/१० मंगल	पंचमी दिन ८.२५	आर्द्रा दिन/रात	मिथुन दिन/रात	---
२७/१० बुध	षष्ठी दिन १०.५१	आर्द्रा प्रातः ७.०५	कर्क रात ३.०३	भद्रा दिन १०.५१ से रात ११.५४ तक।
२८/१० गुरु	सप्तमी दोप.१२.५०	पुनर्वसू दिन ९.३९	कर्क दिन/रात	अहोई अष्टमी। कालाष्टमी।
२९/१० शुक्र	अष्टमी दोप. २.१०	पुष्य दोप.११.३६	कर्क दिन/रात	मूल दोपहर ११.३६ से।
३०/१० शनि	नवमी दोप. २.४४	आश्लेषा* दोप.१२.४९	सिंह दोप.१२.४९	भद्रा रात २.४२ से। मूल दिन/रात।
३१/१० रवि	दशमी दोप. २.२८	मघा* दोप. १.१४	सिंह दिन/रात	भद्रा दोपहर २.२८ तक। मूल दोपहर १.१४ तक।
०१/११ सोम	एकादशी दोप. १.२२	पूर्वाफाल्गुनी दोप.१२.५०	कन्या सायं ६.३७	रम्भा एकादशी व्रत।
०२/११ मंगल	द्वादशी दोप.११.३१	उत्तराफाल्गुनी दोप.११.४२	कन्या दिन/रात	प्रदोष व्रत। धनतेरस दीपदान प्रारम्भ। यम पंचक।
०३/११ बुध	त्रयोदशी दिन ९.०२	हस्त दिन ९.५६	तुला रात ८.५१	मास शिवरात्रि व्रत। धनतेरस। धनवंतरी जयन्ती। नरक चतुर्दशी। नृसिंह, हनुमान जयन्ती। भद्रा दिन ९.०२ से सायं ७.३६ तक।
०४/११ गुरु	चतुर्द/अमा. प्रातः६.०४/ रात २.४५	चित्रा/स्वाती प्रातः७.४०/ रात ५.०५	तुला दिन/रात	दीपावली। श्री गणेश-लक्ष्मी-कुबेर पूजन। काली पूजा। स्नानादि की अमावस्या। श्री महावीर निर्वाण दिवस। तिथि क्षय।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ कार्तिक शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य दक्षिणायन — दिनांक ५ नवम्बर से १९ नवम्बर २०२१ तक — शरद ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है — हेमन्त ऋतु १६ नवम्बर से

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०५/११ शुक्र	प्रतिपदा रात ११.१५	विशाखा रात २.२०	वृश्चिक रात ९.०२	गोवर्धन पूजा। अन्नकूट।
०६/११ शनि	द्वितीया रात ७.४४	अनुराधा रात ११.३६	वृश्चिक दिन/रात	भाई दूज। यम द्वितीया। चन्द्रदर्शन। यम पंचक समाप्त। मूल रात ११.३६ से।
०७/११ रवि	तृतीया सायं ४.२२	ज्येष्ठा* रात ९.०२	धनु रात ९.०२	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। भद्रा रात २.४७ से। मूल दिन/रात।
०८/११ सोम	चतुर्थी दोप. १.१७	मूला* सायं ६.४७	धनु दिन/रात	छठ पूजा का प्रथम संयम। भद्रा दोपहर १.१७ तक। मूल सायं ६.४७ तक।
०९/११ मंगल	पंचमी दिन १०.३६	पूर्वाषाढ़ा सायं ४.५७	मकर रात १०.३५	छठ पूजा का दूसरा संयम। ज्ञान पंचमी।
१०/११ बुध	षष्ठी दिन ८.२६	उत्तराषाढ़ा दोप. ३.३९	मकर दिन/रात	सूर्य षष्ठी (डाला) छठ व्रत।
११/११ गुरु	सप्तमी प्रातः ६.५०	श्रवण दोप. २.५६	कुम्भ रात २.४९	सहस्त्रार्जुन जयन्ती। पंचक रा.२.४९ से। भद्रा प्रातः ६.५० से सायं ६.१६ तक।
१२/११ शुक्र	अष्ट./नवमी प्रातः५.५२/ रात ५.३२	धनिष्ठा दोप. २.५१	कुम्भ दिन/रात	दुर्गाष्टमी। गोपाष्टमी। अक्षय (आँवला) नवमी। पंचक। जगद्धात्री पूजा। तिथि क्षय।
१३/११ शनि	दशमी रात ५.४९	शतभिषा दोप. ३.२२	कुम्भ दिन/रात	पंचक।
१४/११ रवि	एकादशी दिन/रात	पूर्वाभाद्रपद सायं ४.२९	मीन रात १२.००	देवउठनी एकादशी (स्मार्त) व्रत। पंचक। भद्रा सायं ६.१० से।
१५/११ सोम	एकादशी प्रातः ६.४०	उत्तराभाद्रपद सायं ६.०६	मीन दिन/रात	तुलसी विवाह। देवउठनी एकादशी (वैष्णव) व्रत। भीष्म पंचकारम्भ। तिथि वृद्धि। पंचक। भद्रा प्रातः ६.४० तक। मूल सायं ६.०६ से।
१६/११ मंगल	द्वादशी दिन ८.०२	रेवती* रात ८.१२	मेष रात ८.१२	श्री श्याम ज्योत। प्रदोष व्रत। पंचक रात ८.१२ तक। वृश्चिक की संक्रांति। चातुर्मास्य समाप्त।
१७/११ बुध	त्रयोदशी दिन ९.५१	अश्विनी* रात १०.४०	मेष दिन/रात	बैकुण्ठ चतुर्दशी व्रत। मूल रात १०.४० तक।
१८/११ गुरु	चतुर्दशी दोप.१२.०१	भरणी रात १.२७	मेष दिन/रात	भीष्म पंचक समाप्त। बैकुण्ठ चतुर्दशी पूजा। भद्रा दोपहर १२.०१ से रात १.१२ तक।
१९/११ शुक्र	पूर्णिमा दोप. २.२८	कृतिका रात ४.२६	वृषभ दिन ८.११	गुरुनानक जयन्ती। चन्द्रग्रहण (केवल पूर्वोत्तर राज्यों में)। स्नानादि की पूर्णिमा। कार्तिक स्नान समाप्त।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

सूर्य दक्षिणायन

संवत् २०७८ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (बदी)
दिनांक २० नवम्बर से ४ दिसम्बर २०२१ तक

हेमन्त ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२०/११ शनि	प्रतिपदा सायं ५.०५	रोहिणी दिन/रात	वृषभ दिन/रात	---
२१/११ रवि	द्वितीया रात ७.४८	रोहिणी प्रातः ७.२३	मिथुन रात ९.०७	---
२२/११ सोम	तृतीया रात १०.२८	मृगशिरा दिन १०.४१	मिथुन दिन/रात	सौभाग्यसुन्दरी व्रत। भद्रा दिन ९.०९ से रात १०.२८ तक।
२३/११ मंगल	चतुर्थी रात १२.५६	आर्द्रा दोप. १.४१	मिथुन दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत।☾
२४/११ बुध	पंचमी रात ३.०४	पुनर्वसू सायं ४.२६	कर्क दिन ९.४७	---
२५/११ गुरु	षष्ठी रात ४.४३	पुष्य सायं ६.४७	कर्क दिन/रात	भद्रा रात ४.४३ से। मूल सायं ६.४७ से।
२६/११ शुक्र	सप्तमी रात ५.४३	आश्लेषा* रात ८.३४	सिंह रात ८.३४	भद्रा सायं ५.१८ तक। मूल दिन/रात।
२७/११ शनि	अष्टमी रात ६.००	मघा* रात ९.४१	सिंह दिन/रात	श्री महाकाल भैरवाष्टमी। मूल रात ९.४१ तक।
२८/११ रवि	नवमी रात ५.३१	पूर्वाफाल्गुनी रात १०.०३	कन्या रात ४.०१	श्री राणीसती दादी जयन्ती।
२९/११ सोम	दशमी रात ४.१४	उत्तराफाल्गुनी रात ९.३९	कन्या दिन/रात	भद्रा सायं ४.५८ से रात ४.१४ तक।
३०/११ मंगल	एकादशी रात २.१४	हस्त रात ८.३२	कन्या दिन/रात	उत्पन्ना एकादशी व्रत। कार्तिक पूजा (बंगाल)।
०१/१२ बुध	द्वादशी रात ११.३६	चित्रा सायं ६.४५	तुला प्रातः ७.४३	---
०२/१२ गुरु	त्रयोदशी रात ८.२७	स्वाती सायं ४.२५	तुला दिन/रात	मास शिवरात्रि व्रत। प्रदोष व्रत। भद्रा रात ८.२७ से।
०३/१२ शुक्र	चतुर्दशी सायं ४.५६	विशाखा दोप. १.४२	वृश्चिक दिन ८.२५	भद्रा प्रातः ६.४४ तक।
०४/१२ शनि	अमावस्या दोप. १.१३	अनुराधा दिन १०.४५	वृश्चिक दिन/रात	स्नानादि की दर्श अमावस्या। मूल दिन १०.४५ से।

☾चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य दक्षिणायन — दिनांक ५ दिसम्बर से १९ दिसम्बर २०२१ तक — हेमन्त ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०५/१२ रवि	प्रतिप./द्वितीदिन ९.२८/ रात ५.५१	ज्येष्ठा*/मूला* प्रातः७.४५/ रात ४.५२	धनु दिन ७.४५	**बाबा बलदेवदास जयन्ती।** भैरव षट्रात्र प्रारम्भ। मूल रात ४.५२ तक।
०६/१२ सोम	तृतीया रात २.३२	पूर्वाषाढ़ा रात २.१७	धनु दिन/रात	---
०७/१२ मंगल	चतुर्थी रात ११.४१	उत्तराषाढ़ा रात १२.०९	मकर प्रातः ७.४२	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। भद्रा दोपहर १.०३ से रात ११.४१ तक।
०८/१२ बुध	पंचमी रात ९.२६	श्रवण रात १०.३७	मकर दिन/रात	श्री राम-जानकी विवाहोत्सव।
०९/१२ गुरु	षष्ठी रात ७.५४	धनिष्ठा रात ९.४८	कुम्भ दिन १०.०७	हलधर जयन्ती। पंचक दिन १०.०७ से। भैरव षट्रात्र समाप्त। स्कन्द षष्ठी।
१०/१२ शुक्र	सप्तमी रात ७.१०	शतभिषा रात ९.४६	कुम्भ दिन/रात	नरसी मेहता जयन्ती। भद्रा रात ७.१० से। पंचक। मित्र सप्तमी।
११/१२ शनि	अष्टमी रात ७.१३	पूर्वाभाद्रपद रात १०.२९	मीन सायं ४.१४	श्री दुर्गाष्टमी। श्री हरि जयन्ती। भद्रा दिन ७.०६ तक। पंचक।
१२/१२ रवि	नवमी रात ८.०३	उत्तराभाद्रपद रात ११.५७	मीन दिन/रात	पंचक। महानन्दा नवमी। मूल रात ११.५७ तक।
१३/१२ सोम	दशमी रात ९.३३	रेवती* रात २.०३	मेष रात २.०३	पंचक रात २.०३ तक। मूल दिन/रात।
१४/१२ मंगल	एकादशी रात ११.३६	अश्विनी* रात ४.३७	मेष दिन/रात	मोक्षदा (मौनी) एकादशी व्रत। गीता जयन्ती। मूल रात ४.३७ तक। भद्रा दिन १०.३१ से रात ११.३६ तक।
१५/१२ बुध	द्वादशी रात २.०२	भरणी दिन/रात	मेष दिन/रात	श्री श्याम ज्योत। मत्स्य द्वादशी।
१६/१२ गुरु	त्रयोदशी रात ४.४१	भरणी प्रातः ७.३२	वृषभ दोप. २.१८	प्रदोष व्रत। धनु की संक्रांति। **मलमास आरम्भ**
१७/१२ शुक्र	चतुर्दशी दिन/रात	कृतिका दिन १०.३८	वृषभ दिन/रात	---
१८/१२ शनि	चतुर्दशी प्रातः ७.२५	रोहिणी दोप. १.३६	मिथुन रात ३.१९	दत्तात्रेय जयन्ती। तिथि वृद्धि। सत्यनारायण व्रत। भद्रा दिन ७.२५ से रात ८.४६ तक।
१९/१२ रवि	पूर्णिमा दिन १०.०६	मृगशिरा सायं ४.५०	मिथुन दिन/रात	श्री विद्या जयन्ती। स्नानादि की पूर्णिमा। पूर्णिमा व्रत।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ पौष कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य दक्षिणायन **दिनांक २० दिसम्बर से २ जनवरी २०२२ तक** **हेमन्त ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२०/१२ सोम	प्रतिपदा दोप.१२.३७	आर्द्रा रात ७.४३	मिथुन दिन/रात	---
२१/१२ मंगल	द्वितीया दोप. २.५४	पुनर्वसू रात १०.२२	कर्क दोप. ३.४४	भद्रा रात ३.५६ से।
२२/१२ बुध	तृतीया सायं ४.५३	पुष्य रात १२.४२	कर्क दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। भद्रा सायं ४.५३ तक। मूल रात १२.४२ से।
२३/१२ गुरु	चतुर्थी सायं ६.२८	आश्लेषा* रात २.३९	सिंह रात २.३९	मूल दिन/रात।
२४/१२ शुक्र	पंचमी रात ७.३५	मघा* रात ४.०७	सिंह दिन/रात	मूल रात ४.०७ तक।
२५/१२ शनि	षष्ठी रात ८.१०	पूर्वाफाल्गुनी रात ५.०३	सिंह दिन/रात	भद्रा रात ८.१० से।
२६/१२ रवि	सप्तमी रात ८.०९	उत्तराफाल्गुनी रात ५.२३	कन्या दोप.११.११	भद्रा दिन ८.१४ तक।
२७/१२ सोम	अष्टमी रात ७.२९	हस्त रात ५.०५	कन्या दिन/रात	कालाष्टमी। अष्टका श्राद्ध।
२८/१२ मंगल	नवमी सायं ६.१०	चित्रा रात ४.०९	तुला सायं ४.४२	श्री विट्ठलनाथजी का जन्मोत्सव। भद्रा रात ५.१६ से।
२९/१२ बुध	दशमी सायं ४.१३	स्वाती रात २.३६	तुला दिन/रात	श्री पार्श्वनाथ जयन्ती (जैन)। भद्रा सायं ४.१३ तक।
३०/१२ गुरु	एकादशी दोप. १.४१	विशाखा रात १२.३२	वृश्चिक रात ७.०६	सफला एकादशी व्रत।
३१/१२ शुक्र	द्वादशी दिन १०.४०	अनुराधा रात १०.०२	वृश्चिक दिन/रात	मास शिवरात्रि व्रत। प्रदोष व्रत। मूल रात १०.०२ से।
१/१/२२ शनि	त्रयोदशी/ चतुर्दशी प्रातः७.१७/ रात ३.४२	ज्येष्ठा* रात ७.१५	धनु रात ७.१५	तिथि क्षय। भद्रा दिन ७.१७ से सायं ५.३१ तक। मूल दिन/रात।
०२/०१ रवि	अमावस्या रात १२.०३	मूला* सायं ४.२१	धनु दिन/रात	स्नानादि की दर्श अमावस्या। मूल सायं ४.२१ तक।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

With best compliments from:

Shri Vijay Kumar Agarwal
Smt. Santosh Agarwal
Shri Vikas Agarwal
Shri Vishal Agarwal

Deco Mica Ltd.

Salasar Laminates Ltd.

Salasar Agropanel Pvt. Ltd.

Heritage Board Ltd.

306 Iscon Mall | Above Star India Bazaar
Nr. Jodhpur Cross Road | Sattelite | Ahmedabad-380015
Mobile : +91 9327025713

कन्या राशि (Virgo) : टा प पी पू ष ण ठ पे पो

इस पूरे वर्ष शनि आपकी राशि के पंचम भाव में विराजमान होंगे। शुरुआत में मंगल देव आपके अष्टम भाव से होते हुए नवम और दशम भाव को प्रभावित करेंगे। साथ ही राहु और केतु क्रमशः नवम भाव और तीसरे भाव में उपस्थित होंगे। गुरु बृहस्पति भी आपकी राशि के पंचम भाव से होते हुए आपके छठे भाव में गोचर करेंगे और आपको सबसे ज्यादा प्रभावित करेंगे। इस दौरान आपको अपने कैरियर में बहुत सी उतार-चढ़ाव भरी परिस्थितियों से गुजरना पड़ सकता है। वो जातक जो व्यवसाय करते हैं। उनके लिए समय अच्छा रहेगा। ग्रहों और नक्षत्रों के संयोग से आर्थिक जीवन में समस्या हो सकती है, लेकिन राहु की शुभ दृष्टि आपको शुभ फल देते हुए धन कमाने के कई मौके देगी। छात्रों को शिक्षा में अधिक मेहनत करनी होगी, मेहनत अनुसार सफलता प्राप्त होगी। स्वास्थ्य के नजरिए से यह वर्ष अच्छा रहेगा।

With best compliments from :

भानीराम सुरेका

Roadwings International Pvt. Ltd.

8, Camac Street, 12th Floor, Kolkata - 700 017

Phone : 2282 5849 / 5784, 3054 1391

Mobile : 093311 13332, Fax : 2282 8760

E-mail : roadwingsinternational@gmail.com, bhaniramsureka@gmail.com

तुला राशि (Libra) : रा री रू रे रो ता ती तू ते

इस वर्ष आपकी राशि के अष्टम और द्वितीय भाव में क्रमशः राहु-केतु की उपस्थिति होगी। इसके साथ ही शनि देव भी वर्ष भर आपके चतुर्थ भाव में विराजमान होते हुए, आपके दशम भाव को दृष्टि करेंगे। मंगल ग्रह शुरुआत में आपके सप्तम भाव में होगा, जो अपना गोचर करते हुए आपके अष्टम, नवम और दशम भाव को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगा। इसके साथ ही शुक्र, गुरुदेव, सूर्य और बुध का गोचर भी आपकी राशि के अलग-अलग भावों में इस वर्ष होने वाला है, जिसके कारण कैरियर में आपको अनुकूल फल प्राप्त होंगे। आपकी उन्नति होगी, साथ ही व्यापार कर रहे जातकों को किसी गुप्त स्रोत से धन लाभ होगा। संतान के लिए समय अच्छा रहेगा। आप और आपका जीवन साथी संतान के बेहतर भविष्य के लिए कोई बड़ा निर्णय लेंगे।

संवत् २०७८ पौष शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण — दिनांक ३ जनवरी से १७ जनवरी २०२२ तक — हेमन्त ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है — शिशिर ऋतु १४ जनवरी से

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०३/०१ सोम	प्रतिपदा रात ८.३२	पूर्वाषाढ़ा दोप. १.३१	मकर सायं ६.५०	----
०४/०१ मंगल	द्वितीया सायं ५.१९	उत्तराषाढ़ा दिन १०.५४	मकर दिन/रात	----
०५/०१ बुध	तृतीया दोप.२.३५	श्रवण दिन ८.४४	कुम्भ रात ७.५१	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। भद्रा रात १.२७ से।
०६/०१ गुरु	चतुर्थी दोप.१२.३०	धनिष्ठा/ शतभिषा प्रातः७.०९/ सायं ६.१८	कुम्भ दिन/रात	शुक्र का तारा अस्त भद्रा दोपहर १२.३० तक।
०७/०१ शुक्र	पंचमी दोप.११.११	पूर्वाभाद्रपद प्रातः ६.१७	मीन रात १२.१३	----
०८/०१ शनि	षष्ठी दिन १०.४०	उत्तराभाद्रपद दिन/रात	मीन दिन/रात	----
०९/०१ रवि	सप्तमी दिन ११.०९	उत्तराभाद्रपद प्रातः ७.०८	मीन दिन/रात	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती। मूल प्रातः ७.०८ से। भद्रा दोपहर ११.०९ से रात ११.४१ तक।
१०/०१ सोम	अष्टमी दोप.१२.२५	रेवती* दिन ८.४७	मेष दिन ८.४७	श्री दुर्गाष्टमी। मूल दिन/रात।
११/०१ मंगल	नवमी दोप. २.२२	अश्विनी* दिन ११.०७	मेष दिन/रात	शुक्र का तारा उदय मूल दिन ११.०७ तक।
१२/०१ बुध	दशमी सायं ४.५०	भरणी दोप. १.५७	वृषभ रात ८.४३	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती। भद्रा रात ६.१० से।
१३/०१ गुरु	एकादशी रात ७.३३	कृतिका सायं ५.०४	वृषभ दिन/रात	पुत्रदा एकादशी व्रत। लोहड़ी (पंजाब)। भद्रा सायं ७.३३ तक।
१४/०१ शुक्र	द्वादशी रात १०.२०	रोहिणी रात ८.१५	वृषभ दिन/रात	मकर संक्रांति। गंगासागर स्नान। पोंगल। मलमास समाप्त श्री श्याम ज्योत।
१५/०१ शनि	त्रयोदशी रात १२.५८	मृगशिरा रात ११.१८	मिथुन दिन ९.४८	शनि प्रदोष व्रत। बिहु (आसाम)।
१६/०१ रवि	चतुर्दशी रात ३.१९	आर्द्रा रात २.०७	मिथुन दिन/रात	भद्रा रात ३.१९ से।
१७/०१ सोम	पूर्णिमा रात ५.१८	पुनर्वसू रात ४.३५	कर्क रात १०.००	माँ शाकम्भरी जयन्ती। माघ स्नानारम्भ। स्नानादि की पूर्णिमा व्रत। भद्रा सायं ४.२२तक।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ माघ कृष्ण पक्ष (बदी)

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक १८ जनवरी से १ फरवरी २०२२ तक** — **शिशिर ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१८/०१ मंगल	प्रतिपदा दिन/रात	पुष्य दिन/रात	कर्क दिन/रात	---
१९/०१ बुध	प्रतिपदा प्रातः ६.५४	पुष्य प्रातः ६.४०	कर्क दिन/रात	तिथि वृद्धि। मूल प्रातः ६.४० से।
२०/०१ गुरु	द्वितीया दिन ८.०६	आश्लेषा* दिन ८.२२	सिंह दिन ८.२२	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती। भद्रा रात ८.३२ से। मूल दिन/रात।
२१/०१ शुक्र	तृतीया दिन ८.५२	मघा* दिन ९.४०	सिंह दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। माही चौथ। मूल दिन ९.४० तक।
२२/०१ शनि	चतुर्थी दिन ९.१५	पूर्वाफाल्गुनी दिन १०.३६	कन्या सायं ४.४६	---
२३/०१ रवि	पंचमी दिन ९.१३	उत्तराफाल्गुनी दिन ११.०७	कन्या दिन/रात	नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती।
२४/०१ सोम	षष्ठी दिन ८.४४	हस्त दिन ११.१३	तुला रात ११.०६	श्री रामानन्दाचार्य जयन्ती। भद्रा दिन ८.४४ से रात ८.२० तक।
२५/०१ मंगल	सप्तमी प्रातः ७.४९	चित्रा दिन १०.५२	तुला दिन/रात	कालाष्टमी। अष्टका श्राद्ध।
२६/०१ बुध	अष्ट./नवमी प्रातः ६.२६/ रात ४.३४	स्वाती दिन १०.०४	वृश्चिक रात ३.१०	भारतीय गणतन्त्र दिवस। अन्वष्टका श्राद्ध। तिथि क्षय।
२७/०१ गुरु	दशमी रात २.१७	विशाखा दिन ८.४९	वृश्चिक दिन/रात	भद्रा दोपहर ३.२९ से रात २.१७ तक।
२८/०१ शुक्र	एकादशी रात ११.३६	अनु./ज्येष्ठा* प्रातः ७.०८/ रात ५.०५	धनु रात ५.०५	षट्तिला एकादशी व्रत। मूल प्रातः ७.०८ से।
२९/०१ शनि	द्वादशी रात ८.३८	मूला* रात २.४७	धनु दिन/रात	मूल रात २.४७ तक।
३०/०१ रवि	त्रयोदशी सायं ५.२९	पूर्वाषाढ़ा रात १२.२०	मकर रात ५.४४	मास शिवरात्रि व्रत। भद्रा सायं ५.२९ से रात ३.५३ तक।
३१/०१ सोम	चतुर्दशी दोप. २.१९	उत्तराषाढ़ा रात ९.५५	मकर दिन/रात	---
०१/०२ मंगल	अमावस्या दिन ११.१६	श्रवण रात ७.४२	मकर दिन/रात	मौनी अमावस्या। स्नानादि की दर्श अमावस्या।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ माघ शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण — दिनांक २ फरवरी से १६ फरवरी २०२२ तक — शिशिर ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०२/०२ बुध	प्रतिप/द्वितीं. दिन ८.३२/ रात ६.१६	धनिष्ठा सायं ५.५१	कुम्भ दिन ६.४३	गुप्त नवरात्र प्रारम्भ। तिथि क्षय। पंचक दिन ६.४३ से। चन्द्रदर्शन।
०३/०२ गुरु	तृतीया रात ४.३९	शतभिषा सायं ४.३२	कुम्भ दिन/रात	पंचक।
०४/०२ शुक्र	चतुर्थी रात ३.४७	पूर्वाभाद्रपद दोप. ३.५५	मीन दिन १०.००	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। भद्रा सायं ४.०७ से रात ३.४७ तक। पंचक।
०५/०२ शनि	पंचमी रात ३.४७	उत्तराभाद्रपद सायं ४.०६	मीन दिन/रात	वसंत पंचमी। सरस्वती पूजा। श्री पंचमी। पंचक। मूल सायं ४.०६ से।
०६/०२ रवि	षष्ठी रात ४.३९	रेवती* सायं ५.०७	मेष सायं ५.०७	शीतला षष्ठी (बंगाल)। पंचक सायं ५.०७ तक। मूल दिन/रात।
०७/०२ सोम	सप्तमी दिन/रात	अश्विनी* सायं ६.५६	मेष दिन/रात	ब्रह्मादादा जयन्ती (आचार्यकुल)। आरोग्य सप्तमी।
०८/०२ मंगल	सप्तमी प्रातः ६.१७	भरणी रात ९.२५	वृषभ रात ४.०७	अचला, चन्द्रभागा रथ, आरोग्य, सूर्य सप्तमी। तिथि वृद्धि। भद्रा प्रातः ६.१७ से रात ७.२० तक।
०९/०२ बुध	अष्टमी दिन ८.३१	कृतिका रात १२.२१	वृषभ दिन/रात	श्री दुर्गाष्टमी। भीष्माष्टमी।
१०/०२ गुरु	नवमी दिन ११.०९	रोहिणी रात ३.२९	वृषभ दिन/रात	श्री महानन्दा नवमी। गुप्त नवरात्र समाप्त।
११/०२ शुक्र	दशमी दोप. १.५३	मृगशिरा दिन/रात	मिथुन सायं ५.०३	भद्रा रात ३.१२ से।
१२/०२ शनि	एकादशी सायं ४.२८	मृगशिरा प्रातः ६.३५	मिथुन दिन/रात	जया एकादशी व्रत। भद्रा सायं ४.२८ तक।
१३/०२ रवि	द्वादशी सायं ६.४३	आर्द्रा दिन ९.२५	कर्क रात ५.१६	श्री श्याम ज्योत। भीष्म द्वादशी। कुम्भ की संक्रांति।
१४/०२ सोम	त्रयोदशी रात ८.२९	पुनर्वसू दोप.११.५०	कर्क दिन/रात	मरुमेला प्रारम्भ (जैसलमेर, राजस्थान)। प्रदोष व्रत।
१५/०२ मंगल	चतुर्दशी रात ९.४३	पुष्य दोप. १.४६	कर्क दिन/रात	भद्रा रात ९.४३ से। मूल दोपहर १.४६ से।
१६/०२ बुध	पूर्णिमा रात १०.२७	आश्लेषा* दोप. ३.११	सिंह दोप. ३.११	संत रविदास जयन्ती। माघ स्नान समाप्त। स्नानादि की पूर्णिमा व्रत। मरुमेला समाप्त। भद्रा दिन १०.०९ तक। मूल दिन/रात।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ फाल्गुन कृष्ण पक्ष (बदी)
दिनांक १७ फरवरी से २ मार्च २०२२ तक

सूर्य उत्तरायण — शिशिर ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१७/०२ गुरु	प्रतिपदा रात १०.४१	मघा* सायं ४.०८	सिंह दिन/रात	मूल सायं ४.०८ तक।
१८/०२ शुक्र	द्वितीया रात १०.३०	पूर्वाफाल्गुनी सायं ४.३९	कन्या रात १०.४४	----
१९/०२ शनि	तृतीया रात ९.५७	उत्तराफाल्गुनी सायं ४.४९	कन्या दिन/रात	भद्रा दिन १०.१६ से रात ९.५७ तक।
२०/०२ रवि	चतुर्थी रात ९.०६	हस्त सायं ४.४०	तुला सायं ४.२९	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत।
२१/०२ सोम	पंचमी रात ७.५८	चित्रा सायं ४.१४	तुला दिन/रात	----
२२/०२ मंगल	षष्ठी सायं ६.३५	स्वाती दोप. ३.३४	तुला दिन/रात	गुरु का तारा अस्त रात १२.१७ से। भद्रा सायं ६.३५ से रात ५.४८ तक।
२३/०२ बुध	सप्तमी सायं ४.५७	विशाखा दोप. २.३८	वृश्चिक दिन ८.५३	श्री नाथजी पाटोत्सव (नाथद्वारा)।
२४/०२ गुरु	अष्टमी दोप. ३.०४	अनुराधा दोप. १.२८	वृश्चिक दिन/रात	जानकी जयन्ती। कालाष्टमी। सीताष्टमी। मूल दोपहर १.२८ से।
२५/०२ शुक्र	नवमी दोप.१२.५८	ज्येष्ठा* दोप.१२.०५	धनु दोप.१२.०५	समर्थ गुरुरामदास जयन्ती। भद्रा रात ११.५० से। मूल दिन/रात।
२६/०२ शनि	दशमी दिन १०.४०	मूला* दिन १०.३०	धनु दिन/रात	विजया एकादशी व्रत (स्मार्त)। भद्रा दिन १०.४० तक। मूल दिन १०.३० तक।
२७/०२ रवि	एकादशी/ द्वादशी दिन ८.१३/ रात ५.४३	पूर्वाषाढ़ा दिन ८.४६	मकर दोप. २.२०	विजया एकादशी व्रत (वैष्णव)। तिथि क्षय।
२८/०२ सोम	त्रयोदशी रात ३.१६	उत्तराषाढ़ा/ श्रवण प्रातः७.००/ रात ५.१७	मकर दिन/रात	प्रदोष व्रत। भद्रा रात ३.१६ से।
०१/०३ मंगल	चतुर्दशी रात १.०१	धनिष्ठा रात ३.४६	कुम्भ सायं ४.२९	महाशिवरात्रि व्रत। भद्रा दोपहर २.०७ तक। पंचक सायं ४.२९ से।
०२/०३ बुध	अमावस्या रात ११.०५	शतभिषा रात २.३५	कुम्भ दिन/रात	स्नानादि की दर्श अमावस्या। पंचक।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ फाल्गुन शुक्ल पक्ष (सुदी)

सूर्य उत्तरायण — दिनांक ३ मार्च से १८ मार्च २०२२ तक — शिशिर ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है — बसंत ऋतु १४ मार्च से

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०३/०३ गुरु	प्रतिपदा रात ९.३७	पूर्वाभाद्रपद रात १.५४	मीन रात ८.०१	पंचक।
०४/०३ शुक्र	द्वितीया रात ८.४५	उत्तराभाद्रपद रात १.४९	मीन दिन/रात	फूलरिया दूज। रामकृष्ण परमहंस जयन्ती। चन्द्रदर्शन। पंचक। मूल रात १.४९ से।
०५/०३ शनि	तृतीया रात ८.३६	रेवती* रात २.२७	मेष रात २.२७	पंचक रात २.२७ तक। मूल दिन/रात।
०६/०३ रवि	चतुर्थी रात ९.१३	अश्विनी* रात ३.४८	मेष दिन/रात	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। मूल रात ३.४८ तक। भद्रा दिन ८.४९ से रा९.१३ तक।
०७/०३ सोम	पंचमी रात १०.३३	भरणी रात ५.५२	मेष दिन/रात	---
०८/०३ मंगल	षष्ठी रात १२.३२	कृतिका दिन/रात	वृषभ दोप.१२.२८	गोरुपिणी षष्ठी (बंगाल)।
०९/०३ बुध	सप्तमी रात २.५७	कृतिका दिन ८.२९	वृषभ दिन/रात	कामदा सप्तमी। सूर्य सप्तमी। भद्रा रात २.५७ से।
१०/०३ गुरु	अष्टमी रात ५.३५	रोहिणी दोप.११.२७	मिथुन रात १.००	श्री दुर्गाष्टमी। होलाष्टक प्रारम्भ। अन्नपूर्णा अष्टमी। भद्रा सायं ४.१५ तक।
११/०३ शुक्र	नवमी दिन/रात	मृगशिरा दोप. २.३३	मिथुन दिन/रात	---
१२/०३ शनि	नवमी दिन ८.०८	आर्द्रा सायं ५.२९	मिथुन दिन/रात	खरमास (मीन) आरम्भ १४.०३.२०२१ से। तिथि वृद्धि। मीन की संक्रान्ति १५.०३.२०२१।
१३/०३ रवि	दशमी दिन १०.२२	पुनर्वसू रात ८.०३	कर्क दोप. १.२७	भद्रा रात ११.१९ से।
१४/०३ सोम	एकादशी दोप.१२.०६	पुष्य रात १०.०५	कर्क दिन/रात	आमलकी (रंगभरी) एकादशी व्रत। भद्रा दोपहर १२.०६ तक। मूल रात १०.०५ से।
१५/०३ मंगल	द्वादशी दोप. १.१३	आश्लेषा* रात ११.३०	सिंह रात ११.३०	गोविन्द द्वादशी। खाटू श्यामजी का मेला। श्री श्याम ज्योत। प्रदोष व्रत। मूल दिन/रात।
१६/०३ बुध	त्रयोदशी दोप. १.४०	मघा* रात १२.१८	सिंह दिन/रात	मूल रात १२.१८ तक।
१७/०३ गुरु	चतुर्दशी दोप. १.३०	पूर्वाफाल्गुनी रात १२.३२	सिंह दिन/रात	होलिकादहन रात १.१३ के बाद। भद्रा दोपहर १.३० से रात १.१३ तक।
१८/०३ शुक्र	पूर्णिमा दोप.१२.४८	उत्तराफाल्गुनी रात १२.१५	कन्या दिन ६.३०	धुलण्डी। बसन्तोत्सव। स्नानादि की पूर्णिमा।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

संवत् २०७८ चैत्र कृष्ण पक्ष (बदी)
दिनांक १९ मार्च से १ अप्रैल २०२२ तक

सूर्य उत्तरायण — बसंत ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक व वार	तिथि	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश समय से	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१९/०३ शनि	प्रतिपदा दोप.११.३८	हस्त रात ११.३५	कन्या दिन/रात	---
२०/०३ रवि	द्वितीया दिन १०.०७	चित्रा रात १०.३८	तुला दिन ११.०८	सूरज रोटा व्रत। संत तुकाराम जयन्ती। भद्रा रात ९.१५ से।
२१/०३ सोम	तृतीया दिन ८.२१	स्वाती रात ९.२८	तुला दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत। आसमाता व्रत। भद्रा दिन ८.२१ तक।
२२/०३ मंगल	चतुर्थी/पंचमी प्रातः६.२५/ रात ४.२२	विशाखा रात ८.११	वृश्चिक दोप. २.३१	गुरु का तारा उदय सायं ७.३८ से। तिथि क्षय। रंग पंचमी।
२३/०३ बुध	षष्ठी रात २.१७	अनुराधा सायं ६.५०	वृश्चिक दिन/रात	एकनाथ षष्ठी। भद्रा रात २.१७ से। मूल सायं ६.५० से।
२४/०३ गुरु	सप्तमी रात १०.१०	ज्येष्ठा* सायं ५.२७	धनु सायं ५.२७	शीतला सप्तमी। भद्रा दोपहर १.१३ तक। मूल दिन/रात।
२५/०३ शुक्र	अष्टमी रात १०.०५	मूला* सायं ४.०५	धनु दिन/रात	शीतलाष्टमी। बासोड़ा। मूल सायं ४.०५ तक।
२६/०३ शनि	नवमी रात १०.०२	पूर्वाषाढ़ा दोप. २.४५	मकर रात ८.२६	---
२७/०३ रवि	दशमी सायं ६.०५	उत्तराषाढ़ा दोप. १.३०	मकर दिन/रात	भद्रा दिन ७.०२ से सायं ६.०५ तक।
२८/०३ सोम	एकादशी सायं ४.१६	श्रवण दोप.१२.२२	कुम्भ रात ११.५२	पापमोचिनी एकादशी व्रत। पंचक रात ११.५२ से।
२९/०३ मंगल	द्वादशी दोप. २.३९	धनिष्ठा दिन ११.२६	कुम्भ दिन/रात	भौम प्रदोष व्रत। पंचक।
३०/०३ बुध	त्रयोदशी दोप. १.२०	शतभिषा दिन १०.४६	मीन रात ४.३०	मास शिवरात्रि व्रत। रंग तेरस। पंचक। भद्रा दोपहर १.२० से रात १२.४८ तक।
३१/०३ गुरु	चतुर्दशी दोप.१२.२३	पूर्वाभाद्रपद दिन १०.२८	मीन दिन/रात	पंचक।
०१/०४ शुक्र	अमावस्या दोप.११.५४	उत्तराभाद्रपद दिन १०.३७	मीन दिन/रात	सम्वत् २०७८ समाप्त। स्नानादि की दर्श अमावस्या। पंचक।

चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ-४१ देखें। (★) यह सारे मूल नक्षत्र हैं। ★ग्रहण समय हेतु पृष्ठ-०६ देखें।

हरे मनसा हरे मनसा, मनसा मनसा हरे हरे। भजो मनसा रटो मनसा, मनसा मनसा हरे हरे।।

Pooja
FANCY SHIRTING & SAREES

POOJA SAREES
POOJA SHIRTINGS

Authorised Wholesale Distributors :

KRISHNA ENTERPRISES

Ramaiya Bhawan Lane, 1st Floor,
Behind Mangal Bhawan, P.O. Rourkela - 769001 (Odisha)

Mobile No. : Ramesh Modi - 9437043287
Rahul Modi - 9861244600
Gaurav Modi - 9040556755

We deal in all types of Cotton Sarees, Synthetics Sarees, Suitings &Shirting, Blouse Pieces, Rubia, Astor, and all School, College Industrial Uniform clothes.

वृश्चिक राशि (Scorpio) : तो ना नी नू ने नो या यी यू

शनि देव आपके तीसरे भाव में साल भर विराजमान रहेंगे। साथ ही राहु-केतु भी वर्ष भर आपके क्रमशः सप्तम और प्रथम भाव को प्रभावित करेंगे। इसके साथ ही मंगल, शुक्र, बुध, गुरु बृहस्पति और सूर्य देव भी आपको वर्ष २०२१ में अलग-अलग तरीके से प्रभावित करते नजर आएँगे। व्यापार कर रहे जातकों को, किसी यात्रा से लाभ होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी, लेकिन अचानक से खर्चे बढ़ने से आपको परेशानी हो सकती है। परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अच्छे परिणाम मिलेंगे। इस साल आपको पारिवारिक सुख मिलेगा।

धनु राशि (Sagittarius) : ये यो भा भी भू ध फ ढ़ भे

साल भर शनि आपके चतुर्थ भाव को दृष्टि करते हुए, आपके द्वितीय भाव में विराजमान रहेंगे। इसके साथ ही छाया ग्रह केतु, आपके द्वादश भाव में और राहु आपके छठे भाव को प्रभावित करेंगे। शुरुआत में गुरु बृहस्पति भी आपकी राशि के द्वितीय भाव में होते हुए, शनि के साथ युक्ति बनाएँगे। मंगल ग्रह आपके पंचम और छठे भाव से होते हुए अप्रैल के मध्य में राशि के सप्तम भाव में गोचर करेंगे। व्यापार कर रहे जातकों के लिए भी यह वर्ष अच्छा रहने वाला है। छात्रों को इस वर्ष शिक्षा में कामयाबी मिलेगी। साथ ही विदेश जाकर पढ़ाई करने का अवसर भी प्राप्त होगा। छोटे भाई-बहन आपका सहयोग करते दिखाई देंगे। वैवाहिक जातकों में जीवन साथी का स्वास्थ्य खराब होने से, उनके जीवन में तनाव की वृद्धि होगी लेकिन संतान के प्रति इस वर्ष आप अधिक सतर्कता दिखाते नजर आएँगे।

संवत् २०७८ सन् २०२१-२२ के विविध मुहूर्त्त

प्रसूतिका स्नान मुहूर्त्त

मार्च	२६, २९, ३१	जून	१६, ३०	अक्टूबर	१८
अप्रैल	९, २६	जुलाई	२	नवम्बर	३, १९
मई	५, १२, १९, २४, ३१	अगस्त	१३, ३०	दिसम्बर	१

गृहारम्भ (भूमि पूजन) मुहूर्त्त

अप्रैल	२९	जुलाई	१७, २६, २९, ३१	नवम्बर	१, १०, ११, २२, २९
मई	३, ५, ८, १५, २१, २२,	अगस्त	४, ११, १३, १४, २३	दिसम्बर	१, १३
	२४, २६	सितम्बर	१, ३, ४, ९	जनवरी	२४
जून	२, ४, ५	अक्टूबर	१८, २५, २७, २८, २९	फरवरी	२, ५, ७, १४, १९

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्त

अप्रैल	२९	जून	४, ५, ११	जनवरी	२२, २४
मई	३, ५, ८, १५, २१,	नवम्बर	२०, २२, २४, २५, २९	फरवरी	३, ५, ७, १०,
	२२, २६	दिसम्बर	१, ९, १०, १३		१४, १९

जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त्त

अप्रैल	१९, २९	अगस्त	४, ११, १२, १३, १४, २०	जनवरी	२२, २४
मई	३, ५, ८, १५, २१,	अक्टूबर	१८, २०, २१, २५, २७,	फरवरी	३, ५, ७, १०, १४,
	२२, २४, २६		२८, २९		१९, २१, २३,
जून	४, ५, ११	नवम्बर	१, १३, २०, २२, २४,		२४, २८
जुलाई	१७, २४, २६, २८,		२५, २९	मार्च	४, ५, ९
	२९, ३०, ३१	दिसम्बर	१, ९, १०, १३		

विपणी (व्यापार) मुहूर्त्त

अप्रैल	२४, २५, २६	अक्टूबर	१८, २०, २१, २५, २८, २९
मई	२, ३, ८, १५, २१, २२, २३, २६, ३०	नवम्बर	१, २०, २१, २२, २५, २९
जून	४, ५, ६, २०, २६	दिसम्बर	१, १३
जुलाई	१, २, ४, ११, १७, २४, २८, २९, ३०, ३१	जनवरी	२२, २३, २४
अगस्त	४, ११, १३, १४, २०, ३०	फरवरी	६, ७, १०, १९
सितम्बर	१, ४, ८, ९		

वाहन क्रय मुहूर्त्त

अप्रैल	२४, २५	सितम्बर	१, ३
मई	१, २, ६, १४, १६, १९, २२, २३,	अक्टूबर	८, ११, १८, २०, २१, २५, २७, २८
	२४, २६, ३०,	नवम्बर	१, १३, २०, २२, २५, २९
जून	४, ५, ६, १३, १७, २०, २१, २६, ३०	दिसम्बर	५, ९, ११, १३
जुलाई	१, ४, ११, १७, २२, २४, २५, २६, २९	जनवरी	२३, २४
अगस्त	१३, १४, २०, २२, २३, ३०	फरवरी	३, ५, ६, ७, १०, १४, १८

यात्रा सम्बन्धित कुछ उपयोगी सुझाव

यात्रा का मुहूर्त्त निर्धारण करते समय दिशा शूल, योगिनी वास, काल राहु वास, भद्रा, शुभ तिथि, शुभ नक्षत्र व श्रेष्ठ चौघड़िया आदि पर विचार कर लेना चाहिए।

शुभ नक्षत्र : अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसू, पुष्य, हस्त, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती।
मध्यम नक्षत्र : रोहिणी, उत्तरा तीनों, पूर्वा तीनों, मूला, आश्लेषा, शतभिषा।
वर्जित नक्षत्र : भरणी, कृतिका, आर्द्रा, मघा, चित्रा, स्वाति, विसाखा, ज्येष्ठा।
मूल नक्षत्र : अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल, रेवती।
श्रेष्ठ चौघड़िया : अमृत, लाभ, शुभ, चर।
शुभ तिथि : **शुक्लपक्ष** - २, ३, ५, ७, १०, ११, १३। **कृष्णपक्ष** - १ ।

जिस ओर दिशा शूल हो उस ओर यात्रा वर्जित है

पूरब	सोमवार, शनिवार	अग्नि कोण	(दक्षिण-पूर्व)	सोमवार, गुरुवार
दक्षिण	गुरुवार	नैऋत्य कोण	(दक्षिण-पश्चिम)	रविवार, शुक्रवार
पश्चिम	शुक्रवार, रविवार	वायव्य कोण	(उत्तर-पश्चिम)	मंगलवार
उत्तर	मंगलवार, बुधवार	ईशान कोण	(उत्तर-पूर्व)	बुधवार, शनिवार

यदि विशेष कारणवश यात्रा करनी पड़े तो दिशा शूल दोष निवारण हेतू निम्नलिखित वस्तुओं को खाकर और धारण कर यात्रा करें।

वार	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
खाकर	पान, घी	दर्पण★	गुड़	तिल, धनिया	दही	जौ, राई	काली मिर्च
★ *दर्पण देखकर यात्रा प्रारंभ करें।*							

चन्द्रवास चक्रम्

दिशा	पूरब	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
चन्द्रराशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
चन्द्रराशि	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
चन्द्रराशि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन

यात्रा में चन्द्रमा यदि सामनें हो तो धनप्राप्ति, दाहिने हो तो सुख-सम्पत्ति, बाएं हो तो धन की हानि एवं पीठ की तरफ हो तो शारीरिक कष्ट प्रदान करते हैं। अतः यात्रा करने से पूर्व चन्द्रवास का विचार कर लेना चाहिए।

योगिनीवास चक्रम्

दिशा	पूर्व	अग्नि कोण	दक्षिण	नैऋत्य कोण	पश्चिम	वायव्य कोण	उत्तर	ईशान कोण
तिथि	प्रतिपदा	तृतीया	पंचमी	चतुर्थी	षष्ठी	सप्तमी	द्वितीया	अष्टमी
	नवमी	एकादशी	त्रयोदशी	द्वादशी	चतुर्दशी	अमावस्या	दशमी	पूर्णिमा

योगिनी सम्मुखे द्यूते गमे युद्धे च मृत्युदा । अशुभा वाम भागस्था पृष्ठे दक्षे जय प्रदा।।

राहु काल चक्रम्

राहु काल में मांगलिक कार्य, यात्रा आदि निषेध है

वार	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
समय	सुबह ०७.३० से ०९.०० तक	शाम ०३.०० से ०४.३० तक	दिन में १२.०० से ०१.३० तक	दिन में ०१.३० से ०३.०० तक	दिन में १०.३० से १२.०० तक	सुबह ०९.०० १०.३० तक	शाम ०४.३० से ०६.०० तक

संवत् २०७८ में शनि की साढ़े साती एवं ढ़ैया

शनि ग्रह प्रत्येक राशि में लगभग ३० माह (ढ़ाई वर्ष)) रहते हैं। जन्म कुण्डली में चन्द्रमा जिस राशि में होता है, उस राशि की पहली व चन्द्रराशि व अगली तीन राशियों में जब तक शनि रहता है, उस साढ़े सात वर्ष को साढ़े साती कहा जाता है।

सम्वत् २०७८ (सन् २०२१-२२) में शनि मकर राशि में रहेंगे। यह २०७९ के २९ अप्रैल २०२२ तक शनि मकर राशि में रहेगा। फिर कुम्भ राशि में प्रवेश करेगा। धनु राशिवालों को पैर में, मकर राशिवालों को पेट में, कुम्भ राशिवालों को सिर पर साढ़े साती का प्रभाव रहता है। मिथुन व तुला राशिवालों को शनि की साढ़े ढ़ैया का प्रभाव रहेगा। ढ़ैया भी अशुभ प्रभाव छोड़ती है। जिनके शनि की साढ़ेसाती चल रही हो उनको आठ दिन तक लगातार रात को सोते समय कांसे की कटोरी में तेल डालकर अपने सिराहने रखकर रोज सवेरे अपने शरीर व नाखून की छाया देखकर शनि मंदिर में दान कर देवें तथा एक साल में ३ बार शनि के दान जरुर करें। साढ़ेसात साल में ९ बार दान करें।

जिन राशिवालों को शनि की साढ़े साती या अढ़ैया अनिष्टकारक हो, उन्हें सुन्दरकाण्ड, श्री हनुमान चालीसा एवं रामायण का पाठ, शनिवार को पीपल की जड़ में प्रातः जलदान, सायं दीपदान, हनुमान जी की आराधना तथा काले घोड़े के नाल की अथवा चलती नाव की कील की अंगूठी शनिवार को बिना तपाए बनाकर धारण करनी चाहिए एवं किसी ज्योतिषी की सलाह से ५ रत्ती का नीलम रत्न सोने में बनाकर धारण करने के साथ शनिवार का व्रत, शनि का दान व जप, काली गाय का दान, काले कुत्ते को मीठा गुलगुला खिलाने से एवं शनिवार को शमी की लकड़ी से हवन करने से दुष्प्रभावों में कमी आएगी एवं यथोचित लाभ मिलेगा।

जन्म राशि के गोचर से शनि	मेष १	वृश्चिक ६	मिथुन ११(घ)	स्वर्णपाद फल : श्रम-संघर्ष
जन्म राशि के गोचर से शनि	मीन २	धनु ५	सिंह ९ (ख)	रजतपाद फल : लाभ-सफलता
जन्म राशि के गोचर से शनि	कुम्भ ३ (घ)	तुला ७ (ग)	कर्क १०	ताम्रपाद फल : सुख प्राप्ति
जन्म राशि के गोचर से शनि	मकर ४	कन्या ८ (क)	वृष १२	लौहपाद फल : चिन्ता कलह
(क) हृदय पर चढ़ती ढ़ैया, (ख) पैर पर उतरती ढ़ैया, (ग) सिर पर चढ़ती ढ़ैया, (घ) लघु कल्याणी ढ़ैया				

कोलकाता के समय से विभिन्न स्थानों के समय में निम्नलिखित अन्तर है

सम्पूर्ण भारत वर्ष में एक ही समय (IST) भारतीय मानक समय लागु है। फिर भी भारत एक विशाल देश होने के कारण विभिन्न स्थानों पर स्थानीय समय में अन्तर हो जाता है।

कोलकाता से	मिनट/सेकेण्ड	कोलकाता से	मिनट/सेकेण्ड	कोलकाता से	मिनट/सेकेण्ड
मुम्बई	(-) ६२.०६	बहराइच	(-) २६.५६	बीकानेर	(-) ६०.०२
चैन्नई	(-) ३२.२०	दिल्ली	(-) ४४.४८	भिवानी	(-) ४९.०४
गुवाहाटी	(+) १३.२४	इन्दौर	(-) ५०.१६	पटना	(-) १२.४४
हैदराबाद	(-) ३९.३६	वाराणसी	(-) २१.३६	अहमदाबाद	(-) ६२.०४
भागलपुर	(-) ०५.४०	जयपुर	(-) ५०.०८	कानपुर	(-) ३२.००
भुवनेश्वर	(-) ०६.१२	जोधपुर	(-) ६१.२०	रायपुर	(-) २६.५२

नोट : (-) ऋण (घटाने) का तथा (+) धन (जोड़ने) का चिन्ह है।

चौघड़िया मुहूर्त्त

प्रातः ६.०० बजे सूर्योदय तथा सायं ६.०० बजे सूर्यास्त को स्टैण्डर्ड मानकर चौघड़िया मुहूर्त फलित किया गया है। आप अपने स्थान के सूर्योदय - सूर्योस्त के समय अनुसार इनमें घंटा-मिनट जोड़कर स्थानीय चौघड़िया मुहूर्त निश्चित कर सकते हैं। सामान्यतः एक चौघड़िया का मान १.३० घंटा होता है।

दिन का चौघड़िया सूर्योदय से सूर्यास्त तक

चौघड़िया	समय	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम	०६.०० से ०७.३०	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
द्वितीय	०७.३० से ०९.००	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
तृतीय	०९.०० से १०.३०	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
चतुर्थ	१०.३० से १२.००	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
पंचम्	१२.०० से ०१.३०	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
षष्ठम्	०१.३० से ०३.००	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
सप्तम्	०३.०० से ०४.३०	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
अष्टम्	०४.३० से ०६.००	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल

रात्री का चौघड़िया सूर्यास्त से सूर्योदय तक

चौघड़िया	समय	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम	०६.०० से ०७.३०	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
द्वितीय	०७.३० से ०९.००	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
तृतीय	०९.०० से १०.३०	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
चतुर्थ	१०.३० से १२.००	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
पंचम्	१२.०० से ०१.३०	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
षष्ठम्	०१.३० से ०३.००	लाभ	सुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
सप्तम्	०३.०० से ०४.३०	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
अष्टम्	०४.३० से ०६.००	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

हवन करने हेतु अग्नि वास जानने की विधि

शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से वर्तमान तिथि की गणना कर योग में एक जोड़ दें एवं रविवार से आरम्भ कर वार संख्या जोड़ दें तथा योगफल में चार से भाग दें यदि शेष शून्य बचे तो अग्नि पृथ्वी पर, एक बचे तो आकाश मण्डल में, दो बचे तो पाताल लोक में और यदि तीन शेष बचे तो पृथ्वी पर जानें। पृथ्वी पर अग्नि वास होनें पर ही हवन यज्ञ श्रेष्ठ फलदायक होता है।

नोट : होमादि कार्य गृह प्रवेश इत्यादि के हवन में ही अग्निवास का विचार करना चाहिए परन्तु विवाह, जन्मदिन, यात्रा, पुत्रोत्पत्ति एवं दुर्गा जी के यज्ञादि कार्य में अग्निवास का विचार नहीं करना चाहिए।

संकष्टी श्री गणेश चौथ का विभिन्न स्थान में चन्द्रोदय समय

नीचे भारत के कुछ प्रमुख शहरों का संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी के चन्द्रमा के उदय का समय दिया जा रहा है।
इन स्थानों के समीप के लोग अपने स्थानीय समय के अन्तर के अनुसार कृपया समन्वय स्थापित कर लेवें।

स्थान	वैशाख ३०.४.२१	ज्येष्ठ २९.५.२१	आषाढ़ २७.६.२१	श्रावण २७.७.२१	भाद्रपद २५.८.२१	आश्विन २४.९.२१	कार्तिक २४.१०.२१	मार्गशीर्ष २३.११.२१	पौष २२.१२.२१	माघ २१.१.२२	फाल्गुन २०.२.२२	चैत्र २१.३.२२
अमृतसर	२३.०६	२२.५३	२२.१९	२२.०२	२१.००	२०.२६	२०.०९	२०.२७	२०.१४	२१.०६	२२.०२	२२.०२
उज्जैन	२२.४१	२२.२७	२१.५८	२१.५२	२०.५६	२०.३३	२०.२६	२०.४६	२०.३०	२१.११	२१.५४	२१.४६
कोलकाता	२१.४७	२१.३३	२१.०५	२१.००	२०.०५	१९.४२	१९.३५	१९.५५	१९.३९	२०.२०	२१.०१	२०.५३
इन्दौर	२२.३९	२२.२६	२१.५७	२१.५२	२०.५६	२०.३४	२०.२६	२०.४७	२०.३१	२१.१२	२१.५३	२१.४५
जयपुर	२२.५०	२२.३६	२२.०५	२१.५५	२०.५६	२०.२८	२०.१७	२०.३६	२०.२२	२१.०७	२१.५५	२१.५१
जोधपुर	२३.००	२२.४६	२२.१६	२२.०६	२१.०७	२०.४०	२०.३०	२०.४९	२०.३४	२१.२०	२२.०७	२२.०२
दिल्ली	२२.४८	२२.३५	२२.०३	२१.५०	२०.५०	२०.२०	२०.०७	२०.२६	२०.१२	२१.००	२१.५०	२१.४८
चैन्नई	२२.००	२१.४७	२१.२२	२१.२७	२०.३८	२०.२७	२०.२८	२०.५०	२०.३१	२१.०२	२१.३१	२१.१५
मुम्बई	२२.४३	२२.३०	२२.०३	२२.०१	२१.०९	२०.५०	२०.४७	२१.०८	२०.५१	२१.२७	२२.०४	२१.५३
वाराणसी	२२.१६	२२.०२	२१.३३	२१.२४	२०.२७	२०.०१	१९.५१	२०.११	१९.५५	२०.३९	२१.२५	२१.१९
बरेली	२२.३६	२२.२२	२१.५३	२१.४४	२०.४७	२०.२१	२०.११	२०.३१	२०.१५	२०.५९	२१.४५	२१.३९
हैदराबाद	२२.१६	२२.०३	२१.३७	२१.३७	२०.४५	२०.२९	२०.२७	२०.४९	२०.३०	२१.०५	२१.४०	२१.२७
बेंगालुरु	२२.१३	२१.५९	२१.३४	२१.३४	२०.४२	२०.२६	२०.२४	२०.४६	२०.२७	२१.०२	२१.३७	२१.२४
बीकानेर	२३.०३	२२.४९	२२.१८	२२.०६	२१.०६	२०.३७	२०.२५	२०.४४	२०.२९	२१.१७	२२.०६	२२.०३
भिवानी	२२.५३	२२.३९	२२.०८	२१.५५	२०.५४	२०.२४	२०.११	२०.३०	२०.१६	२१.०४	२१.५५	२१.५२
सिलीगुड़ी	२१.५६	२१.४३	२१.१३	२१.०३	२०.०४	१९.३७	१९.२६	१९.४५	१९.३०	२०.१५	२१.०२	२०.५८

संवत् २०७८ के सूर्यादि ग्रहों के राशि प्रवेश सारिणी

सूर्य राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
१४.०४.२०२१	मेष	रात ०२.३१
१४.०५.२०२१	वृषभ	रात ११.२३
१५.०६.२०२१	मिथुन	प्रातः ०५.२९
१६.०७.२०२१	कर्क	सायं ०४.५२
१६.०८.२०२१	सिंह	रात ०१.१६
१६.०९.२०२१	कन्या	रात ०१.१२
१७.१०.२०२१	तुला	दोपहर ०१.११
१६.११.२०२१	वृश्चिक	दोपहर ०१.०१
१५.१२.२०२१	धनु	रात ०३.४२
१४.०१.२०२२	मकर	दोपहर ०२.२८
१२.०२.२०२२	कुम्भ	रात ०३.२६
१४.०३.२०२२	मीन	रात १२.१५

मंगल राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
१३.०४.२०२१	मिथुन	रात ०१.१३
०२.०६.२०२१	कर्क	प्रातः ०६.५०
२०.०७.२०२१	सिंह	सायं ०५.५४
०५.०९.२०२१	कन्या	रात ०३.५७
२१.१०.२०२१	तुला	रात ०२.००
०५.१२.२०२१	वृश्चिक	प्रातः ०५.५७
१६.०१.२०२२	धनु	सायं ०४.३०
२६.०२.२०२२	मकर	दोपहर ०३.४९
०७.०४.२०२२	कुम्भ	दोपहर ०३.१६

बुध राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
३१.०३.२०२१	मीन	रात १२.४१
१६.०४.२०२१	मेष	रात ०८.५५
०१.०५.२०२१	वृषभ	प्रातः ०५.४०
२६.०५.२०२१	मिथुन	दिन ०८.५५
०२.०६.२०२१	वृषभ (वक्री)	रात ०२.१२
०७.०७.२०२१	मिथुन	दिन ११.०४
२५.०७.२०२१	कर्क	दिन ११.४०
०८.०८.२०२१	सिंह	रात ०१.३३
२६.०८.२०२१	कन्या	दिन ११.२०
२२.०९.२०२१	तुला	दिन ०८.१८
०१.१०.२०२१	कन्या (वक्री)	रात ०२.४५
०२.११.२०२१	तुला	दिन ०९.५१
२०.११.२०२१	वृश्चिक	रात ०४.५०
१०.१२.२०२१	धनु	प्रातः ०६.०५
२९.१२.२०२१	मकर	दिन ११.३२
०६.०३.२०२२	कुम्भ	दिन ११.१९
२४.०३.२०२२	मीन	दिन १०.५५

गुरु राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
०५.०४.२०२१	कुम्भ	रात १२.२५
१४.०९.२०२१	मकर	दोपहर ०२.३४
२०.११.२०२१	कुम्भ	रात ११.१५
१३.०४.२०२२	मीन	दोपहर ०३.४५

शुक्र राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
१०.०४.२०२१	मेष	दिन ०६.२८
०४.०५.२०२१	वृषभ	दोपहर ०१.२५
२८.०५.२०२१	मिथुन	रात ११.५९
२२.०६.२०२१	कर्क	दोपहर ०२.२०
१७.०७.२०२१	सिंह	दिन ०९.२५
११.०८.२०२१	कन्या	दोपहर ११.३२
०५.०९.२०२१	तुला	रात १२.५०
०२.१०.२०२१	वृश्चिक	दिन ०९.४६
३०.१०.२०२१	धनु	दोपहर ०४.१०
०८.१२.२०२१	मकर	दोपहर ०२.०४
३०.१२.२०२१	धनु (वक्री)	दिन ०७.५५
२७.०२.२०२२	मकर	दिन १०.१४
३१.०३.२०२२	कुम्भ	दिन ०८.३८
२७.०४.२०२२	मीन	सायं ०६.१६

शनि राशि प्रवेश

पूरे संवत् मकर राशि में रहेगा।

राहू राशि प्रवेश

पूरे संवत् वृषभ राशि में रहेगा।

With best compliments from:

RAMAVTAR GOENKA

HON. CONSUL OF THE REPUBLIC OF KENYA

M/s. Indian Products Trading Co Pvt Ltd

ISO 9001:2008

Govt. of India Recognised Export House
EXPORTER OF INDUSTRIAL CHEMICAL / ENGINEERING GOODS / DUPLEX BOARD PAPERS / HYBRID SEEDS

73, MAKER CHAMBERS VI, 7TH FLOOR
NARIMAN POINT, MUMBAI - 400021
Tel. : +91-22-22029022 / 22029130 / 22027370
Fax : +91-22-22850352 ; E-mail : keynaconsulate@hotmail.com
Website : www.iptcindia.com

मकर राशि (Capricorn) : भो जा जी खी खू खे खो गा गी

आपके राशि स्वामी शनि आपकी ही राशि में इस पूरे वर्ष विराजमान होंगे। साथ ही गुरु बृहस्पति भी शुरुआत में आपकी ही राशि में विराजमान होते हुए, शनि के साथ युक्ति बनाएँगे और फिर आपके द्वितीय भाव में प्रस्थान कर जाएंगे। वहीं राहु आपके पंचम भाव में और केतु आपके एकादश भाव में गोचर करेंगे। इस वर्ष मंगल आपके चतुर्थ भाव से होते हुए, आपके अलग-अलग भावों को प्रभावित करेगा। व्यापारियों के लिए भी यह साल विशेष शुभ रहने वाला है। आर्थिक जीवन में शुरुआती कुछ महीनों में परेशानी आएँगी, लेकिन बाद में धन की आवाजाही आपकी आर्थिक तंगी को दूर करेगी। विद्यार्थियों को अच्छे फलों की प्राप्ति होगी, उन्हें अपने सभी विषय को समझने में मदद मिलेगी। इस दौरान घर में खुशी का अभाव नजर आएगा। स्वास्थ्य के लिहाज से भी, यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहने वाला है।

With best compliments from:

Smt. Maya Devi Goyal
Shri Devraj Goyal
Shri Ankur Goyal

Shree Bajrang Textile

3 Choudhary Market,

Ashok Raj Path, Patna 800001

Heritage Board Ltd.
Salasar Agropanel Pvt. Ltd.

306 Iscon Mall | Above Star India Bazaar

Nr. Jodhpur Cross Road | Sattelite | Ahmedabad-380015

Mobile : +91 9377351000, +91 9341558989

कुम्भ राशि (Aquarius) : गू गे गो सा सी सू से सो दा

वर्ष भर आपकी राशि से द्वादश भाव में शनि विराजमान रहेंगे। इसके साथ ही गुरु बृहस्पति भी, अप्रैल तक आपकी ही राशि में रहेंगे और उसके बाद आपके द्वादश भाव में गोचर करते हुए शनि के साथ युक्ति बनाएँगे। वहीं राहु आपके चतुर्थ भाव में और केतु दशम भाव को प्रभावित करेंगे। शुक्रदेव महीने की शुरुआत में आपके ग्यारहवें भाव में होंगे और आपकी इच्छाओं को पूरा करेंगे। कैरियर के लिए यह साल अच्छा नहीं रहेगा। व्यापार करने वाले जातकों को कार्यक्षेत्र के संबंध में किसी यात्रा पर जाने का मौका मिलेगा। छात्रों के लिए समय अच्छा है, उन्हें अपनी मेहनत अनुसार फल की प्राप्ति होगी। इस वर्ष स्वास्थ्य जीवन कुछ कमजोर रह सकता है। गैस, एसिडिटी, जोड़ों में दर्द, सर्दी, जुकाम जैसी समस्याओं से खुद को बचाकर चलें।

संवत् २०७८ के ग्रहों के वक्री-मार्गी सारिणी

बुध

दिनांक	वक्री/मार्गी	घंटा मिनट
३०.०५.२०२१	वक्री	प्रातः ०४.०३
२२.०६.२०२१	मार्गी	रात ०३.३०
२७.०९.२०२१	वक्री	दिन १०.३९
१८.१०.२०२१	मार्गी	रात ०८.४६
१४.०१.२०२२	वक्री	सायं ०५.१०
०४.०२.२०२२	मार्गी	दिन ०९.४३

गुरु

दिनांक	वक्री/मार्गी	घंटा मिनट
२०.०६.२०२१	वक्री	रात ०८.३६
१८.१०.२०२१	मार्गी	दिन ११.०१

शुक्र

दिनांक	वक्री/मार्गी	घंटा मिनट
१९.१२.२०२१	वक्री	सायं ०४.०६
२९.०१.२०२२	मार्गी	दोपहर ०२.१७

शनि

दिनांक	वक्री/मार्गी	घंटा मिनट
२३.०५.२०२१	वक्री	दोपहर ०२.५०
११.१०.२०२१	मार्गी	दिन ०७.४८

संवत् २०७८ के ग्रहों के उदय-अस्त सारिणी

मंगल

दिनांक	अ/उ दिशा	घंटा मिनट
१७.०८.२०२१	अस्त (पश्चिम)	सायं ०७.०२
२९.११.२०२१	उदय (पूर्व)	दिन ०६.०५

बुध

दिनांक	अ/उ दिशा	घंटा मिनट
३०.०४.२०२१	उदय (पश्चिम)	सायं ०७.०२
०२.०६.२०२१	अस्त (पश्चिम)	रात ०७.२३
२०.०६.२०२१	उदय (पूर्व)	रात ०७.३०
२१.०७.२०२१	अस्त (पूर्व)	दिन ०५.०३
१५.०८.२०२१	उदय (पश्चिम)	दिन ०४.१७
०३.१०.२०२१	अस्त (पश्चिम)	सायं ०६.०७
१६.१०.२०२१	उदय (पूर्व)	दिन ०५.१४
०७.११.२०२१	अस्त (पूर्व)	दिन ०५.५३
२२.१२.२०२१	उदय (पश्चिम)	सायं ०५.२६
१७.०१.२०२२	अस्त (पश्चिम)	सायं ०५.४९
२९.०१.२०२२	उदय (पूर्व)	दिन ०५.४२
१९.०३.२०२२	अस्त (पूर्व)	रात ११.४९

गुरु

दिनांक	अ/उ दिशा	घंटा मिनट
२२.०२.२०२२	अस्त (पश्चिम)	रात १२.१७
२२.०३.२०२२	उदय (पूर्व)	सायं ०७.३८

शुक्र

दिनांक	अ/उ दिशा	घंटा मिनट
२०.०४.२०२१	उदय (पश्चिम)	दोप. ०१.५३
०५.०१.२०२२	अस्त (पश्चिम)	रात ११.३६
११.०१.२०२२	उदय (पूर्व)	सायं ०५.५८

शनि

दिनांक	अ/उ दिशा	घंटा मिनट
१९.०१.२०२२	अस्त (पश्चिम)	दिन ०७.१८
२१.०२.२०२२	उदय (पूर्व)	सायं ०६.११

ग्रहों के उदयास्त का समय भारत के २३° उत्तर अक्षांशीय स्थानों के आधार पर की गई है।

भद्रा विचार

भद्रा की उत्पत्ति : - देवताओं व असुरों के युद्ध काल में भगवान शंकर ने क्रोध भरी आंखों से उनके शरीर पर दृष्टिपात किया। उसी क्षण उनके शरीर से गधे के मुख, तीन पांव, सात हाथ, काला रंग, बड़े बड़े दांत, प्रेत का वाहन धारण करने वाली एवं मुख से अग्नि उगलती देवी का प्रादुर्भाव हुआ। उसने राक्षसों का अंत कर दिया इसी से प्रसन्न होकर देवगणों ने उसे सम्मान के स्वरूप 'विष्टि' भद्रादि संज्ञा से विभूषित कर करण में स्थापित कर दिया।

भद्रा का शुभाशुभ विचार :- भद्रा जिस समय रहती है उस काल में विवाह, मुण्डन, गृहारंभ, गृहप्रवेश, रक्षाबंधन, होलिका दहन आदि कार्य सर्वथा वर्जित है। परन्तु भद्रा काल में शत्रु का उच्चाटन, स्त्री प्रसंग, यज्ञ करना, स्नान करना, अस्त्र शस्त्र का प्रयोग, शल्यक्रिया, मुकदमा, अग्नि लगाना, किसी वस्तु को काटना, भैंस, ऊँट, घोड़ा क्रय-विक्रय संबंधी कार्य किये जा सकते है।

भद्रा का परिहार विचार

१. सामान्य परिस्थितियों में विवाह आदि शुभ कार्यों में भद्रा का त्याग ही करना चाहिए। अति आवश्यक स्थिति में भू लोक की भद्रा तथा भद्रा मुख को त्यागकर भद्रा पुच्छ में शुभ कार्य किये जा सकते हैं।

२. उत्तरार्द्ध की भद्रा दिन में एवं पूर्वार्द्ध की भद्रा रात्रि में हो तो शुभ मानी जाती है। अर्थात रात्रि की भद्रा दिन में एवं दिन की भद्रा रात्रि में हो ती भद्रा दोष रहित मानी जाती है।

३. भद्रा दोष, मंगल शनिवार जनित दोष, व्यतीपात, अष्टम भावस्थ एवं जन्म नक्षत्र दोष, मध्याह्न के पश्चात् शुभ कारक माने जाते हैं।

४. शुक्ल पक्ष भद्रा का नाम वृश्चिकी एवं कृष्ण पक्ष की भद्रा का नाम सर्पिणी है। विच्छु का विष डंक में तथा सर्प का विष मुख में होने के कारण वृश्चिकी भद्रा की पुच्छ तथा सर्पिणी भद्रा का मुख विशेषतः त्याज्य है।

भद्रा मुख व पुच्छ विचार

शुक्ल पक्ष की व कृष्ण पक्ष की तिथियों के विभिन्न प्रहरों की दी गई घटियों में भद्रा मुख एवं भद्रा पुच्छ का संकेत किया गया है।

पक्ष	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	शुक्ल	शुक्ल	शुक्ल	शुक्ल
तिथि	३	७	१०	१४	४	८	११	१५
प्रहर	८	३	६	१	५	२	७	४
मुखघटी	५	५	५	५	५	५	५	५
प्रहर	७	२	५	४	८	१	६	३
पुच्छघटी	३	३	३	३	३	३	३	३

नोट : प्रहर की गणना तिथि जहाँ से प्रारंभ हुई है वहीं से करें न कि सूर्योदय से।

मनसा माता लघु-पंचांग, बाइसवाँ पुष्प *के प्रकाशन एवं वितरण में जिन श्रद्धालुओं ने आर्थिक सहयोग दिया है उनके नाम क्रमशः इस प्रकार हैं -*

क्र. सं.	नाम	स्थान
०१	श्री आदर्श हमीरवासिया	बहराईच
०२	श्री सुशील/विवेक हमीरवासिया	बलरामपुर
०३	श्री अजय कुमार अग्रवाल	बलरामपुर
०४	श्री विष्णु अग्रवाल	बलरामपुर
०५	श्री चन्द्रप्रकाश अग्रवाल	बलरामपुर
०६	श्री सुरेश कुमार तुलसीयान	बलरामपुर
०७	श्री बाबूलाल अग्रवाल	बलरामपुर
०८	श्री हरिशंकर अग्रवाल	बलरामपुर
०९	श्री सतीश अग्रवाल	बलरामपुर
१०	श्री सुभाष चन्द्र अग्रवाल	बलरामपुर
११	श्री अनुप सिंह	बलरामपुर
१२	डॉ० आनन्द हमीरवासिया	नानपारा
१३	श्री आदेश हमीरवासिया	नानपारा
१४	सर्वश्री गणेशीलाल रामेश्वरदास	हरदोई
१५	श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल	हरदोई
१६	श्री केदारनाथ छापड़िया	उस्का बाजार
१७	श्री प्रेमशंकर अग्रवाल	लखीमपुर
१८	श्री सीताराम रूंगटा	आजमगढ़
१९	श्री ओमप्रकाश हमीरवासिया	तुलसीपुर
२०	श्री हरिकृष्ण हमीरवासिया	तुलसीपुर
२१	श्री कमल हमीरवासिया	तुलसीपुर
२२	श्री अशोक वर्द्धन हमीरवासिया	तुलसीपुर
२३	श्री अंकित हमीरवासिया	तुलसीपुर
२४	श्री हर्षवर्द्धन हमीरवासिया	तुलसीपुर
२५	श्री पुरुषोत्तम दास हमीरवासिया	तुलसीपुर
२६	श्री अनिल लाठ	तुलसीपुर
२७	श्री रामसेवक गुप्ता	तुलसीपुर
२८	सर्वश्री जिन्दल ट्रेडर्स	तुलसीपुर
२९	श्री रजनीश खण्डेलवाल	तुलसीपुर
३०	श्री सहज राम	तुलसीपुर
३१	श्री अशोक हमीरवासिया	तुलसीपुर
३२	श्री अनुराग अग्रवाल	तुलसीपुर
३३	सर्वश्री तुलसीपुर सुगर कम्पनी	तुलसीपुर
३४	श्री सत्यवर्द्धन हमीरवासिया	इकौनी
३५	श्री इन्द्रचन्द अग्रवाल	वाराणसी
३६	श्री कमल अग्रवाल	वाराणसी
३७	श्री रमेश सुल्तानिया	नैनी
३८	श्री कीर्तन विहारी मित्तल	दुदही
३९	श्री पवन गोयनका	गोरखपुर
४०	श्री सत्यनारायण नेवटिया	कानपुर
४१	डॉ. प्रदीप गुप्ता (ज्योतिष विशारद्)	कानपुर
४२	श्री पुरुषोत्तम लाल हमीरवासिया	रायपुर
४३	श्री विनोद हमीरवासिया	रायपुर
४४	श्री प्रहलाद राय चंगोईवाला	कोलकाता
४५	श्री धीरज गर्ग	कोलकाता
४६	सर्वश्री मारुति इन्टरप्राइजेस	कोलकाता
४७	श्री ओमप्रकाश बालासरिया	कोलकाता
४८	श्री रोहित हमीरवासिया	कोलकाता
४९	श्री संजय हमीरवासिया	कोलकाता
५०	श्री गौरीशंकर साबू	कोलकाता
५१	श्री आलोक हमीरवासिया	कोलकाता
५२	श्री राजमोहन माहेश्वरी	कोलकाता
५३	श्री किशन लाल व्यास	कोलकाता
५४	श्री राजेन्द्र प्रसाद कटारुका	कोलकाता
५५	श्री विनय सिंह पुगलिया	कोलकाता
५६	श्री राजीव कोठारी	कोलकाता
५७	श्री संतोष शाह	कोलकाता
५८	श्री हनुमान प्रसाद मित्तल	कोलकाता
५९	श्री केदारमल बंका चैरिटेबल ट्रस्ट	कोलकाता
६०	श्री आकाश अग्रवाल	कोलकाता
६१	श्री कमल पुगलिया	कोलकाता
६२	श्री विशम्भर दयाल सराफ	कोलकाता
६३	श्री घनश्यामदास हमीरवासिया	कोलकाता
६४	श्री अनिल कुमार हमीरवासिया	कोलकाता
६५	श्री अशोक कुमार हमीरवासिया	कोलकाता
६६	श्रीमती मधु बालासरिया	कोलकाता
६७	श्री रामअवतार हमीरवासिया	कोलकाता
६८	श्री प्रशांत बालासरिया	कोलकाता
६९	श्रीमती कलावती देवी मित्तल	कोलकाता
७०	श्री सूर्य प्रकाश मित्तल	कोलकाता
७१	श्री विष्णु कुमार अग्रवाल	सलकिया
७२	श्री नन्दलाल हमीरवासिया	बेलुड़
७३	श्री रोहिताश मित्तल	शिवपुर
७४	श्री गोपाल बगड़िया	शिवपुर
७५	श्री शंकर लाल अग्रवाल	काचरापाड़ा
७६	श्री कमल अग्रवाल	काचरापाड़ा
७७	श्री विश्वनाथ हमीरवासिया	झाड़ग्राम
७८	श्री ताराचन्द मित्तल	सिलीगुड़ी
७९	श्री संजय आनन्द मित्तल	सिलीगुड़ी
८०	श्री रमेश कुमार मित्तल	सिलीगुड़ी
८१	श्री मोहन लाल केजरीवाल	सिलीगुड़ी
८२	श्री संजय अग्रवाल	सिलीगुड़ी

क्र. सं.	नाम	स्थान
८३	श्री देवतराम बिसलानिया	सिलीगुड़ी
८४	श्री पवन कुमार मित्तल	बानरहाट
८५	श्री कैलाश अग्रवाल	बिनागुड़ी
८६	श्री अशोक कुमार गोयल	जयगाँव
८७	श्री जगदीश प्रसाद मित्तल	तिनसुकिया
८८	श्री दीपक मोदी	राउरकेला
८९	श्री प्रेमकुमार मोदी	राउरकेला
९०	श्री विश्वनाथ मोदी	राउरकेला
९१	श्री सुभाष कुमार मोदी	राउरकेला
९२	सर्वश्री पन्नालाल चतुर्भुज	राउरकेला
९३	श्री रमेश कुमार मोदी	राउरकेला
९४	श्री शंकर लाल मोदी	भुवनेश्वर
९५	श्री हरिश अग्रवाल	सोहेला
९६	श्री मनोज अग्रवाल	अहमदाबाद
९७	श्री विश्वनाथ बालासरिया	अहमदाबाद
९८	श्री संतोष बालासरिया	जामनगर
९९	श्री सुभाष बालासरिया	जामनगर
१००	श्री जगदीश हमीरवासिया	मुम्बई
१०१	श्री सत्यनारायण हमीरवासिया	मुम्बई
१०२	श्री कैलाश चन्द्र गुप्ता	मुम्बई
१०३	श्री सुरेश कुमार बालासरिया	मुम्बई
१०४	श्री गोपीराम हमीरवासिया	कल्याण
१०५	श्री सत्यनारायण अग्रवाल	नवी मुम्बई
१०६	श्री गोविन्द प्रसाद हमीरवासिया	बेंगालुरु
१०७	श्री शिव कुमार कोहलीवाल	काठमांडू
१०८	श्री प्रकाश सरिया	विरटामोड़
१०९	श्री ज्वाला प्रसाद बालासरिया	सिकंदराबाद
११०	श्री जयकिशन बालासरिया	हैदराबाद
१११	श्री दीपक मित्तल ताम्बाखेड़ीवाला	पटना
११२	श्री त्रिलोकचन्द मित्तल	पटना
११३	श्री किशन लाल मित्तल	पटना
११४	श्री मदनलाल अग्रवाल (सरसानिया)	पटना
११५	श्री पवन कुमार बजाज	पटना
११६	श्री सुरेश अग्रवाल घंघालावाले	पटना
११७	श्रीमती उषा देवी खेमका	समस्तीपुर
११८	श्री कैलाश प्रसाद हमीरवासिया	भागलपुर
११९	श्री अरुण कुमार केडिया	बखरीबाजार
१२०	श्री प्रमोद कुमार हमीरवासिया	खगड़िया
१२१	श्री योगेन्द्र प्रसाद मित्तल	सिवान
१२२	श्री सुशील कुमार भालोटिया	पूर्णिया
१२३	श्री गोविन्द गोयनका	गोपालगंज
१२४	श्री पवन बजाज	राँची
१२५	सर्वश्री श्रीनिवास सुनील कुमार	बाजपुर
१२६	सर्वश्री हरिहर स्टोन क्रेचर प्रा.लि.	बाजपुर
१२७	सर्वश्री मनसा स्टील्स	बाजपुर
१२८	श्री भोजराज गर्ग	बाजपुर
१२९	सर्वश्री उमाशक्ति स्टील्स प्रा. लि.	बाजपुर
१३०	सर्वश्री त्रिभुवन इस्पात प्रा. लि.	बाजपुर
१३१	सर्वश्री वी. ए. एलायस	बाजपुर
१३२	श्री श्यामसुन्दर अग्रवाल	बाजपुर
१३३	सर्वश्री दुर्गा सिलिकॉन कैमिकैल्स (इंडिया)	बाजपुर
१३४	श्री बालकिशन सिंघल, बजरंग राइस मिल	बाजपुर
१३५	श्री रमेश मित्तल, शिवशक्ति स्टोर	बाजपुर
१३६	सर्वश्री पी.एस.बी. पेपर्स लिमिटेड	बाजपुर
१३७	श्री राकेशपाल सिंह, दोराहा फिलिंग स्टेशन	बाजपुर
१३८	श्री हनुमानप्रसाद गर्ग,जी.एस.राइस मिल	किच्छा
१३९	श्री मदन गोपाल अग्रवाल	किच्छा
१४०	श्री राकेश कुमार गोयल	किच्छा
१४१	सर्वश्री भगवती पैडी प्रोडक्टस	रुद्रपुर
१४२	श्री मदनलाल अनिलकुमार मित्तल	दिल्ली
१४३	श्री अर्जुन मित्तल	दिल्ली
१४४	श्री महेन्द्रकुमार शिवकुमार मित्तल	दिल्ली
१४५	श्री प्रवीण कुमार हमीरवासिया	दिल्ली
१४६	श्री सत्यनारायण कोहलीवाल	दिल्ली
१४७	श्रीमती अलका गुप्ता(आधार प्रिपेटरी स्कूल)	दिल्ली
१४८	श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल	दिल्ली
१४९	श्री जितेन्द्र हमीरवासिया	दिल्ली
१५०	श्री विवेक अग्रवाल	दिल्ली
१५१	श्री शिवकुमार गोयल	दिल्ली
१५२	श्री सतीश कुमार	गिरिडीह
१५३	श्री कैलाश प्रसाद	चतरा
१५४	श्री संजय कुमार मोदी	पाकुड़
१५५	श्री नन्दकिशोर कोहलीवाला	आदमपुर
१५६	श्री रामनिवास कोहलीवाला	हिसार
१५७	श्री देवकी नन्दन अग्रवाल	हिसार
१५८	श्री महावीर प्रसाद लखानी	हिसार
१५९	श्रीमती वीणा टेकड़ीवाल	फरीदाबाद
१६०	श्री मधुसूदन बालासरिया	चंडीगढ़
१६१	श्रीमती कैलाशो देवी लम्बोरिया	होशियारपुर
१६२	श्री राजेन्द्र कुमार लम्बोरिया	सहावा
१६३	श्री पवन कुमार भरतिया	भिलवाड़ा
१६४	श्री लक्ष्मीनारायण मित्तल ताम्बाखेड़ीवाला	सादुलपुर
१६५	श्री भागीरथलाल सूर्यप्रकाश	सादुलपुर
१६६	श्री छबीलचन्द्र बैरासरिया	सादुलपुर
१६७	श्री घीसाराम बैरासरिया	सादुलपुर
१६८	श्री ओमप्रकाश ददरेवावाले	सादुलपुर
१६९	अंजनी ट्रेडिंग कम्पनी	सादुलपुर
१७०	श्री किशनलाल बंसल हरपालुवाले	सादुलपुर
१७१	श्री दईराम ओमप्रकाश हरपालुवाले	सादुलपुर
१७२	भूमि गम इण्डस्ट्रीज	सादुलपुर

क्र. सं.	नाम	स्थान	क्र. सं.	नाम	स्थान
१७३	श्री सुरेन्द्रकुमार मित्तल लम्बोरवाला	सादुलपुर	१७८	श्री कमल भगेरिया	जयपुर
१७४	श्री उमेश कुमार बदनगढ़िया	सादुलपुर	१७९	श्री सुरेश कुमार गोयल	रावतसर
१७५	श्री पुरुषोत्तम गोयल बैरासरिया	सादुलपुर	१८०	श्रीमती धापा देवी मित्तल	लम्बोर बड़ी
१७६	धान ट्रेडिंग कम्पनी	सादुलपुर	१८१	श्री पूरनचन्द मित्तल	लम्बोर बड़ी
१७७	श्री महेन्द्र कुमार सिद्धमुखिया	सादुलपुर	१८२	श्री पवन कुमार शर्मा	तुमली साँखन
१८३	श्री दीपक मिश्रा	चेन्नई			

विज्ञापन सहयोग

१	सर्वश्री विगवैम	होशियारपुर	१०	सर्वश्री डेको माइका लिमिटेड	अहमदाबाद
२	पंडित जितेन्द्र आचार्य	कोलकाता	११	श्री भानीराम सुरेका	कोलकाता
३	श्री वासुदेव गोयनका	मुम्बई	१२	सर्वश्री कृष्णा इन्टरप्राइजेज	राउरकेला
४	सर्वश्री इंटर स्टेट सप्लाई कम्पनी	कोलकाता	१३	सर्वश्री केशरवानी ट्रेवल्स	गोरखपुर
५	श्री बालाजी कन्सट्रक्शन कम्पनी	लखनऊ	१४	सर्वश्री इंडियन प्रोडक्टस ट्रेडिंग कं.प्रा.लि.	मुम्बई
६	सर्वश्री गोकुल डेवलॉपर्स एंड बिल्डर्सरा	राउरकेला	१५	सर्वश्री हेरिटेज वोर्ड लिमिटेड	अहमदाबाद
७	श्री मोहनलाल अग्रवाल	सिलीगुड़ी	१६	सर्वश्री लम्बोरिया सेल्स कारपोरेशन	न्यू दिल्ली
८	सर्वश्री निकिता एपेरल्स	कोलकाता	१७	सर्वश्री विमल साड़ी सेन्टर	काचरापाड़ा
९	सर्वश्री बलरामपुर चीनी मिल्स लि.	बलरामपुर	१८	सर्वश्री टोयो सेनेटरी वेयर्स प्रा.लि.	नोएडा
१९	सर्वश्री इंडियामार्ट इंटरमेश लिमिटेड	नोएडा			

उपरोक्त श्रद्धालुओं के हम हार्दिक आभारी हैं जिनके आर्थिक सहयोग से **'मनसा माता लघु पंचांग'** का प्रकाशन कर इसे हजारों घरों तक पहुँचाना सम्भव हो पाया है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में इससे भी बढ़कर सहयोग प्राप्त होगा जिससे **लघु पंचांग** को ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं तक पहुँचाकर **श्री श्री मनसा माताजी** की महिमा का प्रचार एवं प्रसार घर-घर में किया जा सकेगा।

जो श्रद्धालु भक्तगण इस महत् कार्य में सहयोग देने से वंचित रह गये हैं उनसे भी अनुरोध है कि वे भविष्य में अधिक से अधिक सहयोग देने तथा दिलाने की कोशिश करें।

लघु-पंचांग प्राप्ति हेतु उपरोक्त श्रद्धालुओं से भी संपर्क कर सकते हैं।

Account Name : **SRI MANASA MATA MANDIR SEVA TRUST**

-: OUR BANKERS :-

ICICI Bank, Salt Lake Branch, Kolkata
Savings Account No. 004205006965, IFS Code : ICIC0000042

Punjab National Bank, Rajgarh (Churu) Branch
Savings Account No. 0831000100227978, IFS Code : PUNB0083100

दिन-रात्रि व्यवस्था सूत्र

प्रातः संध्याकाल	: सूर्योदय से १ घंटा १२ मिनट तक।
सायं संध्याकाल	: सूर्यास्त से १ घंटा १२ मिनट तक।
प्रदोष वेला	: सूर्यास्त से २ घंटा २४ मिनट तक।
महानिशा या निषिथ	: अर्द्धरात्रि के मध्य के ४८ मिनट।
ब्रह्म मुहूर्त्त उपाकाल	: सूर्योदय से २ घंटा पहले।
अरुणोदय वेला	: सूर्योदय से १ घंटा १२ मिनट पहले।

होलाष्टक

होलाष्टक शब्द होली और अष्टक दो शब्दों से मिलकर बना है। इसका प्रारम्भ होलिका दहन से सात दिन पहले होता है। इन आठ दिनों में क्रमशः **अष्टमी को चन्द्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध, चतुर्दशी को मंगल तथा पूर्णिमा को राहु** उग्र रूप लिये माने जाते। इसलिए इन आठ दिनों में सभी शुभ कार्य निषेध माने गये हैं।

महत्वपूर्ण जानकारियाँ

- पूजा गृह में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्य प्रतिमा, तीन देवी प्रतिमा, दो गोमती चक्र और दो शालिग्राम का पूजन नह करना चाहिए। घर में ९ इंच (२२ सेंटीमीटर) से छोटी देव-प्रतिमा होनी चाहिए। इससे बड़ी प्रतिमा घर में शुभ नहीं होती है।
- परिक्रमा देवी की एक बार, सूर्य की सात बार, गणेश की तीन बार, विष्णु की चार बार तथा शिवजी की आधी परिक्रमा करनी चाहिए।
- आरती करते समय भगवान विष्णु के समक्ष बारह बार, सूर्य के समक्ष सात, दुर्गा के समक्ष नौ, शंकर के समक्ष ग्यारह एवं गणेश के समक्ष चार बार आरती घुमानी चाहिए।
- पूजा करते समय केवल भूमि पर न बैठे। आसन जरुर बिछावें।
- सोने के समय सदा पूर्व एवं दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोना चाहिए। प्रतिदिन माथे पर तिलक, चन्दन लगाकर कार्य के लिए घर से निकलना चाहिए।

महामृत्युञ्जय मंत्र

ॐ ह्रौं जूं सः ॐ भुर्भुवः स्वः ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
ऊर्व्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॐ स्वः भुवः भुः ॐ स जूः ह्रौं ॐ।

लघु पंचांग प्राप्ति स्थान

श्री सुशील हमीरवासिया	सर्वश्री हमीरवासिया ब्रदर्स	बलरामपुर	9415036016
श्री आदर्श हमीरवासिया	सर्वश्री हमीरवासिया एग्रो प्रा. ली.	वहराईच	7607676760
डॉ० आनन्द हमीरवासिया	सर्वश्री आलोक ट्रेडिंग कम्पनी	नानपारा	9415121647
श्री ओमप्रकाश हमीरवासिया	सर्वश्री सुखदेवदास नागरमल	तुलसीपुर	9415036108
श्री पवन गोयनका	सर्वश्री श्री बालाजी क्रियेशन्स	गोरखपुर	9450478461
श्री लक्ष्मीनारायण ताम्बाखेड़ीवाला	सर्वश्री लक्ष्मीनारायण चंद्रप्रकाश	सादुलपुर	8875260930
श्री पवन कुमार बजाज	सर्वश्री शाकम्भरी बिलडर्स प्रा. ली.	राँची	9431170403
श्री ओमप्रकाश बालासरिया	सर्वश्री श्री अम्बिका स्टोर्स	कोलकाता	9830469106
श्री श्रीनिवास मित्तल	सर्वश्री श्रीनिवास सुनील कुमार	बाजपुर	9411168835
श्री ईन्द्रचन्द अग्रवाल	सर्वश्री श्री सालासर इंटरनेशनल प्रा. ली.	कोलकाता	9748222108
श्री मोहनलाल अग्रवाल	सर्वश्री मनीप मोहनलाल अग्रवाल एण्ड कं.	सिलीगुड़ी	9800007460
श्री नन्दकिशोर कोहलीवाला	सर्वश्री शक्ति विल्डर्स	आदमपुर मंडी	9466480360

With best compliments from

Ashok Goyal (Lamboria)

Mob: 9811062691 / 7011860201

Lamboria Sales Corporation

3796/13 Gali Lohe Wali,
Chawri Bazar, Delhi 110006

Shree Balaji International

3642-43/8 Gali Lohe Wali,
Chawri Bazar, Delhi 110006

House of Paper and Duplex Board

मीन राशि (Pisces) : दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

इस वर्ष शनि आपके एकादश भाव में विराजमान होते हुए आपके पंचम भाव पर दृष्टि डालेंगे। इसके साथ ही मंगल देव भी वर्ष की शुरुआत में आपके दूसरे भाव में होंगे और फिर आपके तृतीय और चतुर्थ भाव में गोचर कर जाएंगे। वहीं गुरु बृहस्पति आपकी राशि के एकादश भाव में विराजमान होंगे और शनि की तरह ही आपके पंचम भाव को दृष्टि देंगे। छाया ग्रह राहु आपके तीसरे भाव को तो, केतु आपके नवम भाव को सक्रिय करेंगे। व्यापारी जातकों को भी अपने बिज़नेस को विस्तार देने का मौका मिलेगा। छात्रों को इस वर्ष अपने विषयों को समझने में खासा मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। आपको अपनी किसी पैतृक संपत्ति से लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के लिए यह वर्ष विशेष उत्तम रहेगा।

सन् २०२१ में हरिद्वार कुम्भ महापर्व की पुण्य तिथियाँ

वारुणी पर्व	गुरुवार/शुक्रवार	८/९ अप्रैल	वारुणी स्नान
चैत्र अमावस्या	सोमवार	१२ अप्रैल	द्वितीय शाही स्नान
मेष संक्रांति	बुधवार	१४ अप्रैल	तृतीय मुख्य शाही स्नान
रामनवमी	बुधवार	२१ अप्रैल	पाँचवा मुख्य स्नान
चैत्र पूर्णिमा	मंगलवार	२७ अप्रैल	चतुर्थ एवं अंतिम शाही स्नान
वैशाख पूर्णिमा	बुधवार	२६ मई	अंतिम मुख्य स्नान

जो श्रद्धालु उपरोक्त तिथियों में हरिद्वार न जा सकें, वे अक्षय तृतीया, भीष्माष्टमी, रथ सप्तमी, नवसंवत्सर प्रारम्भ दिन, रामनवमी, वैशाख अमावस्या, आद्यशंकराचार्य जयन्ती, गंगा सप्तमी जैसे पुण्य दिन में स्नान कर सकते हैं।

वारुणी स्नान का महत्व

वारुणी योग विशेष तिथि, योग, वार व नक्षत्र से बनता है। चैत्र मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को अगर शतभिषा हो तो वारुणी योग बनता है। इस योग में गंगा स्नान व दान का बहुत बड़ा महत्व है। यह योग अगर शनिवार के दिन पड़े तो वह योग महावारुणी स्नान कहलाता है। इस योग में किया गया गंगा स्नान व दान का विशिष्ट फल ममिलता है। बहुत समय बाद ऐसे योग बनते हैं।

Smart Toilet | Hand Shower | Quartz Kitchen Sink | Sink Mixer | Italian Series

TOYO®

The Luxurious Bathing Hub

Complete Bathroom Solution

aroma
of perfection
& excellence

Our Range of Products :

1. Bathroom Vanities
3. Sanitary Wares
5. Bathroom Automation Products
7. Showers and Shower Panels
9. Ceramic Art Basins
2. CP Fittings
4. Mirrors and SS Mirrors Cabinets
6. Luxury Faucets
8. Bathroom Accessories
10. Quartz Sinks

Toyo Sanitary wares Pvt. Ltd.

W-5, Sector -11, Noida (U.P) 201301 Phone No. - 0120-4080960, Toll Free No. -1800-102-0317
www.toyoindia.in

indiamart | #BadaAasaanHai

अब ऑनलाइन व्यापार करना हुआ और भी आसान!

12 करोड़ खरीदार

64 लाख विक्रेता

7 करोड़ उत्पाद और सेवाएं

ANDROID APP ON Google play

Download on the App Store

indiamart

संपर्क करे

customercare@indiamart.com

096-9696-9696

help.indiamart.com